@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शनिवार, 3 जनवरी 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 60 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

इंदौर दूषित पानी मामले में हाई कोर्ट ने अधिकारियों को भेजा नोटिस, 6 को अगली सुनवाई

एजेंसी

इंदौर। मध्य प्रदेश की औद्योगिक नगरी इंदौर में दूषित जल पीने से हुई मौत और कई लोगों के बीमार होने के मामले में तीन जनहित याचिकाएं दायर की गई हैं। इस पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ ने दो अफसरों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। हाई कोर्ट में दायर की गई जनहित याचिकाओं के बाद सरकार की ओर से स्टेटस रिपोर्ट पेश की गई। इस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने नगर निगम आयुक्त और अतिरिक्त आयुक्त को नोटिस

जारी किया है। साथ ही, इस मामले की अगली सुनवाई 6 जनवरी को होगी। दरअसल, पिछले दिनों भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से कई लोगों की मौत हुई है, जबकि प्रशासन सिर्फ चार लोगों की मौत स्वीकार रहा है। वहीं, मौतों का आंकड़ा स्थानीय लोग और राजनीतिक दल 14 से ज्यादा बता रहे हैं। सरकार की ओर से पेश की गई स्टेटस रिपोर्ट के दौरान भी यह बात सामने लाई गई कि प्रशासन अभी भी सिर्फ चार लोगों की मौत बता रहा है। बताया गया है कि इस मामले की अगली सुनवाई 6 जनवरी को होगी, जिसमें प्रशासन को दूषित पानी पीने से हुई मौतों का आंकड़ा पेश करना होगा। साथ ही कितने लोग बीमार हैं और आईसीयू में भर्ती हैं, यह भी विवरण देना होगा। भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से ही मौत के मामले में सरकार ने भी सख्त एक्शन लिया है। तीन अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। वहीं, जांच समिति भी बनाई गई है। दूसरी ओर विपक्षी दल सरकार को और नगर निगम को घेरने में लगे हुए हैं।

इंदौर दूषित पानी मामला : 15 मौतों के बाद सरकार सख्त, अपर आयुक्त हटाए गए, कलेक्टर को नोटिस

एजेंसी

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर में दूषित पेयजल से हुई 15 मौतों के मामले में सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए इंदौर नगर निगम के अपर आयुक्त को तत्काल प्रभाव से हटाने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही प्रभारी अधीक्षण यंत्री से जल वितरण कार्य विभाग का प्रभार वापस लेने और जिला कलेक्टर (डीएम) को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है। मध्य प्रदेश के इंदौर में दूषित पानी मामले में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जानकारी देते हुए कहा आज सुबह मुख्य सचिव और अन्य अधिकारियों के साथ इंदौर के दूषित पेयजल प्रकरण में राज्य शासन द्वारा की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अपर मुख्य सचिव (नगरीय प्रशासन एवं विकास) द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट पर भी चर्चा की। इंदौर नगर निगम आयुक्त और अपर आयुक्त को इस सम्बन्ध में कारण बताओ नोटिस जारी करने, अपर आयुक्त को तत्काल इंदौर से हटाने और प्रभारी अधीक्षण यंत्री से जल वितरण कार्य विभाग का प्रभार वापस लेने के निर्देश दिए। इंदौर नगर निगम में आवश्यक पदों पर तत्काल प्रभाव से पूर्ति करने के निर्देश भी दिए।

इंदौर में दूषित पेयजल प्रदाय से हुई दुखद घटना के संबंध में जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करने के उपरांत प्रदेश के अन्य स्थानों के लिए भी हम सुधारात्मक कदम उठा रहे हैं। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्यक्रम बनाने के निर्देश दिए हैं।

अहंकार से मुक्त मन से ही सच्ची सफलता: राजनाथ

● शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज, राष्ट्र और भावी पीढ़ियों के निर्माण का सशक्त आधार : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। उदयपुर। शिक्षा व्यवस्था की मजबूती का आधार शिक्षक होता है। शिक्षक को समाज में सम्मान की दृष्टि से देखा जाना चाहिए, क्योंकि इतिहास इस बात का साक्षी है कि शिक्षकों ने अनेक बार सामाजिक परिवर्तनों की नींव रखी है। जो झुकना जानता है, वही उठना भी जानता है। शिक्षा को सम्मान देने से शिक्षा स्वयं विकास का पर्याय बन जाती है। ज्ञान के समुचित उपयोग के लिए विवेक अनिवार्य है। विवेकयुक्त ज्ञान ही कल्याणकारी होता है, अन्यथा वही ज्ञान विनाश का कारण भी बन सकता है। विवेक का विकास व्यक्ति के भीतर आवश्यक है। विद्यार्थियों को कैसे सोचना है और सर्वांगीण दृष्टिकोण कैसे विकसित करना है, इस दिशा में विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ये विचार शुक्रवार को भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भूपाल नोबल्स विद्या प्रचारिणी सभा के 104वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज, राष्ट्र और भावी पीढ़ियों के निर्माण का सशक्त आधार है। शिक्षा वही सफल मानी जाती है जो धर्म को धारण कराए। यहां धर्म का तात्पर्य किसी संप्रदाय से नहीं, बल्कि उस दायित्वबोध और चेतना से है जो मानव चरित्र का निर्माण करती है। शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों, संवेदनाओं तथा आंतरिक गुणों और शक्तियों के विकास का साधन है। आस्था और विश्वास के बल पर जीवन की बड़ी से बड़ी समस्याओं का समाधान संभव है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि मनुष्य केवल शब्दों से नहीं, बल्कि अपने कर्मों से विभूषित होता है। जीवन में सच्ची सफलता प्राप्त करने के लिए मन को अहंकार से मुक्त करना आवश्यक है। अहंकार रहित मन से ही अनंत सुख और परमानंद की अनुभूति संभव है।

यूपी के फरीदपुर से भाजपा विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल का आकस्मिक निधन

बरेली। फरीदपुर से भाजपा विधायक प्रोफेसर डॉ. श्याम बिहारी लाल का शुक्रवार को आकस्मिक निधन हो गया। बरेली सर्किट हाउस में अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें मेडिसिटी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। उनके निधन की खबर से राजनीतिक और शैक्षणिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है।जानकारी के मुताबिक शुक्रवार दोपहर को यहां सर्किट हाउस में राज्य के पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह की एसआईआर को लेकर बैठक चल रही थी। इसी दौरान डॉ. श्याम बिहारी लाल को अचानक सीने में तेज और असहनीय दर्द उठा। हालत बिगड़ते देख अफसरों और सहयोगियों में अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में उन्हें मेडिसिटी अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने सीपीआर सहित तमाम प्रयास किए, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। अस्पताल के डॉ. विमल भारद्वाज ने बताया कि उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की गई, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण सफलता नहीं मिली। दुखद संयोग यह रहा कि डॉ. श्याम बिहारी लाल ने एक दिन पहले ही अपना जन्मदिन मनाया था।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की ओर से मोहाली हवाई अड्डे से और अधिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने की वकालत

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 2 जनवरी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज यहां शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से और अधिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने की वकालत करते हुए कहा कि विदेशी कार्यों के विस्तार से पूरे क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों, पर्यटन और निवेश को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने ये टिप्पणियां चंडीगढ़ इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (सीएचआईएएल) द्वारा पंजाब सरकार को 19 करोड़ रुपए का अंतरिम लाभांश सौंपते समय की, जिसे उन्होंने हवाई अड्डे के सतत विकास और केंद्र-पंजाब की मजबूत साझेदारी का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि मोहाली से मजबूत वैश्विक हवाई संपर्क उद्यमियों और व्यापारियों के लिए पहुंच को आसान बनाएगा साथ ही राज्य के युवाओं के लिए रोजगार सृजन करेगा और पंजाब को अंतरराष्ट्रीय व्यापार तथा पर्यटन के लिए पसंदीदा स्थान के रूप में स्थापित करेगा। चंडीगढ़ इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (सीएचआईएएल) के अधिकारियों, जिन्होंने मुख्यमंत्री को 19 करोड़ रुपए का अंतरिम लाभांश चेक भेंट किया, से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का निरंतर विकास केंद्र और पंजाब सरकारों के बीच मजबूत साझेदारी को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मोहाली से

अंतरराष्ट्रीय कार्यों के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है ताकि राज्य को विश्व के विभिन्न स्थानों से जोड़ा जा सके। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इससे राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजन में मदद मिलेगी, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे क्षेत्र और विश्व के उद्यमियों, व्यापारियों तथा उद्योगपतियों की राज्य में सुगम आवाजाही में भी मदद मिलेगी, जिससे क्षेत्र में व्यापार, वाणिज्य और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस हवाई अड्डे से अधिक उड़ानें शुरू करने से क्षेत्र के लोगों को सुविधा मिलेगी तथा साथ ही यह कदम दुनिया भर के प्रमुख उद्यमियों को राज्य में बड़ा निवेश करने के लिए आकर्षित करेगा। भगवंत सिंह मान ने उम्मीद जताई कि यह राज्य में औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए और अधिक महत्वपूर्ण साबित होगा तथा पंजाब को सबसे पसंदीदा निवेश स्थल के रूप में प्रदर्शित करेगा। इस दौरान सीएचआईएएल प्रबंधन ने मुख्यमंत्री तथा पंजाब सरकार का उनके मार्गदर्शन, समर्थन और सहयोग के लिए दिल से धन्यवाद किया, जिसके कारण हवाई अड्डे के विकास तथा परिचालन गतिविधियों को बेहतर बनाने में मदद मिली है। लाभांश का यह चेक सौंपना सीएचआईएएल की मजबूत वित्तीय स्थिति तथा हितधारकों के बीच बेहतर सहयोग को दर्शाता है, जो अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय रूटों सहित भविष्य के विस्तार के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए लाभांश सीएचआईएएल बोर्ड द्वारा 12 दिसंबर, 2025 को घोषित किया गया था।

मार्च 2026 तक 500 के नोट बंद होने की खबर फर्जी

● पीआईबी फैक्ट चेक ने बताया झूठा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर फैल रही एक झूठी खबर का खंडन किया है, जिसमें कहा जा रहा था कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मार्च 2026 तक एटीएम से 500 रुपए के नोट देना बंद कर देगा। सरकार ने साफ कहा है कि यह दावा पूरी तरह गलत है। सरकार की फैक्ट-चेक एजेंसी पीआईबी फैक्ट चेक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, ''आरबीआई मार्च 2026 तक एटीएम से 500 रुपए के नोट बंद कर देगा। कुछ सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक मार्च 2026 तक 500 रुपए के नोटों का प्रचलन बंद कर देगा। यह दावा फर्जी है।'' एजेंसी ने कहा कि आरबीआई ने ऐसा कोई फैसला

नहीं लिया है और न ही कोई घोषणा की है। पीआईबी फैक्ट चेक ने यह भी स्पष्ट किया कि 500 रुपए के नोट पूरी तरह वैध हैं और अभी भी चलन में हैं। लोगों से कहा गया है कि वे ऐसी अफवाहों पर भरोसा न करें और किसी भी खबर को साझा करने से पहले सरकारी स्रोतों से उसकी जांच जरूर करें। पिछले साल अगस्त में भी एक ऐसा ही व्हाट्सएप मैसेज वायरल हुआ था, जिसमें दावा किया गया था कि आरबीआई ने बैंकों को 30 सितंबर तक एटीएम के जरिए 500 रुपए के नोट जारी करना बंद करने का आदेश दिया है। उस समय भी सरकार ने इस खबर को गलत बताया था।उस फर्जी मैसेज में यह भी कहा गया था कि मार्च 2026 तक 90 प्रतिशत एटीएम और सितंबर 2026 तक 75 प्रतिशत एटीएम से 500 रुपए के नोट मिलना बंद हो जाएगा। पीआईबी फैक्ट चेक ने तब भी साफ किया था कि केंद्रीय बैंक ने ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं किया है। फैक्ट चेक यूनिट ने लोगों को चेतावनी दी है कि इस तरह की गलत खबरें लोगों को धोखा देने के लिए फैलाई जाती हैं। किसी भी आर्थिक या बैंक से जुड़ी जानकारी को सिर्फ सरकारी और भरोसेमंद स्रोतों से ही जांचना चाहिए।

ठंड को लेकर सीएम योगी का बड़ा आदेश, 12वीं तक के सभी स्कूल पांच जनवरी तक बंद रहेंगे

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर ठंड को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने समीक्षा बैठक में बढ़ती ठंड को लेकर अधिकारियों को काफी निर्देश जारी किए। इसके साथ ही चेतावनी भी दी कि कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कड़ाके की ठंड के कारण ICSE, CBSE, UP बोर्ड और अन्य बोर्ड सहित क्लास 12 तक के सभी स्कूल 5 जनवरी तक बंद रहेंगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को फील्ड में एक्टिव रहने, सभी जिलों में कंबल और अलाव की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने और यह पक्का करने का निर्देश दिया है कि कोई भी खुले में न सोए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कड़ाके की ठंड के दौरान लोगों को राहत देने के लिए सभी रैन बसेरों में जरूरी सुविधाओं का पूरा इंतजाम होना चाहिए।

रेल मंत्री का दावा, 15 अगस्त 2027 को शुरू होगी बुलेट ट्रेन

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना में ऐतिहासिक उपलब्धि की घोषणा करते हुए कहा कि महाराष्ट्र के पालघर जिले में विरार और बोईसर बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच लगभग 1.5 किलोमीटर लंबी पहाड़ी सुरंग (माउंटेन टनल-5) में सफल ब्रेकथ्रू हासिल कर लिया गया है। यह महाराष्ट्र में परियोजना की पहली पर्वतीय सुरंग है। रेल मंत्री ने बताया कि बुलेट ट्रेन परियोजना 15 अगस्त 2027 तक पूरी करने का लक्ष्य है।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को यहां रेल भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना के लिए मील का पत्थर है। उन्होंने कहा, 'इस ब्रेकथ्रू के साथ ठाणे से अहमदाबाद तक का पूरा सेक्शन अब साफ हो गया है। केवल मुंबई-ठाणे के बीच समुद्र के नीचे का हिस्सा शेष है। 'रेल मंत्री ने बताया कि माउंटेन टनल-5 पालघर जिले की सबसे लंबी सुरंगों में शामिल है। इस सुरंग की खुदाई दोनों सिरों से की गई और अत्याधुनिक 'ड्रिल एंड ब्लास्ट' तकनीक का उपयोग करते हुए 18 महीनों में कार्य पूरा किया गया। इस तकनीक से खुदाई के दौरान जमीन की स्थिति की रियल टाइम निगरानी संभव होती है

पालघर में पर्वतीय सुरंग का ब्रेकथ्रू

भूमिगत सुरंग का निर्माण सितंबर 2025 में पूरा हो चुका है। कुल 508

और आवश्यकता के अनुसार शॉटक्रीट, रॉक बोल्ट और लैटिस गर्डर जैसे सुरक्षा उपाय अपनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण के दौरान सभी सुरक्षा मानकों, वेंटिलेशन और अग्नि सुरक्षा उपायों का पूरी तरह पालन किया गया। उन्होंने बताया कि इससे पहले ठाणे और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) के बीच लगभग पांच किलोमीटर लंबी पहली किलोमीटर लंबी मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना में 27.4 किलोमीटर लंबी सुरंगें शामिल हैं, जिनमें 21 किलोमीटर भूमिगत और 6.4 किलोमीटर सतही सुरंगें हैं। इस परियोजना में कुल आठ पर्वतीय सुरंगें हैं, जिनमें से सात महाराष्ट्र में (करीब 6.05 किलोमीटर) और एक 350 मीटर लंबी सुरंग गुजरात में स्थित है।

मुंबई का मेयर मराठी ही होना चाहिए : रामदास आठवले

नई दिल्ली। सबसे अमीर कहे जाने वाले मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों को लेकर गहमागहमी तेज हो चली है। इस बीच केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के अध्यक्ष रामदास आठवले ने कहा कि मुंबई में उनकी पार्टी भी 20 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और बाकी सीटों पर महायुति को समर्थन देगी। शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित प्रेसवार्ता में आठवले ने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस से बातचीत के बाद यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि अन्य सीटों पर उनकी पार्टी भाजपा को समर्थन देगी। कुछ सीटों पर पार्टी अलग से चुनाव लड़ रही है, लेकिन महायुति के साथ ही बनी रहेगी। राजठाकरे और उद्धव ठाकरे के एक साथ चुनाव लड़ने के सवाल पर रामदास आठवले ने कहा कि उद्धव ठाकरे ने बाला साहेब ठाकरे की आत्मा को तिलांजलि दी है। उन्होंने राज ठाकरे के साथ हाथ मिलाकर बहुत बड़ी गलती की है। मुंबई चुनाव में महायुति की जीत होगी और मेयर भी बनाएगी। मराठी मेयर के सवाल पर उन्होंने कहा कि बीएमसी चुनाव में उनकी पार्टी का लक्ष्य महायुति को मजबूत करना और उसी का मेयर बनाना है।

आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों से पानी साझा नहीं कर सकता भारत: एस. जयशंकर

● आतंकवाद को बढ़ावा देने के कारण पाकिस्तान को एक अच्छा पड़ोसी देश नहीं कहा जा सकता।

एजेंसी

चेन्नई। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पाकिस्तान को कड़े और स्पष्ट शब्दों में कहा है कि जो देश लगातार आतंकवाद को बढ़ावा देता है, वह भारत से जल संसाधनों को साझा करने की मांग नहीं कर सकता। उन्होंने साफ किया कि भारत अपनी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगा।

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि भारत अपने नागरिकों को आतंकवाद से बचाने के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि विदेश नीति में यह स्पष्ट रूप से तय होना चाहिए कि कौन मित्र देश है

और कौन शत्रु। भारत आतंकवाद को किसी भी रूप में स्वीकार नहीं कर सकता। एस. जयशंकर ने कहा कि जो पड़ोसी देश लगातार आतंकवाद का समर्थन करता है, उसके खिलाफ भारत को खुद को सुरक्षित रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने का पूरा अधिकार है। इस अधिकार का उपयोग कैसे और कब किया जाएगा, यह पूरी तरह भारत का संप्रभु निर्णय है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि भारत को क्या करना चाहिए या क्या नहीं करना चाहिए, यह कोई बाहरी ताकत तय नहीं कर सकती।

विदेश मंत्री ने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि कोई देश एक साथ भारत में आतंकवाद फैलाने का प्रयास भी नहीं कर सकता और भारत से उसके जल संसाधनों को साझा करने की अपेक्षा भी नहीं रख सकता। उन्होंने कहा कि एक देश ने यह तय कर लिया है कि वह इच्छानुसार, स्थायी रूप से और बिना किसी पछतावे के आतंकवाद को जारी रखेगा।

जयशंकर ने आगे कहा कि वर्षों से आतंकवाद को बढ़ावा देने के कारण पाकिस्तान को एक अच्छा पड़ोसी देश नहीं कहा जा सकता। ऐसे में वह पड़ोसी होने से मिलने वाले किसी भी लाभ की उम्मीद भी नहीं कर सकता। भारत अपनी सुरक्षा, संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाता रहेगा।

विदेश मंत्री के इस बयान को भारत की सख्त और स्पष्ट विदेश नीति का संकेत माना जा रहा है, जिसमें आतंकवाद के मुद्दे पर किसी भी तरह की नरमी की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी गई है।

कनाडा में पायलट की करतूत पर एयर इंडिया ने मांगी थी माफी, डीजीसीए ने किया स्पष्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने शुक्रवार को स?पष?ट किया कि कनाडा के वैंकूवर से दिल्ली आने वाली एयर इंडिया फ्लाइट के पायलट को शराब पीने के आरोप में विमान से उतार दिया गया था। पायलट की इस हरकत पर एयर इंडिया ने मांफी मांगी थी, न कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने, जैसा कुछ मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विमानन नियामक डीजीसीए ने यह स्पष्ट करते हुए कहा है कि मीडिया के एक हिस्से में ये रिपोर्ट किया जा रहा है कि कनाडा में एयर इंडिया के एक पायलट को शराब के नशे में होने के कारण ड्यूटी से हटा दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक पायलट के मुंह से शराब की गंध आ रही थी और बाद में उसे हिरासत में ले लिया गया। विमानन नियामक डीजीसीए ने इसे गंभीरता से लेते हुए एयर इंडिया के पायलट को ड्यूटी के लिए अनफिट घोषित कर दिया और यात्रियों को हुई असुविधा के लिए माफी मांगी। लेकिन ऐसा नहीं है, पायलट की इस हरकत पर माफी एयर इंडिया ने जारी की थी।

अब लद्दाख के उपराज्यपाल 100 करोड़ रुपये तक की परियोजना को मंजूरी दे सकेंगे

एजेंसी

जम्मू। केंद्र सरकार ने लद्दाख के उपराज्यपाल की वित्तीय शक्तियां बहाल कर दी हैं। इसके बाद अब उपराज्यपाल 100 करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं के मूल्यांकन और अनुमोदन के लिए अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर सकेंगे।वित्त मंत्रालय ने लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव और लक्षद्वीप के प्रशासकों और उपराज्यपालों को 100 करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं के मूल्यांकन और अनुमोदन के लिए अधिकार सौंप दिया है। मंत्रालय के अनुसार वित्तीय शक्तियों के प्रत्यायोजन नियम (डीएफपीआर), 2024 के तहत एलजी और प्रशासकों को शक्तियां प्रदान की गई हैं। मंत्रालय के अनुसार इन शक्तियों का प्रयोग एलजी/प्रशासक संबंधित यूटी के सचिव (वित्त) या वित्तीय सलाहकार के परामर्श से, साथ ही पर्याप्त बजटीय प्रावधान उपलब्ध होने के बाद करेंगे। वित्त मंत्रालय के निर्देश में कहा गया है कि प्रत्यायोजित शक्तियों को फिर से प्रत्यायोजित नहीं किया जा सकता है। यह भी निर्देश दिये गए हैं कि इन शक्तियों के तहत स्वीकृत सभी प्रस्तावों का विवरण जुलाई, अक्टूबर, जनवरी और अप्रैल के अंत तक गृह मंत्रालय के माध्यम से व्यय विभाग को त्रैमासिक प्रस्तुत किया जाना चाहिए। पत्र के अनुसार डीएफपीआर, 2024 के नियम 16 के तहत प्रशासकों और एलजी की सैद्धांतिक मंजूरी से अंतिम मंजूरी तक व्यय को मंजूरी देने की शक्तियां जारी रहेंगी, लेकिन सक्षम अधिकारी योजनाओं के मूल्यांकन और अनुमोदन के बाद ही।

जामनगर में एसओजी की बड़ी कार्रवाई : अवैध रूप से रह रहे 5 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

जामनगर (एजेंसी)। जामनगर में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से भारत में रह रहे पांच बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में दो पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं, जो शहर की पटेल कॉलोनी में किराए के मकान में रह रहे थे। जांच के दौरान इन आरोपियों के पास से पश्चिम बंगाल के आधार कार्ड बरामद हुए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ये सभी बिना पासपोर्ट, वीज़ा या भारत सरकार की किसी भी प्रकार की अनुमति के अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर यहां रह रहे थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम शहाबुद्दीन मोहम्मद गौस शेख, महमद आरिफ मुजीबर शेख, जमिला बेगम अनारदी शेख, नजमा बेगम अब्दुलहकीम हाउलदार और मुर्सीदा बेगम महमद आरिफ मुजीबर शेख बताए गए हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि ये सभी पटेल कॉलोनी की गली नंबर 11 में एक मकान किराए पर लेकर रह रहे हैं। सूचना के आधार पर एसओजी ने स्वस्तिक मार्बल के सामने स्थित गुलाम मयूदीन अब्दुलकरीम खान गागदाणी के मकान पर छापा मारा, जहां पांचों बांग्लादेशी नागरिक अवैध रूप से रह रहे पाए गए। सभी को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। एसओजी ने आरोपियों के खिलाफ पासपोर्ट अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही, अवैध नागरिकों को मकान किराए पर देने वाले मकान मालिक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

महिला फांसी पर झूली, दहेज लोभियों पर मामला दर्ज

जबलपुर (एजेंसी)। थाना गढ़ा चौकी मेडिकल कॉलेज से 5 फरवरी 2025 को सूचना मिली कि ग्राम पौड़ी, थाना शहपुरा निवासी 22 वर्षीय एकता पटेल को 4 फरवरी को बेहोशी की हालत में मेडिकल कॉलेज लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक कार्रवाई के तहत पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और घटनास्थल थाना शहपुरा क्षेत्र में होने के कारण मर्ग डायरी अग्रिम जांच हेतु थाना शहपुरा स्थानांतरित की गई। जांच के दौरान मृतिका के माता-पिता और भाई ने पुलिस को दिए बयानों में बताया कि एकता पटेल की शादी जनवरी 2022 में ग्राम पौड़ी निवासी रोहित पटेल से हुई थी। अगस्त 2024 में रोहित पटेल द्वारा ट्रैक्टर खरीदने के लिए 50 हजार रुपये दहेज के रूप में मांगे गए। इसके अलावा ससुराल पक्ष द्वारा लगातार सोने-चांदी के गहने, आलमारी और सूटकेस की मांग कर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। परिजनों के अनुसार 4 फरवरी 2025 की दोपहर करीब 2:30 बजे एकता का भाई सिद्धांत पटेल उसके घर पहुंचा। कमरे का दरवाजा खोलने पर एकता घर के अंदर फांसी पर लटकी मिली। सूचना मिलने पर जेठ अभिनव पटेल और निखिल पटेल ने उसे फांसी से उतारकर कार से मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी माधुरी पटेल, पति रोहित पटेल, देवर आदर्श पटेल, जेठ अभिनव पटेल और निखिल पटेल के खिलाफ धारा 80(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

छपरा : नर्स अंजलि मौत मामला अभी भी रहस्यमय

पटना (एजेंसी)। बिहार के छपरा जंक्शन के पास रेलवे ट्रैक पर नर्स अंजलि का क्षत-विक्षत शव मिलने का मामला अब भी रहस्यमय बना हुआ है। अंजलि, जो छपरा के निजी अस्पताल में नर्स के रूप में कार्यरत थी, 26 दिसंबर को रहस्यमय तरीके से लापता हो गई थी। उसके शव की खोज 27 दिसंबर को रेलवे ट्रैक पर हुई। परिजन घटना को हत्या मान रहे हैं और उन्होंने डॉक्टर पंकज कुमार, उनके सहयोगी अखिलेश कुमार और फिरोज केशर पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं। परिजनों का कहना है कि डॉक्टर और उनके साथी अंजलि का दुष्कर्म करने के बाद शव को ट्रैक पर रखकर दुर्घटना का रूप देने की कोशिश कर रहे थे। इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच में पुलिस को अभी तक ठोस सुराग हाथ नहीं लगा हैं। हत्या है या आत्महत्या, यह सवाल जांच का केंद्र बना हुआ है। मामले की संवेदनशीलता को देखकर रेल आईजी पी. कन्नन ने उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। हालांकि रेल आईजी ने मीडिया से किसी प्रकार की जानकारी साझा नहीं की। जांच में देरी और अभी तक स्पष्ट परिणाम न मिलने के कारण अंजलि के परिजन काफी परेशान हैं और उनका धैर्य जवाब देने लगा है। इस प्रकरण ने न केवल लोगों को झकझोर कर रख दिया है, बल्कि प्रशासन पर भी दबाव बढ़ा दिया है। अभी तक इस मामले में कोई अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया है, और अंजलि की मौत के पीछे का सच परदे के पीछे ही बना हुआ है। जांच के अगले चरण और नए सुरागों पर सभी की नजरें टिकी हैं।

घने कोहरे के कारण लेट चल रही ट्रेन...स्टेशन पर यात्रियों को हो रही परेशानी

चंदौली (एजेंसी)। साल बदल गया लेकिन मौसम का मिजाज अभी भी नहीं नहीं बदला। हम बात कर रहे हैं घने कोहरे और ठंड की। बीते साल दिसंबर के दूसरे सप्ताह से जिस घने कोहरे की शुरुआत हुई थी। वह नए साल में भी बदस्तूर जारी दिख रहा है। इसके साथ ही घने कोहरे के चलते ट्रेनों के लेट चलने का सिलसिला जारी है। दिल्ली हावड़ा रेल रूट के सबसे व्यस्ततम रेलवे स्टेशनों में शुमार पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से होकर गुजरने वाली सियालदह राजधानी, भुवनेश्वर राजधानी, पटना राजधानी और हावड़ा राजधानी सहित पुरुषोत्तम एक्सप्रेस, मगध एक्सप्रेस, पूर्वा एक्सप्रेस, दुरंतो एक्सप्रेस और ब्रह्मपुत्र मेल जैसी दर्जनों ट्रेनें अपने निर्धारित समय से कई-कई घंटे लेट चल रही हैं। वहीं शीतलहर और ठंड में ट्रेनों के इंतजार में यात्रियों का हाल बेहाल हो रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से गया जा रहे यात्री ने बताया कि उनकी ट्रेन 4 घंटे लेट हो गई है। ठंड और कोहरा बहुत ज्यादा है। इसकारण ट्रेन का इंतजार करना काफी मुश्किलभरा साबित हो रहा है। अरुणाचल प्रदेश के पर्यटक ने बताया कि अगरतला त्रिपुरा सुंदरी ट्रेन से हमें त्रिपुरा जाना है। ट्रेन बहुत ज्यादा लेट हो गई है। वहीं एक यात्री ने बताया कि हमें कोलकाता एक्सप्रेस से गया जाना है लेकिन ट्रेन 5 से 6 घंटे लेट चल रही है।

टायर फटने से पलटा पिकअप वाहन, तीन की मौत, एक घायल

बैंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के हासन जिले में गुरुवार को एक पिकअप वाहन का टायर फटने के बाद पलट जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। स्थानीय पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतकों की पहचान शब्बीर (55), तिम्मन्ना (53) और संजय (45) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि हादसे में घायल हासन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बांग्लादेश में रह रहे हिन्दुओं को अपनी नहीं भारत सरकार से उम्मीद... वे अपनी नीति बदले

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों का जिस तरह से अमानवीय तरीके से उत्पीड़न किया जा रहा है, उसके लिए भी वहां रहने वाले हिंदुओं को भारत की नीति पर ही उम्मीद अटकी हुई है। बांग्लादेश के अल्पसंख्यक नेताओं का दावा है कि वहां रहने वाले अल्पसंख्यकों खासकर हिंदुओं की जान भी भारत की नीतियों पर निर्भर है। स्थिति ऐसी हो चुकी है कि इस साल बंगाल और असम में जो विधानसभा चुनाव होने हैं, उस लेकर भी वे सहमे हुए हैं और उन्हें इस बात की चिंता सता रही है कि भारत में हो रहे इन चुनावों का खामियाजा कहीं उन्हें न भुगतना पड़े। इसकारण वे बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार पर अपनी सुरक्षा के लिए दबाव बनाने के बजाए, भारत की बांग्लादेश नीति में परिवर्तन की गुहार लगा रहे हैं।

एक रिपोर्ट में बांग्लादेश माइनॉरिटी जनता पार्टी के अध्यक्ष ने बताया कि वहां बच गए अल्पसंख्यकों को अब अपनी सरकार से कोई उम्मीद नहीं है। उन्हें लगता है कि बांग्लादेश में उनके सुरक्षित रहने के लिए जरूरी है कि भारत की विदेश नीति बदल जाए, ताकि कट्टरपंथी मुसलमान उनके प्रति रहम दिखाना शुरू कर दें।

बांग्लादेश माइनॉरिटी जनता पार्टी के अध्यक्ष सुकृति कुमार मंडल ने आरोप लगाया है कि अवामी लीग की जिस शेख हसीना सरकार को पिछले साल मजहबी हुड़दंगियों की हिंसक भीड़ ने सत्ता से बेदखल किया, उसके कार्यकाल में हिंदुओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा था। उन्होंने कहा है कि वहां हिंदुओं के जीवित बचे रहने के लिए अब राजनीतिक प्रतिनिधित्व अति आवश्यक हो चुका है, लेकिन बांग्लादेश में स्थिरता हो इसके लिए भारत की बांग्लादेश नीति में बदलाव की भी जरूरत पड़ेगी।

दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र मंडल के मुताबिक बांग्लादेश के ज्यादातर लोग, चाहे वे किसी भी राजनीतिक दल से जुड़े हों, वे भारत के साथ अच्छा संबंध चाहते हैं और इस बात में भी कोई दो राय नहीं है कि इस क्षेत्र में भारत की भूमिका को कभी भी कमतर करके नहीं देखा जा सकता है। लेकिन, इसके साथ ही उनका दावा है कि भारत का अवामी लीग के अंध समर्थन ने भारत-विरोधी भावनाएं विकसित की हैं, जिससे जमीन पर भारत-विरोधी तत्वों को मदद मिल गई है।

उन्होंने कहा, हालांकि हमारा देश अभी उथल-पुथल की दौर से गुजर रहा है और यहां कोई औपचारिक सरकार भी नहीं है, यहां के हिंदुओं को लिए यह इसलिए भी और भयानक समय है क्योंकि पड़ोसी भारत के पश्चिम बंगाल और असम में चुनाव हैं। यह हमारे लिए यातनाओं का मौसम है। उन्होंने कहा, अगर भारत की मौजूदा सरकार भारत में चुनावों के लिए बांग्लादेशी हिंदुओं की दुर्दशा का राजनीतिक फायदा उठाने के लिए इस्तेमाल करना चाहती है, तब हम कुछ नहीं कर सकते, लेकिन लंबे समय में यह रवैया उल्टा पड़ेगा।

भूमाफिया पर सख्ती : बिहार में लालू यादव की संपत्तियों की जांच की मांग, गरमाई सियासत

पटना। बिहार में इन दिनों भू-माफिया और जमीन के अवैध कारोबार से जुड़े दलालों के खिलाफ सरकार का बेहद सख्त रुख देखने को मिल रहा है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की कमान संभालने के बाद उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने अधिकारियों और माफियाओं के गठजोड़ को तोड़ने के लिए एक आक्रामक अभियान छेड़ रखा है। इस अभियान के बीच अब राज्य की राजनीति में एक नया मोड़ आ गया है। सत्ताधारी दल जेडीयू ने आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की जमीन और संपत्तियों की गहन जांच कराने की मांग उठा दी है। जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने इस संबंध में उपमुख्यमंत्री से त्वरित कदम उठाने की अपील की है, जिसके बाद बिहार का सियासी पारा अचानक बढ़ गया है। जेडीयू की इस मांग पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने स्पष्ट किया है कि विभाग किसी भी प्रकार की शिकायत पर विचार करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि यदि जेडीयू नेता उनके द्वारा आयोजित भूमि सुधार जनकल्याण संवाद कार्यक्रम में औपचारिक रूप से आवेदन देते हैं, तो सरकार और विभाग इस पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ विचार करेगा। सिन्हा ने जोर देकर कहा कि उनका यह अभियान किसी व्यक्ति विशेष या किसी राजनीतिक दल को निशाना बनाने के लिए नहीं है, बल्कि यह पूरे सिस्टम की खामियों और भ्रष्टाचार के खिलाफ एक निर्णायक लड़ाई है। उन्होंने चेतावनी दी कि जमीन हड़पने वाले माफिया हों या उनसे सांठगांठ रखने वाले अधिकारी, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। यह राजनीतिक विवाद ऐसे समय में गहराया है जब उपमुख्यमंत्री खुद जिलों का दौरा कर जनसंवाद के माध्यम से आम जनता की जमीन संबंधी शिकायतों का मौके पर निपटारा कर रहे हैं। इसी दौरान जेडीयू नेता नीरज कुमार ने लालू परिवार की पटना और अन्य क्षेत्रों में स्थित संपत्तियों पर सवाल उठाते हुए जांच की आवश्यकता जताई है। जेडीयू का तर्क है कि जब सरकार जमीन माफिया के खिलाफ व्यापक मुहिम चला रही है, तो बड़े नेताओं की बेनामी या संदिग्ध संपत्तियों को जांच के दायरे से बाहर नहीं रखा जाना चाहिए।

उत्तर भारत में भीषण ठंड और कोहरे का प्रकोप: कई राज्यों में स्कूलों की छुट्टियां घोषित

नई दिल्ली(एजेंसी)। उत्तर भारत में नए साल का आगमन कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के साथ हुआ है। जनवरी की शुरुआत होते ही समूचा उत्तर और उत्तर-मध्य भारत शीत लहर की चपेट में है। वर्तमान स्थिति यह है कि कई क्षेत्रों में दृश्यता (विजिबिलिटी) शून्य तक पहुँच गई है, जिससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हुआ है। इस भीषण मौसमी स्थिति का सबसे अधिक प्रभाव स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है, जिन्हें सुबह के घने कोहरे और ठिठुरन में स्कूल जाने में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न राज्य सरकारों और जिला प्रशासनों ने स्कूलों को बंद करने या उनके समय में परिवर्तन करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

आज, 2 जनवरी 2026 को उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब सहित कई राज्यों में प्राथमिक से लेकर माध्यमिक स्तर तक के स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ, कानपुर, आगरा और वाराणसी जैसे प्रमुख शहरों में जिलाधिकारियों ने कक्षा 8 तक के स्कूलों को बंद रखने के निर्देश दिए हैं। वहीं, नोएडा और गाजियाबाद जैसे दिल्ली से सटे इलाकों में स्कूलों को सुबह 10 बजे के बाद खोलने या ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने का विकल्प दिया गया है। यह आदेश सरकारी और निजी दोनों तरह के शिक्षण संस्थानों पर समान रूप से लागू है।

राजस्थान में भी स्थिति गंभीर बनी हुई है। शेखावाटी अंचल और उत्तरी जिलों जैसे बीकानेर और चूरू में तापमान शून्य डिग्री के करीब पहुंच गया है। राजधानी जयपुर सहित अन्य जिलों में शीतकालीन अवकाश को 5 जनवरी तक बढ़ा दिया गया है, ताकि छोटे बच्चों को जमा देने वाली ठंड से बचाया जा सके। हरियाणा सरकार ने और भी कड़ा कदम उठाते हुए राज्य के सभी स्कूलों में 15 जनवरी 2026 तक सर्दियों की छुट्टियों की घोषणा कर दी है। पंजाब में भी इसी तर्ज पर प्राथमिक विद्यालयों को बंद रखा गया है, जबकि बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए कक्षा 9 से 12 तक के लिए समय सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक तय किया गया है।

सियासी फेरबदल: बंगाल में अकेले चुनाव मैदान में उतर सकती है कांग्रेस !

नई दिल्ली(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सियासत में बड़ा फेरबदल देखने को मिल सकता है। कांग्रेस पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों में वाम मोर्चे से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने पर गंभीरता से विचार कर रही है। पार्टी के भीतर इसे लेकर मंथन तेज हो गया है और संकेत मिल रहे हैं कि कांग्रेस अब अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान को फिर से मज़बूत करने की रणनीति पर आगे बढ़ सकती है।

सूत्रों के अनुसार, पिछले चुनावों में वाम मोर्चे के साथ गठबंधन के बावजूद कांग्रेस को अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। 2021 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और वाम मोर्चा दोनों ही खाता खोलने में नाकाम रहे थे, जिससे पार्टी के अंदर गठबंधन की उपयोगिता पर सवाल उठे।

कांग्रेस नेताओं का मानना है कि राज्य में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी लड़ाई के कारण तीसरे मोर्चे की राजनीति कमजोर हुई है। ऐसे में पार्टी अब जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत कर, अपने बलबूते जनता के बीच जाने की तैयारी कर रही है।पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि बंगाल में कांग्रेस की ऐतिहासिक भूमिका रही है और मतदाता

आज भी एक वैकल्पिक राजनीतिक ताकत की तलाश में हैं। अकेले चुनाव लड़ने से पार्टी को अपनी नीतियों और विचारधारा को स्पष्ट रूप से जनता के सामने रखने का अवसर मिलेगा।

हालांकि, इस मुद्दे पर अंतिम फैसला पार्टी आलाकमान की मंजूरी के बाद ही लिया जाएगा। आने वाले दिनों में कांग्रेस की रणनीति बंगाल की राजनीति की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकती है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, पश्चिम बंगाल में तृणमूल की साथ गठबंधन में जाने से केरल में वाम मोर्चे के साथ भिड़ने में मुश्किल होगी क्या? इस पर विमर्श चल रहा है। पश्चिम बंगाल में वाम मोर्चे के साथ जाने पर लाभ हानि के गुणा भाग पर भी काम हो रहा है। केरल में वाम मोर्चे की अगुवाई वाली एलडीएफ और कांग्रेस की अगुवाई वाली यूडीएफ आमने सामने है। वाम दलों के साथ पश्चिम बंगाल चुनाव कांग्रेस ने 2016 में लड़ा था जिसमें कांग्रेस को 44 और वाम मोर्चा को 26 सीटें मिली थी। 2021 में गठबंधन के दोनों दलों को खाता खोलना भी भारी पड़ा था। भाजपा का सूबे में पूरी तरह अभ्युदय हो चुका था। 2016 में 3 सीटें हासिल करने वाली भाजपा 2021 के चुनाव में 77 सीटों पर फतह हासिल कर 38 फीसदी पाने का आश्चर्यजनक सफलता पाई थी।

अगले साल 2026 में पश्चिम बंगाल के चुनाव में कांग्रेस के अधिकांश नेता अकेले ही चुनावी मैदान में कूदने की रणनीति पर भी काम कर रहे हैं। एक नेता ने कहा, राज्य में कांग्रेस के पास खोने को कुछ नहीं। पाने को सबकुछ है। लेकिन विपक्षी गठबंधन की दुहाई देकर अन्य विपक्षी दलों ने तृणमूल के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने का दबाव बनाया हुआ है ताकि भाजपा के खिलाफ विपक्षी वोटों का बिखराव न हो।

दिल्ली में मर्डर: लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी, पुलिस की जांच पर उठे सवाल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली एक बार फिर गैंगवार और अंडरवर्ल्ड के साए में नजर आई। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में हुए वसीम हत्याकांड की जिम्मेदारी अब लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ली है। पोस्ट सामने आने के बाद दिल्ली पुलिस की शुरुआती जांच और गैंग एंगल को लेकर सवाल उठने लगे हैं।गैंग की ओर से दावा किया गया है कि यह हत्या उत्तरी-पूर्वी दिल्ली के कुख्यात गैंगस्टर हाशिम बाबा के लिए करवाई गई, क्योंकि वसीम कथित तौर पर उसके खिलाफ लगातार बयानबाजी कर रहा था। हालांकि पुलिस इससे पहले इस हत्याकांड को आपसी रंजिश का मामला बताते हुए दो सगे भाइयों को गिरफ्तार कर चुकी है।

मामला तब और गंभीर हो गया जब सोशल मीडिया पर एक पोस्ट सामने आई, जिसमें लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली। पोस्ट में लिखा गया कि वसीम गैंगस्टर हाशिम बाबा के खिलाफ बोल रहा था इसलिए उसे मारा गया। गैंग ने यह भी इशारा किया कि हत्या का आदेश तिहाड़ जेल से दिया गया। हालांकि पुलिस अभी इस

पोस्ट की सत्यता और इसके पीछे की मंशा की जांच कर रही है।

एसएचओ इंस्पेक्टर मनजीत तोमर के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय इनपुट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच तेज की। कुछ ही घंटों में पुलिस ने दो सगे भाइयों 26 वर्षीय शाकिर और 22 वर्षीय इस्लाम उर्फ बॉर्डर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने हत्या की बात कबूल करते हुए बताया कि वसीम के साथ उनका पहले से विवाद चल रहा था और उसी रंजिश में उस पर चाकू से हमला किया गया। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया गया।

पुलिस के सामने अब दो अलग-अलग दावे हैं। एक तरफ गिरफ्तार आरोपियों का आपसी रंजिश वाला कबूलनामा। दूसरी तरफ गैंग का दावा कि यह सुपारी किलिंग है।सूत्रों के मुताबिक, पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या आरोपी किसी बड़े गैंग के संपर्क में थे या गैंग सिर्फ खौफ फैलाने के लिए जिम्मेदारी ले रहा है।

क्या है मामला

30 और 31 दिसंबर की दरम्यानी रात शास्त्री पार्क स्थित जेपीसी अस्पताल से पुलिस को सूचना मिली कि चाकू से घायल एक युवक को लाया गया है। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 33 वर्षीय वसीम, निवासी बुलंद मस्जिद, शास्त्री पार्क के रूप में हुई। जांच में सामने आया कि वसीम पर डीडीए पार्क के पीछे बने लूप के पास चाकू से हमला किया गया था। घटना की सूचना मिलते ही शास्त्री पार्क थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम ने सबूत जुटाए।फिलहाल पुलिस सोशल मीडिया पोस्ट, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और जेल लिंक की गहराई से जांच कर रही है।

15 लोगों की मौत के लिए सत्ता का अहंकार और भ्रष्टाचार जिम्मेदार : जीतू पटवारी

भोपाल । मध्य प्रदेश के कारोबारी शहर इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों पर कांग्रेस ने फिर मोहन सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इन मौतों को सीधे तौर पर हत्या करार देकर प्रकरण दर्ज करने की मांग की है। वहीं यूथ कांग्रेस ने इंदौर की घटना पर विरोध प्रदर्शन दर्ज कराया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने कहा कि प्रदेश की मोहन सरकार की ओर से जो बयान आ रहे हैं, वह पूरे घटनाक्रम पर पर्दा डालने की कोशिश है। जहरीला पानी पीने से 15 लोगों की मौत हुई है, अगर इसके लिए किसी को दोषी ठहराया जाए, तब स्वाभाविक तौर पर इसके लिए सत्ता का अहंकार और भ्रष्टाचार सबसे घातक हथियार है। वहीं मोहन सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि अधिकारियों में और महापौर में समन्वय की कमी है और सीएम यादव ने भी कहा कि अधिकारियों की कमी है। वहीं, महापौर ने भी अधिकारियों द्वारा उनकी

बात न सुने जाने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता पटवारी का आरोप है कि भाजपा अधिकारियों के सहारे अपने भ्रष्टाचार को छुपाना चाहती है। इतना ही नहीं अधिकारी भी भ्रष्टाचार के हिस्सेदार हैं, भाजपा नेता अधिकारियों को टारगेट कर रहे, ये अपने पाप को छुपा रहे हैं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने मंत्री विजयवर्गीय के इस्तीफे की मांग की है, उन्होंने कहा कि महापौर पर एफआईआर होना चाहिए। जो अधिकारी इसमें शामिल हैं उस पर एफआईआर होना चाहिए। इसके साथ गैर इरादतन हत्या का मामला भी दर्ज होना चाहिए।

कांग्रेस नेता पटवारी ने इंदौर की जरूरत और विकास पर होने वाले खर्च को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। उनका कहना है कि इंदौर जितना टैक्स देता है उसके मुताबिक इस क्षेत्र में विकास कार्य नहीं हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर भोपाल की युवा कांग्रेस इकाई ने इंदौर की घटना के विरोध में अनोखा प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने छोटे तालाब के गंदे पानी में नाव पर बैठकर मंत्री विजयवर्गीय के पुतले को दूषित पानी पिलाया और उसी पानी में पुतले को डुबाकर विरोध जताया।

कर्नाटक सरकार के सर्वे में दावा-91 प्रतिशत ने माना चुनाव निष्पक्ष

-83 प्रतिशत जनता ने जताया ईवीएम पर भरोसा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा 2024 के लोकसभा चुनावों पर एक सर्वेक्षण कराया गया था, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर जनता का मजबूत विश्वास सामने आया है। इस सर्वेक्षण के अनुसार, कर्नाटक की 83 प्रतिशत जनता ने ईवीएम पर भरोसा जताया है। वहीं कर्नाटक सरकार एजेंसी की स्टडी में यह भी दावा किया गया है कि राज्य के 91 प्रतिशत लोग मानते हैं कि भारत में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराए जाते हैं और ईवीएम सटीक नतीजे देती हैं। यह रिपोर्ट कर्नाटक मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन अथॉरिटी ने प्रकाशित की है। यह सर्वे ऐसे समय आया है, जब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भाजपा पर कई राज्यों में 'वोट चोरी' का लगातार आरोप लगा रहे हैं। वे कर्नाटक के कलबुर्गी में भी वोट चोरी का दावा कर चुके हैं। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है। ऐसे में भाजपा ने सर्वे रिपोर्ट को लेकर राहुल पर पलटवार किया है।

जानकारी के अनुसार, लोकसभा इलेक्शन 2024- इवैल्यूएशन ऑफ इंडलाइन सर्वे ऑफ नॉलेज, एटीट्यूट एंड प्रैक्टिस ऑफ सिटिजन्स नाम के इस सर्वे में 83.61 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि वे ईवीएम को विश्वसनीय मानते हैं। कुल मिलाकर, 69.39 प्रतिशत ने सहमति जताई कि ईवीएम मशीनें सटीक चुनाव परिणाम देती हैं, जबकि 14.22 प्रतिशत ने पूरी मजबूती के साथ यह विश्वास व्यक्त किया कि उन्हें ईवीएम पर भरोसा है।

कर्नाटक की 102 विधानसभाओं में हुआ सर्वे

इस सर्वे में बेंगलुरु, बेलगावी, कलबुर्गी और मैसूरु के प्रशासनिक डिवीजनों में 102 विधानसभा क्षेत्रों के 5,100 उत्तरदाताओं ने भाग लिया। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी वी। अंबुकुमार के माध्यम से इस सर्वे को कराया था। डिवीजन-वार आंकड़ों में कलबुर्गी में सबसे ज्यादा विश्वास दिखा, जहां 83.24 प्रतिशत ने सहमति और 11.24 प्रतिशत ने पूरी सहमति जताई कि ईवीएम विश्वसनीय हैं। मैसूरु में 70.67 प्रतिशत लोगों ने ईवीएम में अपनी विश्वसनीयता प्रकट की, और 17.92 प्रतिशत ने मजबूती के साथ ईवीएम में विश्वास होने का दावा किया। बेलगावी में 63.90 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने ईवीएम को विश्वसनीय बताया और 21.43 प्रतिशत ने मजबूती के साथ ईवीएम में अपनी विश्वसनीयता प्रकट की। बेंगलुरु डिवीजन में यह आंकड़ा 63.67 प्रतिशत और 9.28 प्रतिशत रहा। बता दें कि ये नतीजे कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उन दावों के बिल्कुल उलट हैं, जिनमें वह चुनावों में कथित ईवीएम हेरफेर और वोट चोरी के आरोप लगाकर बीजेपी और निर्वाचन आयोग पर बार-बार हमला बोलते हैं।

मेयर, आयुक्त ने नगर निगम वॉल कैलेंडर 2026 जारी किया नगर निगम स्रोत पर कचरा अलग करने पर विशेष जोर देगा अमित कुमार

कौमी पत्रिका
संजय अरोड़ा

चंडीगढ़ शहर की मेयर हरप्रीत कौर बबला ने आज नगर निगम चंडीगढ़ का वार्षिक वॉल कैलेंडर-2026 जारी किया, जिसमें निगम आयुक्त अमित कुमार विशेष आयुक्त प्रदीप कुमार, स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. इंद्रदीप कौर और निगम पार्षद उपस्थित थे। वर्ष 2026 के लिए वॉल कैलेंडर को स्रोत पर कचरा अलग करने के विषय पर जोर देने के साथ सोच-समझकर डिज़ाइन किया गया है। प्रभावशाली दृश्यों और संदेशों के माध्यम से, कैलेंडर घरेलू कचरे के उचित अलगाव के लिए चार-रंगीन बिन का उपयोग करने के महत्व पर प्रकाश डालता है, जैसे कि सूखा कचरा, गीला कचरा, स्वच्छता कचरा और खतरनाक कचरा। कैलेंडर जारी करते हुए, मेयर ने सिटी ब्यूटीफुल के नागरिकों से घरेलू स्तर पर कचरा अलग करने का सामूहिक संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने जोर देकर कहा कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी स्वच्छता बनाए रखने और चंडीगढ़ को स्वच्छता रैंकिंग में शीर्ष प्रदर्शन करने में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा

कि स्रोत पर कचरा अलग करना एक कुशल ठोस कचरा प्रबंधन प्रणाली की नींव है। आयुक्त की अमित कुमार, ने कहा कि वर्ष 2026 के दौरान, नगर निगम चंडीगढ़ स्रोत पर कचरा अलग करने पर विशेष जोर देगा। उन्होंने बताया कि नगर निगम नागरिकों में जागरूकता पैदा करने और व्यवहार परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए पूरे वर्ष शहर भर में व्यापक सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) गतिविधियों को शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि वॉल कैलेंडर का जारी करना स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप स्वच्छता, स्थिरता और जिम्मेदार कचरा प्रबंधन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने की दिशा में निगम द्वारा एक और कदम है।

पहले भी वसीम पर चार बार हुआ था हमला, गैंगस्टर छेनू के करीबी गुर्गे की चाकुओं से गोदकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में गैंगस्टर छेनू के करीबी गुर्गे की चाकू से वारकर हत्या कर दी गई। मृतक की शिनाख्त वसीम (33) के रूप में हुई है। मंगलवार देर रात वसीम किसी काम से बाहर निकला था। इस बीच शास्त्री पार्क फ्लाईओवर लूप के पास बदमाशों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार वसीम पर इसके दो भतीजों शाकिर 26 और इस्लाम उर्फ बार्डर 22 ने ही हमला किया है। उस पर वार करने वाला चाकू भी बरामद कर लिया गया है। हमले में गंभीर घायल में परिजनों ने वसीम को नजदीकी जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसको मृत घोषित कर दिया गया। वसीम की पत्नी ने उसके ही भतीजे पर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि वसीम के खिलाफ 20 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। पुलिस रंजिश के अलावा दूसरे एंगल से भी मामले की जांच कर रही है। बुधवार को जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के बाद वसीम का शव परिजनों के हवाले कर दिया गया। पुलिस परिजनों के आरोप की पड़ताल कर रही है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि वसीम परिवार के साथ बुलंद मस्जिद, शास्त्री पार्क में रहता था। इसके परिवार में पत्नी आफरीन के अलावा एक बेटा व एक बेटी हैं। पुलिस सूत्रों मुताबिक वसीम की छेनू से नजदीकियां थीं। अक्सर वह गैंगस्टर हाशिम बाबा के खिलाफ कुछ न कुछ बोलता रहता था। वसीम पर पहले भी चार बार जानलेवा हमला हो चुका है। हर बार उसकी किस्मत ने साथ दिया, लेकिन पांचवीं बार वह मारा गया। 12 जून को वेलकम इलाके में चार गोलियां लगने के बाद भी वह बच गया था। वेलकम में गोली लगने के बाद करीब एक माह तक उसका जीटीबी अस्पताल में इलाज चलता रहा। इतना ही नहीं 14 जुलाई को तीन बदमाश जीटीबी अस्पताल के भीतर वार्ड में घुस गए। बदमाशों ने वार्ड के भीतर ही वसीम समझकर एक अन्य मरीज रियाजुद्दीन (32) को सात गोलियां मारीं और भाग गए। इससे पहले भी वसीम पर दो बार गोली चली थी, लेकिन उसे लगी नहीं थी। जीटीबी में जब रियाजुद्दीन की गोली लगने से मौत हुई तो वसीम की पत्नी आफरीन ने उस समय पुलिस से वसीम की सुरक्षा की मांग की थी। इलाज के बाद तबीयत में सुधार होने के बाद वह ठीक भी हो गया था। पुलिस सूत्रों ने कहा कि वसीम गैंगस्टर छेनू का नजदीकी था। मंडोली जेल में बंद रहने के दौरान हाशिम बाबा के करीबी समीर बाबा से वसीम की तू-तू, मैं-मैं हो गई थी।

बिजली बिल राहत योजना में बकायेदार को 41 लाख रुपये की मिली छूट

लखनऊ। पावर कॉर्पोरेशन की बिजली बिल राहत योजना के पहले चरण में ऐशबाग के एक बकायेदार का डेढ़ दशक पुराने प्रकरण का अंत होने के साथ ही उसको 41 लाख रुपये की छूट हासिल हुई। रमाशंकर त्रिवेदी नाम के उपभोक्ता के 48 लाख रुपये के बिल पर 7 लाख रुपये का एकमुश्त भुगतान हुआ। लखनऊ मध्य जोन के अधीक्षण अभियंता (वाणिज्य) मुकेश त्यागी ने बताया कि रमाशंकर त्रिवेदी के घर का बिजली बिल गलत होने पर पूर्व के जिम्मेदारों ने उसे सही नहीं किया। वो उपभोक्ता न्यायालय चले गए जिससे विभाग न तो बिजली काट सका और न ही बिल की वसूली हो सकी। मगर, रमाशंकर के परिजन योजना के पहले चरण में आए और मुझसे प्रकरण के निपटारा कराने का अनुरोध किया। पूरे प्रकरण को शीर्ष स्तर पर ले गए जिसकी जांच हुई और फिर बिल को सही किया गया। इससे बकायेदार ने सात लाख रुपये एकमुश्त जमा कर दिए। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि 31 दिसंबर 2025 तक कुल 1154 बकायेदारों ने समाधान योजना का फायदा लेते हुए 1.97 करोड़ रुपये जमा किए। लखनऊ मध्य में कुल बकायेदार 2319 हैं। उधर, जानकीपुरम जोन के मुख्य अभियंता वीपी सिंह ने बताया कि अहिबरनपुर उपकेंद्र के बाबा का पुरवा खदरा निवासी मोहम्मद याकूब के 12,60,405 रुपये के बिल पर करीब 8 लाख रुपये की छूट देकर 4,48,062 रुपये जमा कराए गए।

दिल्ली-एनसीआर में ब्रांड का नकली घरेलू उत्पाद बेचने वाला रैकेट बेनकाब, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर में लोकप्रिय ब्रांडों के नकली लेबल लगाकर घी, ईनो, ऑल आउट, वीट और टाटा नमक सहित ब्रांड का नकली घरेलू उत्पादों के निर्माण, भंडारण और बिक्री में शामिल एक रैकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों नितिन कुमार, रजत सिंघल उर्फ चिंटू, सुरेंद्र गुर्जर और मुजाहिद कार्तिक को गिरफ्तार किया है। उत्तम नगर और कंझावला औद्योगिक क्षेत्र से नकली घी बनाने में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी के साथ-साथ बड़ी मात्रा में नकली खाद्य और बड़ी मात्रा में फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी)की बरामदगी की गई। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने एक बयान में बताया कि आरोपियों नीतिन कुमार (38), रजत सिंघल (38), सुरेंद्र गुज्जर (45) और मुजाहिद (38) को पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर इलाके में नकली उत्पादों की खेप प्राप्त

करते हुए रंगे हाथों पकड़ा। उन्होंने बताया कि यह रैकेट जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा था और बाजार में नकली खाद्य एवं एफएमसीजी उत्पादों की आपूर्ति कर कंपनियों को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा रहा था। पुलिस ने बताया कि 29 दिसंबर को मिली सूचना के आधार पर उत्तम नगर में मेट्रो पिलर नंबर 680 के पास निगरानी की गई। सूचना में कहा कि एक गिरोह बड़े पैमाने पर ब्रांड के नकली सामान की बिक्री में शामिल है। पुलिस के अनुसार करीब दोपहर 2.15 बजे संदिग्धों को उन वाहनों के साथ रोका गया, जिनमें कथित नकली सामान लदा था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार वाहनों की तलाशी के दौरान भारी मात्रा में नकली उत्पाद बरामद किए, जिनमें विभिन्न ब्रांड नामों वाले 1,100 लीटर से अधिक नकली घी, पाचन पाउडर के 8,640 सैशे, मच्छर भगाने वाले 1,200 यूनिट, 1,152 कॉस्मेटिक उत्पाद और करीब 3,000 किलोग्राम नकली आयोडीन युक्त नमक शामिल है। नमूने लेकर शेष सामान को सील कर जब्त किया गया। संबंधित कंपनियों के अधिकृत प्रतिनिधियों ने बाद में पुष्टि की कि बरामद सभी उत्पाद नकली थे। उपायुक्त ने बताया कि पूछताछ के दौरान मुख्य आरोपी नीतिन कुमार ने खुलासा किया कि कंझावला औद्योगिक क्षेत्र में नकली घी बनाने की एक अवैध इकाई संचालित हो रही थी। इसके बाद वहां छापेमारी की गई, जिसमें नकली घी, पैकिंग और सीलिंग मशीनें, जाली रैपर और निर्माण में इस्तेमाल होने वाला अन्य कच्चा माल बरामद किया गया। इस इकाई के संचालन के लिए कोई वैध लाइसेंस या दस्तावेज पेश नहीं किए गए। पुलिस ने बताया कि निलोठी एक्सटेंशन और निहाल विहार स्थित परिसरों पर भी तलाशी ली गई, जहां नकली आयोडीन युक्त नमक का अवैध भंडारण और दोबारा पैकिंग की जा रही थी। इन स्थानों से जाली लेबल लगे बोरों में पैक करीब 2,000 किलोग्राम नकली नमक बरामद हुआ। साथ ही वजन करने, सील करने और सिलाई की मशीनों सहित बड़ी मात्रा में खाली ब्रांडेड पाउच भी जब्त किए गए। पुलिस के अनुसार आरोपी एक सुव्यवस्थित सप्लाई चेन के तहत काम कर रहे थे। वे लोकप्रिय ब्रांडों के खाली टिन, नकली रैपर और पैकिंग सामग्री जुटाते थे। मिलावटी कच्चे माल से नकली घी तैयार कर उसे जाली लेबल लगाकर पैक किया जाता था, जबकि अन्य नकली उत्पाद अलग-अलग अवैध इकाइयों से मंगाए जाते थे। पुलिस ने बताया कि यह सामान पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के विभिन्न गोदामों में रखा जाता था और संदेह से बचने के लिए टेम्पो और डिलीवरी एजेंटों के जरिए स्थानीय बाजारों में असली उत्पादों से सस्ती दरों पर बेचा जाता था। पुलिस के अनुसार, स्नातक नीतिन कुमार पिछले एक दशक से घरेलू सामान की थोक आपूर्ति से जुड़ा रहा है और उसके खिलाफ दिल्ली और हरियाणा में पहले से भी मामले दर्ज हैं। रजत सिंघल और सुरेंद्र गुज्जर भी साप्ताहिक बाजारों के माध्यम से थोक और खुदरा व्यापार में शामिल थे, जबकि मुजाहिद नकली मच्छर भगाने वाले और कॉस्मेटिक उत्पादों के निर्माण व आपूर्ति में संलिप्त था। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

नए साल पर डीडीए का तोहफा

नई दिल्ली। दिल्लीवासियों को डीडीए नए साल पर तोहफा देगी। डीडीए सस्ते घर की खास योजना लाई है। अब जन साधारण आवास योजना फेज 3 के रजिस्ट्रेशन शुरू हैं। योजना में नरेला, रोहिणी और द्वारका इलाके में कुल 684 ईडब्ल्यूएस और जनता फ्लैट दिए जाएंगे, जिनकी शुरुआती कीमत 10.52 लाख रुपये रखी गई है। फ्लैटों की बुकिंग 15 जनवरी से शुरू होगी और आवंटन पहले आ-पहले पाओ के आधार पर होगा। डीडीए ने नए साल से पहले आम लोगों को बड़ी राहत देते हुए जन साधारण आवास योजना फेज 3 लॉन्च की है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर और निम्न आय वर्ग के लोगों को दिल्ली में किफायती घर मिलेगा।

मुख्य सचिव एच. राजेश प्रसाद ने आंगनवाड़ी व क्रेच केंद्रों का निरीक्षण, पोषण 2.0 की समीक्षा

कौमी पत्रिका
संजय अरोड़ा

चंडीगढ़ के मुख्य सचिव एच. राजेश प्रसाद ने सेक्टर-41 और बधेड़ी स्थित मॉडल एवं

सक्षम आंगनवाड़ी-सह-क्रेच केंद्रों का दौरा कर मिशन सक्षम आंगनवाड़ी तथा पोषण 2.0 के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने बच्चों से संवाद किया, अनुपूरक पोषण कार्यक्रम की समीक्षा की तथा प्री-स्कूल शिक्षा के लिए स्वदेशी खिलौनों के उपयोग सहित इनडोर एवं आउटडोर सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सचिव एवं निदेशक, सामाजिक कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग भी उपस्थित रहे दौरे के दौरान मुख्य सचिव को आंगनवाड़ी सेवा योजना के अंतर्गत प्रदान की जा रही पोषण सेवाओं के बारे में अवगत कराया गया, जिनमें मासिक टेक होम राशन, दैनिक गर्म पका हुआ भोजन तथा पोषक रागी बर्फी, अंडे एवं केले जैसे अतिरिक्त आहार शामिल हैं। उन्हें यह भी बताया गया कि 450 आंगनवाड़ी केंद्रों के साथ-साथ 210 क्रेच संचालित हो रहे हैं, जो कार्यरत माताओं के बच्चों के लिए प्रातः 9:00 बजे से सायं 5:30 बजे तक सुरक्षित बाल देखभाल सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं मुख्य सचिव ने सेक्टर-25 स्थित ऑब्जर्वेशन कम स्पेशल होम का भी दौरा किया, जहां उन्होंने सभी बच्चों से बातचीत की और दीवारों पर बच्चों द्वारा की गई कलाकृतियों की सराहना की। उन्होंने रसोईघर का निरीक्षण किया तथा बच्चों के लिए संचालित प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों की भी समीक्षा की यह दौरा बच्चों और महिलाओं के सर्वांगीण विकास हेतु आंगनवाड़ी सेवाओं को सुदृढ़ करने तथा मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 पहलों के उद्देश्यों की प्राप्ति के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को पुनः रेखांकित करता है।

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that **Muthoot Homefin (India) Ltd.,** having its branch office at Gurgaon, Haryana intends to extend a financial facility Mrs. Amarwati against the Security of land area measuring 111 Sq. Yds., out of Khewat/Khatoni No. 196/216, Mu. No.136, Killa No. 25/2, Mu. No. 137, Killa No. 20/2, 21, Mu. No. 145/2, 1, Mu. No. 146/5, situated at Waka Mauza Sihi (Tirkha Colony), Tehsil Ballabgarh, District Faridabad, Haryana. The Said Property was owned by Mrs. Amarwati, vide Sale Deed, duly registered as Document No. 1236 on 28.11.2014, duly registered in Sub Registrar Ballabhgarh, executed by Mr. Manohar Lal S/o Mr. Amar Singh as Attorney Mr. Jagat Narayan Kaushik S/o Mr. Shanti Swaroop Kaushik & Others. It is hereby notified that the previous chain of Original GPA, ATS, and Will dated 15.05.1990, executed by Mr. Shanti Swaroop and Mr. Begraj in favor of Mr. Jagat Narain Koushik for the entire land & Original registered GPA, ATS, and Will dated 18.12.2017, executed by Mr. Jagat Narain Koushik and Mr. Manohar Lal for the entire land, has been misplaced/lost and is untraceable. In this regard, a report has been lodged at PS Bardapur / E-Police Station, vide LR No. 3463499/2025, dated 27.12.2025. Any person(s) having any claim, right, title, interest, lien, charge, or objection of whatsoever nature in respect of the said property or against the proposed mortgage in favour of Muthoot Homefin (India) Ltd. are hereby called upon to submit their objections in writing, along with documentary proof, within seven (7) days from the date of publication of this notice to **Adv. Rishi Maheshwari (Mobile: +91-9340118309).** Failing which, it shall be presumed that no claims or encumbrances exist, and the transaction shall proceed accordingly.

Rishi Maheshwari (Advocate)
Office At : RZ-29, Upper Ground Floor, Bhagwati Garden Jain Road, Near Dwarka More
New Delhi 110059.
Contact No- +91- 9340118309

NAME CHANGE

I, SHEKHAR TIWARI S/o GIRJA SHANKAR TIWARI, R/o 903, 9th Floor, Tower-A, S G Impressions 58, Near Canara Bank, Ghaziabad, PO: Ghaziabad, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001, have changed the name of my minor son ATHARVA TIWARI aged 17 years and he shall hereafter be known as BRIHAD TIWARI.

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that **Muthoot Homefin (India) Ltd.,** having its branch office at Gurgaon, Haryana intends to extend a financial facility to Mr. Pankaj against the Security of Residential Unit no. 1203, having carpet area 340.099 Sq. Ft. and Balcony area of 102.968 Sq. Ft. type 4, on 12th floor in tower no. 8(B2), Project name MVN Athens, Sohna Sector-5, Sohna, Gurgaon Haryana. The Said Property was previously owned by 1) Mr. Sukhbir Singh Malik S/o Mr. Lakhi Ram Malik & 2) Mr. Robin Kumar S/o Mr. Kirtu Singh, vide Allotment Letter dated 06.02.2015, Flat Buyer's Agreement Dated 19.02.2015, Addendum To Builder Buyer Agreement Dated 20.01.2019 and Offer of Possession Dated 07.06.2019. Further, Mr. Robin Kumar, S/o Mr. Kirtu Singh, expired intestate on 02.06.2022, leaving behind no legal heirs. Any person(s) having any claim, right, title, interest, lien, charge, or objection of whatsoever nature in respect of the said property or against the proposed mortgage in favour of Muthoot Homefin (India) Ltd. are hereby called upon to submit their objections in writing, along with documentary proof, within seven (7) days from the date of publication of this notice to **Adv. Rishi Maheshwari (Mobile: +91-9340118309).** Failing which, it shall be presumed that no claims or encumbrances exist, and the transaction shall proceed accordingly.

Rishi Maheshwari (Advocate)
Office At : RZ-29, Upper Ground Floor, Bhagwati Garden Jain Road, Near Dwarka More
New Delhi 110059.
Contact No- +91- 9340118309

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD SHAHID S/O SHAUKAT ALI R/O H NO-1834, LAL DAWAZA, SIRKIWALAN, LAL KUAN, DELHI-110006. have changed my name to MOHD SHAHID for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Shabnam W/o Mohd. Irshad is the owner of Freehold Residential Plot of land bearing No. C-II/122-A, area measuring 85 Sq. yds. i.e. 71.068 Sq. mtrs. out of Khasra no. 349/2, Situated in the Revenue Estate of Village Khanpur in the Colony known Raju Park, New Delhi. by virtue of Sale Deed dated 12.04.2022 as Doc no. 3220, Vol no. 4551, Book No. 1, Page no. 39-54 SR- V-A (Hauz Khas). in the Chain Documents below mentioned Document not available i.e. Death Certificate & SMC of Late Mr. Shopal Singh., now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by IndusInd Bank Ltd. Branch: Rajouri Garden New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE

I, MADHUKAR, is legally father of No. 2807655H, Rank – Hav, Name – PATOLE SOPAN MADHUKAR, At – Ashapur, Post – Thangaon, Teh – Sinnar, District – Nashik, State – Maharashtra, Pin – 422103, have changed my name from MADHUKAR to MADHUKAR RAMBHAU PATOLE and date of birth from 29/09/1962 to 01/01/1955 for all future purposes. Vide affidavit dated 02/01/2026 before Public Notary New Delhi.

NAME CHANGE

I, SATYABHAMABAI, is legally mother of No. 2807655H, Rank – Hav, Name – PATOLE SOPAN MADHUKAR, At – Ashapur, Post – Thangaon, Teh – Sinnar, District – Nashik, State – Maharashtra, Pin – 422103, have changed my name from SATYABHAMABAI to SATYABHAMA MADHUKAR PATOLE and date of birth from 25/02/1968 to 01/01/1960 for all future purposes. Vide affidavit dated 02/01/2026 before Public Notary New Delhi.

NAME CHANGE

I, KAMAL SATI S/o AMBA DATT SATI, R/o Flat No. 2091, Tower-6, GH-07, Crossings Republik, Dundahera, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201016, have changed the name of my minor son KASHU SATI aged 04 years and he shall hereafter be known as BHAVYAM SATI, for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as PAPPU S/o BHAGWAAN SINGH, R/o Sultanpur, Sultanpur Bangar, PO: Surir, Dist: Mathura, Uttar Pradesh-281205, have changed my name and shall hereafter be known as VASANT KUMAR.

NAME CHANGE

I hitherto known as DAKSHRAJ PAURUSH S/o PRAVEEN POURUSH, R/o Dadan Pur, Hatharas, Dadanpur Dhakpura, Hathras, Uttar Pradesh-204101, have changed my name and shall hereafter be known as DAKSHARAJ PAURUSH.

PUBLIC NOTICE

LR No: 2931/2026, Jagjit Singh, S/O Shri P.K. Sarmukh Singh, 601, Block-24, Sarmukh Singh, Heritage City M.G. Road, Gurgaon, 122002, ncroy5146@gmail.com, PROPERTY DOCUMENT, I Have Lost My Original Document Number (1) 2379/2007. 2729/98 -2732/98-2731/98-2733/98-2261/98-3080/98 Pour 150/2007-SD-2379/2007 Survey No-25/A-Acer 0-79 26/7-ACR-0-61-28/1C-099-28/1E AcR-1-03-56/4 Acr1-21 57/2-ACR-1-98 -9/1E-ACR-2-40-9/1F-ACR-2-50 Total Extant-11 Acer-51 Cents (2) Mother Document Number 2375/2007. 2397 /98. -2364/98 2450 /98-2370 /98-Power-150 /2007. Document No: 2375 /2007. SURVEY No 21/1G ACR-2-90 21/1E ACR. 2-49 -21/11-ACR-2-80-21/IF ACR -2-70-21-1B-Acr-2.70-21-ID-Acr-3.04 Total Extent -Acres 16-Cents-63. Nakkalpatti, Village Usilampatty Taluk Madurai District, Sub Registration Officer Usilampatty State Tamil Nadu.

NAME CHANGE

I, PARVATI, is legally mother of No. 2820604N, Rank – Sep, Name – MODAVE GANESH SHANKAR,5 MARATHA LI, At/Post – Yusuf Wadgaon, Teh – Kaij, Dist – Beed, State – Maharashtra, Pin – 431517, have changed my name from PARVATI to PARVATI SHANKAR MODAVE for all future purposes. Vide affidavit dated 30/12/2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, TAUFEEQ MOHAMMAD S/O DIN MOHAMMAD R/O HOUSE NO-1215,GALI NO-11,LAXMAN VIHAR PHASE-2, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO MOHAMMAD TAUFEEQ FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, RAJEEV KUMAR RATHEE S/O SEHDEV SINGH RATHEE R/O HOUSE NO-1555, SECTOR-6, BAHADURGARH, JHAJJAR, HARYANA-124507,HAVE CHANGED MY NAME TO RAJEEV RATHEE FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, DEEPAK MALHOTRA S/O OM NATH MALHOTRA R/O FLAT NO C2/605,SRS ROYAL HILLS, SECTOR-87, FARIDABAD, HARYANA-121002, HAVE CHANGED MY MINOR DAUGHTER NAME FROM "DEESHI MALHOTRA" TO "DEESHEE MALHOTRA" FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, Promila Devi W/O Manjeet Singh R/O Flat No K-206, Tower-k, Our Homes 3, Sec 6, Sohna, Gurgaon, Haryana - 122103 Have Changed My Name to Promila Kumari for All Future Purposes.

NAME CHANGE

I, Sajjan Kumar Singh C/O Jogi Singh R/O A-388/1, Inder Enclave Ph-2, Kirari Suleman Nagar, North West Delhi, Delhi-110086, have changed the name of my minor son Monish aged 15 years and he shall hereafter be known as Aadarsh Raj.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Hina Nazmeen D/O Ameer Husain Siddiqi W/O Mohd. hafeez R/O House No.99, Lane No.15, Jamia Community Centre, Noor Nagar, Jamia Nagar, PO: New Friends Colony, DIST: South Delhi, Delhi - 110025, declare that name of mine has been wrongly written as Km Hina Nazneen in my 10th Class educational documents. The actual name of mine is Hina Nazmeen, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, hitherto known as AJUDHYA W/O SOHAN LAL R/O 157, Nidhauli, Ghaziabad, Dhaulana, Uttar Pradesh-245301 have changed my name and shall hereafter be known as AYODHYA DEVI.

NAME CHANGE

I Kotwal Singh S/o Ramesh Singh R/o Village-Nagla Jasola, Kagarol, Agra, Kagrol, Uttar Pradesh - 283119, have changed my name to Bahadur Singh.

NAME CHANGE

I Aansu S/o Pravesh Kumar R/o Nagla Samadhan, Khinmini, Farrukhabad, Uttar Pradesh - 207504, have changed my name to Arpit Yadav.

NAME CHANGE

I, RINA MANDAL is legally Mother of No. 15694894F Rank- HAV Name- ANANDA MANDAL R/o VILLAGE–GURPARA, POST –NANDIGHAT, POLICE STATION –RANAGHAT, DISTT-NADIA, STATE - WEST BENGAL, PIN -741255 have changed my name from RINA MANDAL to RINA MONDAL for all future purposes. Vide Affidavit Dated 02/01/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, GOPAL CH MANDAL is legally father of No. 15694894F Rank- HAV Name- ANANDA MANDAL R/o VILLAGE–GURPARA, POST –NANDIGHAT, POLICE STATION –RANAGHAT, DISTT-NADIA, STATE -WEST BENGAL, PIN -741255 have changed my name From GOPAL CH MANDAL to GOPAL CHANDRA MONDAL for all Future Purposes. Vide Affidavit Dated 02/01/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, No. 23000062X Rank L/NK (DMT) Name CHUNARA VIKRAMBHAI BUDHABHAI presently residing at VILL – ISHWARPURA, POST-SARALI, TEH–KATHLAL, DIST - KHEDA (GUJARAT)- 387630 have changed my minor son's name from ADITYA VIKRAMBHAI CHUNARA to ADITYABHAI VIKRAMBHAI CHUNARA for all future purposes. Vide Affidavit Dated 02/01/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, No. 23000062X Rank L/NK (DMT) Name CHUNARA VIKRAMBHAI BUDHABHAI presently residing at VILL – ISHWARPURA, POST-SARALI, TEH–KATHLAL, DIST - KHEDA (GUJARAT)- 387630 have changed my minor daughter's Name From KAVYABEN to KAVYABEN VIKRAMBHAI CHUNARA for all future purposes. Vide Affidavit Dated 02/01/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, ARVIND DRALL S/o VED SINGH R/o House No-101, Dispensary Wali Gali, Neel Wal, West Delhi, Delhi-110041, have changed the name of my minor son MOHIT aged 17 years and he shall hereafter be known as MOHIT DRALL.

NAME CHANGE

I, Jasvinder Kaur Sachdeva W/o Tejinder Singh Sachdeva R/O B - 80, Puru Apartment, Plot No. 22, Sector 13, Rohini, Delhi - 110085 have changed my name to Jasvinder Kaur for all future purposes.

NAME CHANGE

I FAIZA SUHAIL W/O MOHD SUHAIL R/O 1426 3RD/F GALI MADARSA INAYATULLAH GALI QASIM JAN DELHI 110006 HAVE CHANGED MY NAME TO FAIZA SHAMIM SUHAIL

NAME CHANGE

I AFSANA NADIM W/O NADIM AHMAD R/O H.N0-2860 GALI BHYSHTIAN, KUCHA CHELAN DARYA GANJ, DELHI-110006 HAVE CHANGE MY NAME TO AFSANA NADEEM FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I, Ankur Sharma S/o Meena Gaur R/o 262, B/A, 1st Floor, Bharat Ram Gali, Asha Ram Gali, Mandwali, Delhi-110092 have changed my name to Ankur Gaur.

NAME CHANGE

I, Naushad Qureshi S/o Ali Ahmed R/o C-3/198, Gali No.18, Nangli Vihar Extn, Baprola, Najafgarh, New Delhi-110043, have changed my name to Naushad for all future purposes.

NAME CHANGE

I,Indu W/o Chhote Lal Sharma R/o 423 T- Huts, W-139, Near Durga Mata Mandir, Raghubir Nagar, Tagore Garden, West Delhi-110027 have changed my name to Indu Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Chote Lal Sharma S/o Sita Ram Sharma R/o W139/423 T- Huts, Raghubir Nagar, Tagore Garden, West Delhi-110027 have changed my name to Chhote Lal Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE

I Dev Kumar S/0 Praveen Kumar Yadav Add 6112/3 D-6 Santushti Apartments Near Flyover Vasant Kunj New Delhi 110070 changed my name Dev Kumar Yadav

सार्वजनिक सूचना

मेरी मुवक्किल श्रीमति रुखसाना,पत्नी स्व0 मोहम्मद गनी,पता मकान नंबर R 675/12 ग्राण्ड फ्लोर गली न0 7. ज़ाकिर नगर, ओखला दाक्षिण दिल्ली 110025 अपने दोनो पुत्रो तथा उनकी पत्नियों मोहम्मद वली उर्फ रईस पुत्र स्व0 मोहम्मद गनी उम्र 35 वर्ष व उसकी पत्नी रोजी तथा आजाद पुत्र स्व0 मोहम्मद गनी उम्र 27 वर्ष उसकी पत्नी जोया को दिनांक 30/12/25 को उनके गलत आचरण के कारण अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद लिये है व उन्हे अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है व उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मैं व मेरा परिवार जिम्मेदार नहीं होगा

SYEDA RIFAT SULTANA
Advocate
Ch.No. F-714, 7th Floor
Karkardooma Courts, Delhi.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Rahisa D/o Mr. Meruddin is the owner of Freehold Residential Plot area measuring 40 + 85 = 125 Sq. Yds out of Khasra no. 113Mi Situated at Village Ukhlarsi Maruf Mohalla Ward No. 19 Brij Vihar Colony Murad Nagar Pargana Jalalabad Tehsil Modi Nagar Distt. Ghaziabad U.P. by virtue of Sale Deed dated 29.10.2020 as Doc no. 11262 in Book No. 1 Vol no. 12548 on Page no. 323-352 SR-Modi Nagar. & Sale Deed dated 29.10.2020 as Doc no. 11265 in Book No. 1 Vol no. 12549 on Page no. 1-32 SR- Modi Nagar. in the Chain Documents below mentioned Document not available i.e. (1) Original Sale Deed dated 31.12.2010 executed by Mr. Ajay Chaudhary in favour of Mr. Ravinder Chaudhary as Doc no. 14558 in Book No. 1 Vol no. 4182 on Page no. 17-38 SR-Modinagar. & (2) Original Sale Deed dated 26.10.2013 executed by Mr. Ravinder Chaudhary in favour of Mrs. Payal Sharma as Doc no. 16590, Book no. 1, Vol no. 6575, on Page no. 391-410 SR- Modi Nagar., now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by DCB Bank Ltd. Branch: Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE

I Rakesh S/o Raj Kumar R/o House No. 16, 1st floor, Pocket - 5, Rohini, Sector 22, Begumpur, North West Delhi - 110086 have changed my name to Rakesh Kohli for all future purposes.

NAME CHANGE

I Vijay Jain S/o Sunder Lal Jain R/o 47/26, Sardaro Wali Gali, Jawahar Nagar, Sonipat, Sonipat, Haryana - 131001 have changed my name to Vijay Kumar Jain for all future purposes.

NAME CHANGE

I Ajay Kumar S/o Moje Singh R/o A - 762, Inder Enclave, Phase - 2, Kirari Suleman Nagar, North West Delhi - 110086 have changed my name to Ajay Kumar Singh for all future purposes.

NAME CHANGE

I, ELIZEPETH RANI wife of JC-442332Y, Rank-SUB, Name-MUTHUKKANI M residing at H/ NO-2/180 WEST STREET, VILL-KARUPPANOOTHU, PO-NORTH ACHAMPATTI, TALUK-SANKARANKOVIL, DIST-TIRUNELVELI, TAMIL NADU-627951, have changed my name from ELIZEPETH RANI to ELIZABETHRANI M for all future purposes vide Affidavit dated 02/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I RAJESH KUMAR S/O NARSINGH DASS R/O S-504, BLOCK-S, GREATER KAILASH PART-1, SOUTH DELHI-110048 have changed my name to RAJESH SUNEJA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, KRISHNA SEN Mother of No-15211442P Rank-HAV Name-PRADEEP SEN Presently residing at MATA MANDIR ROAD, MOHAN GIRI, WARD NO-20, VIDISHA, MADHYA PRADESH-464001, have changed my name from KRISHNA SEN to KRISHANA BAI SEN for all future purposes vide Affidavit dated 02/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, MEENA W/O MOHD PARVEZ R/O HOUSE NO-T-334, GALI NO-8, GAUTAMPURI, SEELAMPUR, DELHI-110053 have changed my name to MEENA BEGUM for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MARIYAM BI W/O SHAHVEZ R/O HOUSE NO-T-334, GALI NO-8, GAUTAMPURI, SEELAMPUR, DELHI-110053 have changed my name to MARYAM BI for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MD SHAVEZ S/O PARVEZ R/O HOUSE NO-T-334, GALI NO-8, GAUTAMPURI, SEELAMPUR, DELHI-110053 have changed my name to SHAHVEZ for all future purposes.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **राजपाल उर्फ पाला पुत्रः** श्री प्रेमपाल, **केयर ऑफ** सुभाष, **पताः** गांव बेहटा, थाना लोनी, जिला गाजियाबाद, यूपी, ने **FIR No. 211/2014 U/s 392/411/34 IPC थानाः कश्मीरी गेट, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजपाल उर्फ पाला** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजपाल उर्फ पाला** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 211/2014 U/s 392/411/34 IPC थानाः कश्मीरी गेट, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **राजपाल उर्फ पाला** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **18.02.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री वैभव गर्ग
जेएमएफसी-11, कमरा नंबर 138
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/30/N/2026
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

कमलेश दुहन ने संभाला राजकीय महाविद्यालय हांसी में प्राचार्या का पद

एजेंसी

हिसार। जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी व राजकीय महाविद्यालय नलवा की प्राचार्या डॉ. कमलेश दुहन ने राजकीय महाविद्यालय हाँसी में प्राचार्या के पद पर अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने उपरांत शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक स्टाफ के सदस्यों से बातचीत की एवं कॉलेज परिसर का भ्रमण किया व परीक्षा के सुचारू संचालन की सराहना की। डॉ. कमलेश दुहन ने बताया की उच्चतर शिक्षा निदेशालय द्वारा उन्हें जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी (डीएचईओ) एवं प्राचार्या, राजकीय महाविद्यालय नलवा के अतिरिक्त यह पदभार दिया है। उन्होंने बताया की डॉ. नीलम दहिया के 30 नवंबर को सेवानिवृत्त होने के उपरांत यह पद खाली था। डॉ. दुहन ने शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक स्टाफ तथा विद्यार्थियों को नए साल की बधाई दी व समस्त महाविद्यालय परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक शामेन्द्र सिंह बामल, डॉ. विजय राणा, परीक्षा केंद्र अधीक्षक डॉ. विनोद गिल, डॉ. पूजा एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहे।

पानीपत में 3075 सीएससी केंद्रों की आईडी ब्लॉक

पानीपत। जिला पानीपत में सीएससी सेंटरों के निरीक्षण के दौरान खामियां मिलने पर 3075 केंद्रों की आईडी को ब्लाक किया गया है। जिला प्रबंधक नीरज कुमार ने बताया कि हरियाणा राज्य में कॉमन सर्विस सेंटर्स (सीएससी) की पारदर्शिता और नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सीएससी द्वारा राज्य स्तरीय निरीक्षण अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान पाया गया कि कई सीएससी निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित नहीं हो रहे थे। उन्होंने बताया कि निरीक्षण में सामने आया कि कई सीएससी बिना प्रॉपर सेटअप के चल रहे थे। कई स्थानों पर सीएससी का अधिकृत ब्रांडिंग बोर्ड और निर्धारित फीस चार्ट तक नहीं लगाया गया था। नियमों का उल्लंघन करने वाले केंद्रों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 3075 सीएससी आईडी ब्लॉक की गई। उन्होंने बताया कि पानीपत जिले में निरीक्षण के बाद 203 सीएससी आईडी बंद की गई। जांच में पाया गया कि ये केंद्र या तो धरातल पर सक्रिय नहीं थे या फिर निर्धारित मानकों का पालन नहीं कर रहे थे। जिला प्रबंधक नीरज कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। जो भी सीएससी सेंटर नियमों का पालन करते नहीं पाए जाएंगे, उनकी आईडी बंद कर दी जाएगी। हमारा उद्देश्य है कि नागरिकों को केवल अधिकृत और मानक अनुसार सेवाएं ही उपलब्ध कराई जाएं। इस अभियान का उद्देश्य सीएससी सेंटर्स को अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और नागरिक हितैषी बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है।

भारतीय चिकित्सा परिषद सदस्य चुनाव में कुलदीप कुमार ने नामांकन भरा

हिसार। भारतीय चिकित्सा परिषद हरियाणा के सदस्य के चुनाव के लिए चिकित्सक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कुलदीप कुमार ने पंचकूला में सेक्टर 3 स्थित भारतीय चिकित्सा परिषद हरियाणा के रजिस्ट्रार कार्यालय में पहुँचकर नाम भरने के अंतिम दिन अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। डॉ. कुलदीप कुमार सूर्या हॉस्पिटल, बरवाला के डायरेक्टर हैं। चुनाव के लिये आयुर्वेदिक चिकित्सक 21 फरवरी से 20 मार्च तक मतदान कर सकेंगे। इसमें हरियाणा के लगभग 12 हजार आयुर्वेदिक चिकित्सक मतदान करेंगे। चुनाव के नियमानुसार हर चिकित्सक को एक माह के दौरान डाक द्वारा रजिस्ट्रार कार्यालय में लिखित में अपना मत भेजना होता है। 21 मार्च को मतगणना करके परिणाम की घोषणा कर दी जाएगी।

हरियाणा से सात सदस्यों को चुना जाना है। डॉ. कुलदीप कुमार पिछले कई वर्षों से आयुर्वेदिक चिकित्सकों के हकों की लड़ाई लड़ते आ रहे हैं और आयुष डॉक्टरों को बेसिक सैलरी दिलाने में बहुत संघर्ष किया था। डॉ. कुलदीप कुमार ने नामांकन भरने के बाद गुरुवार को कहा कि आने वाले समय में आयुर्वेदिक चिकित्सकों के हकों के लिए हमेशा तत्पर रहूँगा। इस मौके पर डॉ. कुलदीप के साथ एसोसिएशन के संरक्षक डॉ. मंजीत श्योकंद, डॉ. सुनील सचिव नीमा हिसार, डॉ. रमन, डॉ. नकुल शर्मा, डॉ. रोबिन मदान आदि चिकित्सक मौजूद रहे।

हिसार में आवारा कुत्तों के बधियाकरण पर लागू होगी सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन

हिसार। सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का बधियाकरण और सरकारी संस्थानों और हाइवे और स्टेट हाइवे से आवारा कुत्तों को सुरक्षित शेल्टर होम में रखने बारे नगर निगम के मुख्य सभागार में सम्बन्धित विभागों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा ने की। डॉ. प्रदीप हुड्डा ने कहा कि स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, रेलवे स्टेशन और अस्पताल परिसरों से आवारा कुत्तों को हटाकर उन्हें शेल्टर होम में सुरक्षित रखने की दिशा में कार्य शुरू कर दिए है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी की गई गाइडलाइनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया।

हरियाणा सरकार का महिला सशक्तिकरण, युवा रोजगार और प्राकृतिक खेती का संकल्प

मिशन केंद्र किए जाएंगे स्थापित, एक लाख प्राकृतिक खेती का लक्ष्य

एजेंसी

चंडीगढ़। नायब सरकार का वर्ष 2026 में महिला सशक्तिकरण, युवाओं को रोजगार और प्राकृतिक खेती पर फोकस रहेगा। दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के जरिये महिलाओं को सशक्त बनाए जाएगा, वहीं 2026 में युवाओं को रोजगार के साथ कौशल का प्रशिक्षण दिया जाएगा। युवाओं को तकनीक के साथ जोड़ने के लिए मिशन केंद्र स्थापित होंगे, जिनमें एआई और भविष्य की योजनाओं पर आधारित रोबेटिक तकनीक से प्रशिक्षण दिया जाएगा।

नववर्ष पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए वर्ष 2026 का विजन बताते हुए कहा कि सरकार अंत्योदय उत्थान के तहत कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि दीन दयाल

लाडो लक्ष्मी योजना का एप 25 सितंबर को लांच किया गया था और हरियाणा दिवस के मौके पर पहली नवंबर को महिलाओं के खाते में 2100-2100 रुपये की राशि भेजी गई। अब तक 8 लाख महिलाओं को दो किस्तों में 250 करोड़ रुपये की राशि वितरित की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का दूसरा लक्ष्य युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार प्रदान करना है। सरकार ने 2026 के लिए ड्रिवन रोड मैप तैयार किया है। इसके तहत गुरुग्राम और पंचकूला में हरियाणा एआई मिशन केंद्र स्थापित किए जाएंगे और इन केंद्रो में युवा भविष्य की तकनीक जैसे एआई, कुशल रोबोटिक में निपुण बन सकेंगे। सरकार इस पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग के 5500 कांस्टेबल की भर्ती का विज्ञापन भी जारी कर दिया गया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि वर्ष 2026 में तीसरा लक्ष्य प्राकृतिक खेती के साथ किसानों को जोड़ना है। धान की जगह अन्य फसलें उगाने पर किसानों को प्रोत्साहित किया जाएगा। सरकार की ओर से एक लाख एकड़ भूमि को प्राकृतिक खेती के तहत लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2026 में हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर को तेजी से पूर्ण करवाना भी सरकार का लक्ष्य है।

यह प्रोजेक्ट बेहतर कनेक्टिविटी के नए आयाम स्थापित करेगा, जिससे दिल्ली के चारों और एनसीआर क्षेत्र में ट्रैफिक का दबाव कम होगा और औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे ही कई नई परियोजनाओं को नए वर्ष में गति देने का काम करेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि क्षेत्र के समुचित विकास और बुनियादी सुविधाओं में सुधार करने के लिए सरकार ने कुंजपुरा (करनाल), मतलौडा (पानीपत) और शहजादपुर (अंबाला) को नगर पालिका का दर्जा दिया है।

हरियाणा में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के तबादले

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने पुलिस प्रशासन में व्यापक स्तर पर बदलाव करते हुए चार वरिष्ठ भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों के स्थानांतरण और अतिरिक्त दायित्व तय किए हैं। राज्यपाल के आदेशानुसार ये परिवर्तन तत्काल प्रभाव से लागू किए गए हैं। 1991 बैच के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी आलोक मित्तल को हरियाणा जेल महानिदेशक नियुक्त किया गया है। उन्हें यह दायित्व वर्तमान जिम्मेदारियों के अतिरिक्त सौंपा गया है।

भारतीय राजनीति विश्लेषण पुस्तकें

1993 बैच के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी अर्शिंदर सिंह चावला को हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो का महानिदेशक नियुक्त किया गया है। यह पद अजय सिंगला की पुलिस महानिदेशक के रूप में नियुक्ति के बाद रिक्त हुआ था। 1994 बैच की भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी कला रामचंद्रन को हरियाणा पुलिस अकादमी, मधुबन (करनाल) की निदेशक नियुक्त किया गया है। यह

जिम्मेदारी उन्हें अर्शिंदर सिंह चावला के पदमुक्त होने के बाद सौंपी गई है। 1995 बैच के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी डॉ. सीएस राव, जो वर्तमान में गृह रक्षक बल में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के पद पर कार्यरत हैं, को हरियाणा मानवाधिकार एवं विधिक मामलों का अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया है। यह जिम्मेदारी उन्हें कलरामचंद्रन के स्थानांतरण के बाद दी गई है।

सोनीपत के भटगांव में खुली योगशाला

एजेंसी

सोनीपत। नववर्ष के अवसर पर गांव भटगांव में नवनिर्मित आदियोग योगशाला का उद्घाटन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता माईराम कौशिक ने किया। उद्घाटन कार्यक्रम में गांव में उत्सव जैसा वातावरण देखने को मिला। बड़ी संख्या में ग्रामीण, योग साधक, महिलाएं, युवा, बुजुर्ग तथा ग्राम पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहे। माईराम कौशिक ने उपस्थित ग्रामीणों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग भारत की प्राचीन, वैज्ञानिक और जीवनोपयोगी परंपरा है, जिसे आज विश्वभर में अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक

सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति, आत्मिक संतुलन और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है और आज योग दिवस विश्वभर में मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में बलवान सिंह दहिया, भटगांव गौशाला प्रधान अनिल सेहरी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

श्रम विभाग में फर्जी स्लिप घोटाले की जांच को बनाई कमेटी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने श्रम विभाग में हुए फर्जी स्लिप घोटाले की जांच के लिए उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर दिया है। हरियाणा सरकार ने मीडिया रिपोर्ट के हवाले से कहा कि इस संबंध में हरियाणा के श्रम मंत्री द्वारा लिखा गया कोई पत्र सीएमओ को नही मिला है। हरियाणा के श्रम मंत्री अनिल विज ने अपने ही विभाग में करीब 1500 करोड रुपए का फर्जी स्लिप घोटाला होने का दावा किया था। अनिल विज द्वारा कराई गई आंतरिक जांच में अभी तक 13 जिलों की रिपोर्ट आने का दावा किया गया था। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने गुरुवार की शाम एक जांच समिति का गठन कर दिया गया। यह कमेटी एक माह के भीतर अपने विस्तृत रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी।

सरकारी प्रवक्ता ने गुरुवार की रात जारी जानकारी में बताया कि विभाग द्वारा इस विषय पर एक फाइल प्रस्तुत की गई थी, जिसमें

मुख्यमंत्री को सूचित किया गया कि विभाग ने मामले की जांच के लिए एक समिति गठित की है और 13 जिलों की रिपोर्ट तैयार है, लेकिन शेष नौ जिलों की रिपोर्ट लंबित हैं। इसलिए विभाग ने सूचित किया कि शेष जिलों की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद पूर्ण रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया और अगले ही दिन फाइल वापस भेज दी तथा श्रम मंत्री से सभी जिलों की पूर्ण रिपोर्ट, वित्तीय हानि के सही आंकड़ों समेत प्रस्तुत करने को कहा। रिपोर्ट अभी तक लंबित है। यह मुद्दा निर्माण श्रमिकों और श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत उन्हें मिलने वाले लाभों से संबंधित है। आरोप लगाया गया है कि जिन कार्यों पर उन्होंने श्रम किया था, वे सही नहीं हैं, इसलिए उनका भवन निर्माण श्रमिक के रूप में दर्ज होना संदिग्ध प्रतीत होता है।

आरोपों की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, मुख्यमंत्री ने आईएएस पंकज अग्रवाल की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति गठित की है, जिसमें राजीव रतन, आईएएस और पंकज नैन, आईपीएस सदस्य हैं। यह समिति पूरे मामले की जांच करेगी और विभिन्न अधिकारियों तथा अन्य लोगों द्वारा की गई अनियमितताओं का पता लगाएगी। इसके अलावा, यह समिति विभाग को सुधारात्मक या निवारक उपायों की भी सिफारिश करेगी, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटना न हो। यह समिति सभी तथ्यों की जांच कर एक माह में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

नए नियमों के साथ लागू होगी लाडो लक्ष्मी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना को नए रूप में लागू करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल बैठक में योजना में महत्वपूर्ण संशोधनों को मंजूरी दी गई। अब योजना केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि बच्चों की शिक्षा, पोषण एवं समग्र विकास से जुड़ी होगी।

अब तक इस योजना में उन्हीं महिलाओं को शामिल किया जाता था, जिनके परिवार की वार्षिक आय 1 लाख 20 हजार रुपये से कम थी। कैबिनेट के नए फैसले के बाद यह दायरा बढ़ाकर 1 लाख 80 हजार रुपये कर दिया गया है, लेकिन इसके साथ एक बड़ी शर्त जोड़ दी गई है।एक लाख 20 हजार रुपये तक सालाना आय वाले परिवार की महिलाओं पर ये नई शर्तें लागू नहीं होंगी। लेकिन बाकी के सभी बदलाव उन पर भी लागू होंगे। अब इस बढ़ी हुई आय सीमा के अंतर्गत वही महिलाएं योजना का लाभ ले सकेंगी, जिनके बच्चे दसवीं या बारहवीं कक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त

करेंगे। यानी केवल आय कम होना ही काफी नहीं होगा, बच्चों का शैक्षणिक प्रदर्शन भी उतना ही जरूरी होगा। योजना में दूसरा बड़ा बदलाव मासिक सहायता राशि को लेकर किया गया है। अब तक इस योजना के तहत महिलाओं के खाते में हर महीने सीधे 2100 रुपये भेजे जाते थे। लेकिन अब इस राशि को भी दो हिस्सों में बांट दिया गया है। नई व्यवस्था के अनुसार, 1100 रुपये सीधे महिला के बैंक खाते में जमा होंगे। शेष 1000 रुपये सरकार द्वारा आवर्ती जमा या सावधि जमा के रूप में सुरक्षित रखे जाएंगे। इस जमा राशि पर ब्याज भी मिलेगा और हर महीने महिला को मोबाइल संदेश के माध्यम से इसकी जानकारी दी जाएगी। महिला की असामयिक मृत्यु की स्थिति में यह पूरी राशि नामित व्यक्ति को तुरंत दे दी जाएगी।यह पहले ही तय किया जा चुका है कि अब यह सहायता राशि हर महीने नहीं, बल्कि तीन महीने में एक बार दी जाएगी। पहले जहां महिलाओं को तीन महीने में 6300 रुपये एकमुश्त मिलते थे, अब नए नियमों के बाद तस्वीर बदल गई है। अब, महिला के खाते में तिमाही केवल 3300 रुपये आएंगे। बाकी 3000 रुपये सरकार जमा योजना में सुरक्षित रखेगी। सरकार ने इस योजना को केवल अंकों तक सीमित नहीं रखा है। अब बच्चों की सेहत भी मां को मिलने वाली सहायता से जुड़ गई है। नई श्रेणियों के तहत उन माताओं को भी लाभ मिलेगा जिनके बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं और तय शैक्षणिक स्तर हासिल करते हैं। योजना को पारदर्शी बनाने के लिए सरकार ने यह भी तय किया है कि लाभार्थियों की सूची ग्राम सभाओं में सार्वजनिक रूप से लगाई जाएगी। यदि किसी महिला के पात्र होने पर आपत्ति दर्ज होती है और जांच में वह सही पाई जाती है, तो उसका नाम सूची से हटा दिया जाएगा। दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत अब तक 10 लाख 25 हजार से अधिक महिलाओं ने आवेदन किया है।

पंचायत मंत्री ने मडलौडा में कार्यकर्ताओं के साथ मनाया जन्म दिन

एजेंसी

पानीपत। नव वर्ष के अवसर पर प्रदेश भर से आए कार्यकर्ताओं ने विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार का जन्म दिवस मडलौडा स्थित उनके निवास स्थान पर मनाया। इस अवसर पर मंत्री ने पौधारोपण भी किया। कार्यकर्ताओं ने मंत्री के जन्म दिवस पर रक्तदान शिविर में बढ़ चढ़कर भाग लिया और उन्हें जन्म दिवस के साथ-साथ नव वर्ष की शुभकामनाएं भी दी। अपने जन्मदिन के अवसर पर विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि मानव सेवा को सर्वोच्च मानते हुए आज उनके जन्मदिन और नववर्ष पर कार्यकर्ताओं ने रक्तदान कर समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर आयोजित रक्तदान कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रदेश भर से आए युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि जन्मदिन मनाने का सबसे सुंदर तरीका है किसी के जीवन को बचाने में योगदान देना। रक्तदान एक ऐसा दान है, जिससे कई जरूरतमंदों को नया जीवन मिल सकता है। उन्होंने अपने जन्मदिन पर पौधारोपण कर पर्यावरण

संरक्षण का संदेश भी दिया। मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए अपने 69 वें जन्मदिन के अवसर पर पौधारोपण कर समाज को प्रकृति से जुड़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम में मंत्री कृष्ण लाल पंवार के सुपुत्र अनिल पंवार ने सभी रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में मशहूर हरियाणवी गायक मासूम शर्मा भी उपस्थित रहे।

हरियाणा पुलिस के एएसआई संदीप लाठर की पत्नी को नौकरी देगी सरकार

- अब एक्सचेंज डीड से नहीं होगी अवैध प्लॉटिंग
- पंचकूला में बनेगी 570 पशुओं की गौशाला

एजेंसी

चंडीगढ़। रोहतक के एएसआई संदीप कुमार लाठर की पत्नी संतोष कुमारी को कैबिनेट ने एमडीयू, रोहतक के कैंपस स्कूल में पीजीटी गणित (ग्रुप-बी) के पद पर नियुक्ति को मंजूरी दी है। यह फैसला हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। यह फैसला असाधारण परिस्थितियों को देखते हुए लिया गया है ताकि संदीप लाठर के परिवार को मानवीय और नीतिगत राहत मिल सके।बता दें कि एडीजीपी वाई पूरन कुमार द्वारा सुसाइड करने के कुछ दिनों बाद एएसआई संदीप लाठर ने भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। संदीप लाठर ने वाई पूरन कुमार और उनके परिवार पर गंभीर आरोप भी लगाए थे। हरियाणा सरकार ने शहरी क्षेत्रों में ज़मीन की अवैध खरीद-फरोख्त रोकने के लिए कानून में सख्ती करने

का फैसला लिया है। इसके तहत विनिमय विलेख (एक्सचेंज डीड) को भी अब कानून के दायरे में लाया जाएगा। अब तक कई लोग एक्सचेंज डीड का इस्तेमाल सीधे बिक्री से बचने के लिए कर रहे थे। इससे अवैध कॉलोनियां और गैर-कानूनी प्लॉटिंग बढ़ रही थी। अब एक्सचेंज डीड को भी हरियाणा विकास एवं शहरी क्षेत्र विनियमन अधिनियम, 1975 के तहत माना जाएगा। अप्रत्यक्ष बिक्री (इनडायरेक्ट सेल) का रास्ता बंद होगा और अवैध भूमि लेन-देन पर सरकार की पकड़ मजबूत होगी।

कैबिनेट ने इस फैसले को लागू करने के लिए 'हरियाणा संशोधन अध्यादेश, 2025' जारी करने को मंजूरी दी है। मंत्रिमंडल ने पंचकूला जिले के बरवाला ब्लॉक की ग्राम पंचायत रत्तेवाली की 4 एकड़ 1 कनाल 17 मरला जमीन को गौशाला के लिए पट्टे पर देने को मंजूरी दी गई है। कामधेनु गौ सेवा समिति, सकेतड़ी (पंचकूला) को यह जमीन 20 वर्षों की अवधि के लिए पट्टा पर दी है। गौशाला में 570 पशुओं के संरक्षण की व्यवस्था होगी। गौशाला बनने से लावारिस पशुओं की समस्या में राहत मिलेगी और गौसेवा और पशुधन संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

पुलिस आयुक्त ने हवन के बाद चुनौतियों के लिए सतर्क रहने का संदेश दिया

एजेंसी

सोनीपत: नव वर्ष के उपलक्ष्य में थाना एचएसआईआईडीसी बड़ी में हवन एवं पूजा का आयोजन श्रद्धा और अनुशासनपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम पुलिस आयुक्त सोनीपत ममता सिंह के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य पुलिस परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य तथा कर्तव्यनिष्ठ सेवा भावना को सुदृढ़ करना रहा। आयोजन में पुलिस आयुक्त सोनीपत तथा पुलिस उपायुक्त पूर्वी जोन ने उपस्थित होकर विधिवत पूजा-अर्चना की।हवन के उपरांत क्षेत्र एवं जिले में शांति, कानून-व्यवस्था और जनसुरक्षा के लिए मंगलकामनाएं की गईं। कार्यक्रम में थाना प्रभारी एचएसआईआईडीसी बड़ी सहित पुलिस अधिकारी, महिला पुलिस कर्मी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त ने पुलिस बल को

संबोधित करते हुए कहा कि नव वर्ष का आरंभ सकारात्मक ऊर्जा और नई प्रतिबद्धता के साथ करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष में साइबर अपराध, नशे की तस्करी, सड़क सुरक्षा, महिला एवं बाल सुरक्षा जैसी चुनौतियां पुलिस के समक्ष प्रमुख रहेंगी। इन चुनौतियों से निपटने के लिए संवेदनशील पुलिसिंग, त्वरित कार्रवाई और जनता के साथ निरंतर संवाद को और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने पुलिस कर्मियों के अनुशासन, समर्पण और कार्यक्षमता की सराहना करते हुए कहा कि जनता का विश्वास ही पुलिस की सबसे बड़ी शक्ति है। पुलिस उपायुक्त पूर्वी जोन ने भी टीम भावना से कार्य करने, क्षेत्रीय समस्याओं की समय पर पहचान तथा सक्रिय पुलिसिंग अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी अधिकारी-कर्मचारियों को प्रसाद वितरित किया गया तथा नव वर्ष के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

हरियाणा पुलिस में लागू होगी 'मेय आई हेल्प यू' योजना

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने औपचारिक रूप से अपने पद का कार्यभार संभालने के बाद कहा है कि पुलिस विभाग में जल्द ही 'मेय आई हेल्प यू' योजना शुरू की जाएगी। पुलिस मुख्यालय पहुंचने पर उन्हें सशस्त्र पुलिस दल द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। इसके पश्चात उन्होंने निवर्तमान डीजीपी ओ.पी. सिंह से कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पुलिस मुख्यालय में उपस्थित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मीडिया से बातचीत करते हुए डीजीपी अजय सिंघल ने कहा कि कामकाजी महिलाएं, बुजुर्ग महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक, रात्रिकालीन यात्रियों सहित समाज के सभी वर्गों को शामिल किया जाएगा।

डीजीपी ने कहा कि आमजन और पुलिस के बीच विश्वास को

मजबूत करना सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए शिकायत निवारण तंत्र को और अधिक सशक्त एवं पूरी तरह ऑटोमेटेड किया जाएगा। शिकायतों की निगरानी डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जाएगी ताकि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि हरियाणा पुलिस इन सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए पूर्ण रूप से सक्षम, सजग और प्रतिबद्ध है। आने वाले समय में सभी चुनौतियों से निपटने के लिए योजनाबद्ध, चरणबद्ध और लक्ष्य-आधारित रणनीति अपनाई जाएगी, ताकि कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

NAME CHANGE

I, ASHOK RAJAK S/o AJUDDI RAJAK, R/o Gram/Post Muhara, Muhara Khas, Muhara, Tikamgarh, Madhya Pradesh-472118, have changed the name of my minor son RAJENDRA RAJAK aged 15 years and he shall hereafter be known as RAJA RAJAK, for all future purposes.

हरियाणा में 100 एमजी से अधिक निमेसुलाइड ओरल फार्मूलेशन पर रोक

ज्योति दर्पण

चंडीगढ़। हरियाणा में मानव उपयोग के लिए इमीडिएट रिलीज़ डोसेज फ़ॉर्म में 100 मिलीग्राम से ज़्यादा निमेसुलाइड वाली सभी ओरल फ़ॉर्मूलेशन के निर्माण, बिक्री और वितरण पर तुरंत प्रभाव से रोक लगा दी गई है।हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने जारी एक बयान में बताया कि इस कदम का मुख्य उद्देश्य लोगों को संभावित दुष्प्रभावों से बचाना और यह सुनिश्चित करना है कि राज्य में केवल सुरक्षित और प्रमाणित दवाओं का ही उपयोग हो। आरती सिंह राव ने कहा कि यह निर्णय पूरी तरह से लोगों के हित और उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। उन्होंने कहा कि दवाओं का उद्देश्य रोगियों को राहत देना है, न कि उनके स्वास्थ्य को खतरे में डालना। जब वैज्ञानिक साक्ष्य किसी दवा से जोखिम की ओर संकेत करते हैं और सुरक्षित विकल्प मौजूद हों, तो सरकार का कर्तव्य है कि वह जनहित में ठोस निर्णय ले। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने दवा निर्माताओं, थोक एवं खुदरा विक्रेताओं, केमिस्टों और मेडिकल स्टोरों को इस प्रतिबंध का सख्ती से पालन करने के

निर्देश जारी कर दिए हैं। इसके साथ ही, नियमित निरीक्षण और निगरानी की व्यवस्था की गई है तथा उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। स्टेट ड्रग्स कंट्रोलर ललित कुमार गोयल ने बताया कि केंद्र सरकार की अधिसूचना को राज्य में प्रभावी रूप से लागू कर दिया गया है,जिसके तहत इमीडिएट रिलीज़ डोसेज फॉर्म में 100 मिलीग्राम से अधिक निमेसुलाइड युक्त सभी ओरल फार्मुलेशन के निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने वैज्ञानिक तथ्यों के गहन

NAME CHANGE

I hitherto known as MAMATA GUHA D/o PREM KARMAKAR, and W/o RAJIB GUHA, R/o Surya Sen Pally, Shibmandir, Kadamtala, Ranidanga, PO: Kadamtala, Dist. Darjeeling, West Bengal-734011, have changed my name and shall hereafter be known as MAMATA KARMAKAR GUHA, for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SAYMA BANO W/o SAMEER KHAN R/o Mote Ka Mohalla, Ward No. 13, Tikamgarh, Madhya Pradesh-472001, have changed the name of my minor daughter MALAIKA BANO aged 15 years and she shall hereafter be known as ADEEVA KHAN, for all future purposes.

भारत में 2025 में वाहनों का पंजीकरण 2.8 करोड़ पार

- मारुति सुज़ूकी ने 17.8 लाख वाहनों के साथ 2025 में अपना दबदबा कायम रखा

नई दिल्ली ।

दो-पहिया ईवीएस में इस साल 12 लाख से अधिक पंजीकरण हुए, जो 2024 की तुलना में लगभग 12 फीसदी अधिक हैं और पूरे दोपहिया बाजार का 6.2 फीसदी बनाते हैं। चार ओईएम के लिए कुल पंजीकरण की संख्या लगभग 35 लाख वाहन बढ़ गई जो मजबूत त्योहारी सीजन और एसयूवी की निरंतर मांग के बल पर कैलेंडर वर्ष 2024 की तुलना में सालाना आधार पर लगभग 8.4 प्रतिशत अधिक है। उद्योग के सूत्रों द्वारा एकत्र वाहन डेटा (तेलंगाना को छोड़कर) से पता चलता है कि मारुति सुज़ूकी इंडिया ने 17.8 लाख वाहनों के साथ कैलेंडर वर्ष 2025 में अपना दबदबा कायम रखा। उसकी सालाना आधार पर 8.8 फीसदी वृद्धि रही। मासिक आधार पर मारुति की बिक्री फरवरी में और फिर जून-सितंबर के मॉनसून के महीनों में कम हो गई। लेकिन कंपनी ने अक्टूबर 2025 में तेजी से वापसी की और त्योहारी मांग व नए मॉडलों के बल पर 243,327 वाहनों की उच्चतम मासिक बिक्री दर्ज की। एमऐंडएम इस साल सबसे ज्यादा

बढ़त बनाने वाली कंपनी रही। उसकी बिक्री में साल-दर-साल 20 फीसदी से अधिक इजाफा हुआ और यह 588,994 वाहन तक पहुंच गई, जो उसकी प्रतिस्पर्धी दूसरी कंपनियों में सबसे अच्छी बढ़ोतरी है। टाटा मोटर्स ने 565,982 वाहनों की बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल के मुकाबले 5.6 प्रतिशत ज्यादा है।

मुंबई-दिल्ली हवाई मार्ग पर एयर इंडिया ने इंडिगो को पीछे छोड़ा

इंडिगो दूसरे स्थान पर, 38.8 फीसदी हिस्सेदारी और 2,71,052 सीटों के साथ

नई दिल्ली ।

मुंबई-दिल्ली हवाई मार्ग अब दुनिया के शीर्ष 10 व्यस्ततम मार्गों में शामिल हो गया है। विमानन डेटा कंपनी ओएजी के अनुसार 2025 में इस मार्ग पर 76.4 लाख सीटें उपलब्ध थीं और औसतन रोजाना 107 उड़ानें संचालित हुईं। यह संख्या इसे वैश्विक रैंकिंग में 8वां स्थान देती है, जिससे चीन के प्रमुख मार्ग जैसे पेइचिंग-शांघाई हांग्जो भी पीछे रह गए। इस मार्ग पर प्रतिस्पर्धा बढ़ने के साथ ही एयर इंडिया समूह (एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस) ने इंडिगो को पीछे छोड़कर 48.8

फीसदी क्षमता पर कब्जा जमा लिया। इंडिगो अब दूसरे स्थान पर है, 38.8 फीसदी हिस्सेदारी और 2,71,052 सीटों के साथ। शेष हिस्सेदारी मुख्य रूप से आकाश एयर और स्पाइसजेट के पास है। एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानें पिछले साल 63 से बढ़कर 124 हो गईं। एयर इंडिया ने 46 उड़ानें संचालित कीं। अकासा एयर और स्पाइसजेट ने भी क्रमशः 33त्न और 23 फीसदी सीट क्षमता बढ़ाई। इसी कारण इस मार्ग पर प्रतिस्पर्धा और तेज हुई।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का तीसरा दौर जनवरी में शुरू

- पायलट प्रोजेक्ट में बदलाव, युवाओं के लिए और आकर्षक अवसर

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) का तीसरा दौर जनवरी के मध्य से शुरू होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार इस चरण में कुछ बदलाव किए गए हैं, जिससे यह आवेदकों के लिए और अधिक आकर्षक होगा। विशेष रूप से सेवा क्षेत्रों में इंटर्नशिप की अवधि कम करने की योजना है। सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में शीर्ष 500 कंपनियों में 1 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना है। इस योजना की शुरुआत पिछले साल 3 अक्टूबर को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में हुई थी, जिसका वार्षिक लक्ष्य 1,25,000 इंटर्नशिप अवसर देना था। पहले दौर में 28,141 आवेदकों ने इंटर्नशिप स्वीकार की थी, जबकि दूसरे दौर में यह संख्या घटकर 24,638 रही। पहले दौर में 34 प्रतिशत ऑफर स्वीकार किए गए थे, जो दूसरे दौर में 29 प्रतिशत रह गए। हालांकि प्रतिशत में गिरावट आई, लेकिन कुल इंटर्नशिप अवसरों की संख्या में वृद्धि हुई। दूसरे दौर में जुबिलेंट फूडवर्क्स ने 13,658 अवसर दिए, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने 7,880 और एचडीएफसी बैंक ने 6,800 अवसर प्रदान किए। लगभग 70 नई कंपनियाँ इस चरण में शामिल हुईं।

सरकार ने इस योजना की घोषणा 2024-25 के पूर्ण बजट में की थी, और अब तीसरे चरण के माध्यम से युवाओं के लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराने की तैयारी चल रही है।

भारती ग्रुप का एमकैप बढ़ा, देश में तीसरा सबसे बड़ा कारोबारी समूह बना

- एमकैप 10.7 लाख करोड़ से बढ़कर 14.7 लाख करोड़ रुपए पहुंचा

नई दिल्ली ।

साल 2025 में भारती समूह ने अपने तीनों सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (एमकैप) में 37.3 फीसदी की बढ़त दर्ज की। कुल एमकैप 10.7 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 14.7 लाख करोड़ रुपये हो गया। इस प्रदर्शन के साथ भारती समूह अब टाटा और रिलायंस के बाद देश का तीसरा सबसे बड़ा परिवार-स्वामित्व वाला कारोबारी समूह बन गया। नों कंपनियों में सबसे बड़ा लाभ भारती एयरटेल से हुआ, जिसका एमकैप 40.1 फीसदी बढ़कर 12.67 लाख करोड़ रुपये हो गया। अनिल अग्रवाल के स्वामित्व वाला वेदांत समूह तीन कंपनियों के साथ 36.3 फीसदी की बढ़त के साथ 5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा। इसमें प्रमुख योगदान हिंदुस्तान जिंक का रहा, जिसका एमकैप 38 फीसदी बढ़कर 2.59 लाख करोड़ रुपये हुआ। मुकेश अंबानी की अगुआई वाला रिलायंस इंडस्ट्रीज समूह 24.7 फीसदी बढ़ा और कुल एमकैप 23.4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा। इस वृद्धि का मुख्य स्रोत रिलायंस इंडस्ट्रीज का 29.1 फीसदी बढ़ा एमकैप रहा। बजाज समूह चौथे से पांचवें स्थान पर, आदित्य बिड़ला और महिंद्रा समूह में लगभग 17 फीसदी बढ़त, जेएसडब्ल्यू और अदाणी समूह में क्रमशः 8.3 और 8 फीसदी बढ़त, टाटा का एमकैप 10.9 फीसदी गिरकर 27.7 लाख करोड़ रुपये, टीसीएस और इंफोसिस में क्रमशः 21.8 और 16.1 फीसदी की गिरावट देखी गई।

नए साल के दूसरे दिन दिखा कीमती धातुओं में उतार-चढ़ाव

दिल्ली में सोना 1.35 लाख के पार, चांदी का भाव 2,37,900 प्रति किलोग्राम

मुंबई । नए साल 2026 की शुरुआत के साथ ही सोने और चांदी की कीमतों में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। वर्ष 2025 में जहां सोने ने शानदार तेजी दिखाई, वहीं चांदी ने भी रिकॉर्ड तोड़ते हुए ऑल टाइम हाई का स्तर छू लिया था। हालांकि 2 जनवरी 2026 को चांदी की कीमतों में हल्की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि सोने के भाव में मामूली उछाल देखने को मिला है। राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को 24 कैरेट सोने का भाव 1,35,220 प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,23,960 और 18 कैरेट सोना 1,01,450 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ, जयपुर, मेरठ और लुधियाना जैसे कई बड़े शहरों में भी सोने के भाव लगभग समान बने हुए हैं। मुंबई, पुणे और कोलकाता में सोने की कीमतें थोड़ी कम देखने को मिली हैं। देश के प्रमुख शहरों में चांदी का भाव 2,37,900 प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया है। दिल्ली, मुंबई, पटना, अहमदाबाद, पुणे, कोलकाता समेत सभी बड़े शहरों में चांदी एक समान दर पर बिक रही है। साल की शुरुआत में चांदी की कीमतों में यह गिरावट निवेशकों के लिए अहम संकेत मानी जा रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की आक्रामक खरीदारी, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में संभावित कटौती की उम्मीद, अमेरिकी टैरिफ को लेकर चिंताएं और वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव ने सोने-चांदी की कीमतों को मजबूती दी है।

रुपए गिरावट पर बंद

मुंबई ।

भारतीय रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 23 पैसे टूटकर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में कारोबार करता नजर आया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 6 पैसे की बढ़त के साथ 89.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले गुरुवार को रुपया 89.98 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, रुपये में सीमित उतार-चढ़ाव का मुख्य कारण भारतीय रिजर्व बैंक की वह रणनीति है, जिसके तहत वह 90 के स्तर को बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। इसके चलते बाजार में अत्यधिक कमजोरी या मजबूती देखने को नहीं मिल रही है। घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख से रुपये को समर्थन मिला, लेकिन विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार पूंजी निकासी ने इस असर को काफी हद तक कम कर दिया। वहीं, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति बताने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 फीसदी की गिरावट के साथ 98.17 पर रहा।

मारुति सुजुकी जल्द तय करेगी छोटी कारों की कीमतें

मुंबई । मारुति सुजुकी इंडिया ने सितंबर में अपनी छोटी कारों की कीमतों में कटौती की थी। यह कदम उस समय आया जब सरकार ने छोटी कारों पर जीएसटी दरों में कमी की घोषणा की थी। कंपनी ने अपने स्तर पर भी कीमतें घटाकर ग्राहकों तक कारों की पहुंच बढ़ाने का प्रयास किया। उदाहरण के तौर पर, एस-प्रेसो मॉडल की कीमतों में 1,29,600 रुपये तक, ऑल्टो के 10 मॉडल में 1,07,600 रुपये तक, सेलेरियो मॉडल में 94,100 रुपये तक और वैगन-आर मॉडल में 79,600 रुपये तक कटौती की गई। मारुति सुजुकी के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा कि छोटी कारों के लिए यह रणनीतिक मूल्य निर्धारण अधिक लोगों तक कारों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कदम बिक्री बढ़ाने के साथ-साथ ग्राहकों को किफायती विकल्प देने के मकसद से उठाया गया था। पार्थो बनर्जी ने कहा कि कंपनी जल्द ही तय करेगी कि क्या कीमतों को केवल जीएसटी कटौती वाले स्तर पर वापस लाया जाए या रणनीतिक मूल्य निर्धारण जारी रखा जाए। उन्होंने यह भी बताया कि इस बीच बुकिंग कर चुके ग्राहकों को अगले 15-20 दिनों तक सेवा दी जाएगी।

देवयानी और सफायर फूड्स का होगा विलय

मुंबई । देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड (डीआईएल) और सफायर फूड्स इंडिया लिमिटेड (एसएफआईएल) ने अपने निदेशक मंडलों की बैठक में विलय की योजना को मंजूरी दी। इस विलय के बाद संयुक्त कारोबार लगभग 8,000 करोड़ रुपये होगा। एसएफआईएल के प्रत्येक 100 शेयर के बदले डीआईएल के 177 शेयर जारी किए जाएंगे। एसएफआईएल के संचालकों के पास मौजूद 25.35 फीसदी हिस्सेदारी में से 18.5 फीसदी डीआईएल की समूह कंपनी आर्कटिक इंटरनेशनल खरीदेगी। संयुक्त इकाई केएफसी,` पिज्जा हट, टेको बेल के साथ-साथ कोस्टा काफी, टी लाइव और सेनुक` किचन जैसे अन्य ग्लोबल क्यूएसआर ब्रांड का संचालन करेगी। यह भारत, नाइजीरिया, नेपाल, थाईलैंड और श्रीलंका में सक्रिय होगी। डरआईएल के चेयरमैन के अनुसार विलय से लागत बचत, आपूर्ति श्रृंखला और प्रौद्योगिकी में सुधार होगा। एसएफआईएल के एक अधकारी ने इसे भारत में केएफसी और पिज्जा हट का एकीकृत संचालन और दीर्घकालिक साझेदारी का प्रतीक बताया।

भारत का विनिर्माण सेक्टर 2025 में स्थिर, लेकिन विकास की गति धीमी

- नए निर्यात ऑर्डर पिछले 14 महीनों में सबसे कम बढ़े

मुंबई ।

एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की अर्थशास्त्र कार्यकारी निदेशक ने कहा कि भारत का विनिर्माण उद्योग 2025 के अंत तक अच्छी स्थिति में रहा, हालांकि वृद्धि की गति धीमी रही। नए व्यवसायों में आई तेजी ने कंपनियों को वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही में व्यस्त रहने की उम्मीद दी। मुद्रास्फीति पर दबाव कम होने से मांग बनी रही। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई सर्वेक्षण के अनुसार, कई मापदंडों में वृद्धि की गति धीमी हुई। उत्पादन वृद्धि 38 महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गई, जबकि नए ऑर्डर दो साल में सबसे कमजोर उछाल दर्ज कराए। कुल बिक्री में मंदी का एक कारण अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर में धीमी वृद्धि भी रही। नए निर्यात ऑर्डर पिछले 14 महीनों में सबसे कम बढ़े। हालांकि, एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया के ग्राहकों से बेहतर मांग देखने को मिली। कच्चे माल की लागत में ऐतिहासिक रूप से नगण्य वृद्धि रही, और 'मूल्य मुद्रास्फीति' नौ महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गई। सर्वेक्षण में कहा गया कि वर्तमान अवधि में रोजगार सृजन की गति सबसे कम रही। इसके बावजूद भारतीय उत्पादक 2026 में उत्पादन में बढ़ोतरी की उम्मीद रखते हैं। हालांकि समग्र भावना लगभग ढाई साल में सबसे निचले स्तर पर है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई, एसएंडपी ग्लोबल द्वारा करीब 400 कंपनियों के क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया गया है।

असम में चाय बागान मजदूरों को मिलेगा जमीन का मालिकाना हक

- जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू

गुवाहाटी । असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की है कि चाय उद्योग के 200 साल बाद अब मजदूरों को उनकी जमीन और घर का पूरा मालिकाना हक मिलेगा। उन्होंने कहा कि जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और मजदूरों को उनका हक मिलेगा। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से बातचीत में बताया कि सरकार ने नवंबर विधानसभा शीतकालीन सत्र में असम फिक्सेशन ऑफ सीलिंग ऑफ लैंड होल्डिंग्स (संशोधन) कानून, 2025' बनाया था। यह कानून उन मजदूरों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए लाया गया है, जो पिछले 200 सालों से चाय बागानों में काम कर रहे हैं। शर्मा ने बागान मालिकों को चेताया कि अगर वे मजदूरों को हक देने से इनकार करेंगे तो सरकार उनकी मिलने वाली वित्तीय सहायता रद्द कर सकती है। उन्होंने बताया कि सरकार हर साल बागानों को करीब 150 करोड़ रुपये देती है। कांग्रेस के असम अध्यक्ष गौरव गोगोई ने इस कानून पर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनाव से केवल चार महीने पहले यह कानून लाना संदिग्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य लंबे समय से चले आ रहे अन्याय को सुधारना है और मजदूरों को उनका हक दिलाना है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 573.41, निफ्टी 182 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 573.41 अंक करीब 0.67 ऊपर आकर 85,762.01 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 182 अंक बढ़कर 26,328.55 पर पहुंच गया। आज कारोबार के दौरान नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का मुख्य सूचकांक (निफ्टी) 26,340 के नये शीर्ष स्तर पर पहुंचा।

बाजार में तेजी सरकारी और एनर्जी शेयरों के कारण आई। निफ्टी पीएसई , निफ्टी एनर्जी, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी रियल्टी , निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी मेटल फीसदी और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स तेजी के साथ बंद हुए। मुख्य सूचकांकों में केवल निफ्टी एफएमसीजी ही गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 615.45 अंक की तेजी के साथ 61,365.90 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 127.15 अंक की बढ़त के साथ 17,832.05 पर था।

बीएसई पर 2,772 शेयर लाभ के साथ ही ही ऊपर आये जबकि 1,449 शेयर टूटे हैं जबकि 150 शेयरों में कोई बदलाव नहीं दिखा। सेंसेक्स पैक में एनटीपीसी, ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, एसबीआई, मारुति सुजुकी, बीईएल, आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएल, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, टीसीएस, इन्फोसिस, सन फार्मा, एलएंडटी, अदाणी पोर्ट्स और टाटा स्टील के शेयर लाभ में रहे जबकि आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, इंडिगो और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर गिरे।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। शुरुआती कारोबार के बाद भी बाजार में खरीदारी का रुझान बना रहा। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 336.25 अंक की बढ़त के साथ 85,524.85 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एनएसई निफ्टी-50 ने 26,155 के स्तर पर मजबूत शुरुआत के बाद 104.50 अंक चढ़कर 26,251 पर पहुंच गया। वहीं एशियाई बाजारों में शुक्रवार को नए साल की शुरुआत मिले-जुले रुख के साथ हुई। लेकिन बाद में

बाजार तेजी में आ गए। दक्षिण कोरिया का कोस्पी नया रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यह इंडेक्स 0.21 फीसदी चढ़ा और इस दौरान 4,239.88 का अब तक का सबसे ऊंचा स्तर छुआ। वहीं स्मॉल-कैप कोसडैक ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 1.32 फीसदी की बढ़त दर्ज की। जापान और चीन समेत कई एशियाई बाजार छुट्टियों के कारण बंद रहे। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.11 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा। सिंगापुर ने उम्मीद से बेहतर आर्थिक वृद्धि दर्ज की। एशियाई कारोबार के शुरुआती घंटों में अमेरिकी शेयर फ्यूचर्स में हल्की तेजी देखी गई। वहीं वॉल स्ट्रीट पर अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 में 0.74 फीसदी, नैस्डैक कंपोजिट में 0.76 फीसदी और डाओ जोंस में 0.63 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई।

केएफसी और पिज्जा हट के ऑपरेटर सफायर फूड्स का डीआईएल में बड़ा मर्जर

- देवयानी इंटरनेशनल, सफायर फूड्स के हर 100 शेयर के बदले 177 शेयर जारी करेगी

मुंबई ।

सफायर फूड्स इंडिया लिमिटेड, जो भारत में केएफसी और पिज्जा हट के ऑपरेशन्स चलाती है, अब देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड (डीआईएल) में मर्ज होने जा रही है। इसे पिज्जा-बर्गर सेगमेंट का अब तक का सबसे बड़ा मर्जर माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह कदम ऐसे समय में लिया गया है जब देश में फास्ट-फूड फ्रेंचाइजी को घटती बिक्री और मार्जिन के दबाव का सामना करना पड़ रहा है। प्रस्तावित डील के तहत देवयानी इंटरनेशनल, सफायर फूड्स के हर 100 शेयर के बदले 177 शेयर जारी करेगी। संयुक्त इकाई से अगले पूरे वर्ष से सालाना 210 करोड़ रुपए से 225 करोड़ रुपए तक का फायदा होने की उम्मीद है। इसके अलावा आर्कटिक इंटरनेशनल, मौजूदा प्रमोटरों से सफायर फूड्स की करीब 18.5 फीसदी पेड-अप इक्विटी खरीदने वाली है। इस मर्जर को प्रभावी होने के लिए कई नियामकीय मंजूरियां जरूरी हैं, जिनमें स्टॉक एक्सचेंज, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई), राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण के साथ-साथ दोनों कंपनियों के शेयरधारकों और लेनदारों की स्वीकृति शामिल है। पूरी प्रक्रिया में करीब 12 से 15 महीने का समय लग सकता है। देवयानी इंटरनेशनल और इसके पार्टनर कंपनियां भारत और विदेशों में

3,000 से अधिक आउटलेट चलाती हैं। मर्जर के बाद कंपनी भारत की सबसे बड़ी क्यूएसआर कंपनियों में शामिल हो जाएगी। इस कदम के बाद शेयर बाजार में भी तेजी आई, और देवयानी इंटरनेशनल के शेयर इंट्रा-डे में 8त्न तक बढ़कर 159.45 रुपए तक पहुंच गए।

कोल इंडिया का दिसंबर में उत्पादन 4.6 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई । कोल इंडिया ने दिसंबर 2025 में 7.57 करोड़ टन कोयला उत्पादन किया, जो दिसंबर 2024 के 7.24 करोड़ टन से 4.6 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने कहा कि यह उत्पादन अपनी

आठ अनुषंगी कंपनियों के सहयोग से हासिल किया गया। हालांकि, इस महीने में कोयले की आपूर्ति यानी उठाव 6.49 करोड़ टन रही, जो पिछले साल के इसी महीने के 6.85 करोड़ टन से 5.2 प्रतिशत कम है। इसका मतलब है कि उत्पादन बढ़ने के बावजूद आपूर्ति में कमी आई है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली नौ महीनों में कोल इंडिया का कुल उत्पादन 52.92 करोड़ टन रहा, जो पिछले साल की 54.34 करोड़ टन से 2.6 प्रतिशत कम है। इसी अवधि में कुल उठाव 54.47 करोड़ टन रहा, जो पिछले साल 55.7 करोड़ टन से 2.2 प्रतिशत घट गया।

अस्तित्व संकट के बीच पारिवारिक एकता का राग

उमेश चतुर्वेदी

चाहे ठाकरे कुनबा हो या फिर पवार परिवार, अगर दोनों एक हो रहे हैं तो उसकी सिर्फ अस्तित्व की रक्षा भी नहीं है, बीजेपी रूपी चुनौती से पार पाना भी है और मुंबई महानगर पालिका, पुणे महानगर पालिका और पिंपरी चिंचवड़ महानगर पालिका पर कब्जे की चाहत भी है। मुंबई महानगर पालिका का सालाना बजट सत्तर हजार करोड़ रूपए का है।

राजनीति के बारे में कहा जाता है कि यहां कोई न तो स्थायी दोस्त होता है और ना ही कोई स्थायी दुश्मन। राजनीति में ऐसे कम ही उदाहरण मिलेंगे,जहां दोस्ती के मूल में दिल का रिश्ता होता है। गौर से देखें तो संभावनाओं, चुनौतियों और अवसरों की बुनियाद पर पर दोस्ती या दुश्मनी के रिश्ते आगे बढ़ते हैं। महाराष्ट्र के दो राजनीतिक परिवारों के मिलन को भी इसी अंदाज और संदर्भ में देखा जाना चाहिए। राज्य का पवार परिवार हो या फिर ठाकरे कुनबा, अगर एक होता नजर आ रहा है या एक हुआ है तो इसका मतलब यह नहीं है कि दोनों परिवारों के प्रमुख अलंबरदारों के दिल मिल चुके हैं। बल्कि राजनीतिक संभावनाओं और अवसरों ने उन्हें एक होने को प्रेरित किया है।

चाहे ठाकरे परिवार हो या फिर पवार कुनबा, दोनों में कुछ समानताएं हैं। शरद पवार हों या बाल ठाकरे, एक दौर में दोनों की महाराष्ट्र की राजनीति में तूती बोलती थी। पिछली सदी के आखिरी दशक में तो राजनीतिक हलके का एक बड़ा हिस्सा शरद पवार को देश का भावी प्रधानमंत्री तक मानने लगा था। इसी तरह महाराष्ट्र के टाइगर के रूप में बाल ठाकरे की ख्याति रही। दोनों ही राजनीतिक खानदानों के मुखिया का स्वाभाविक उत्तराधिकारी दोनों के भतीजे ही माने जाते थे। एक दौर तक शरद के उत्तराधिकारी के तौर पर देश और प्रदेश अजित पवार को देखता था। इसी तरह शिवसैनिक भी बाल ठाकरे के भतीजे राज ठाकरे को अगली पीढ़ी का ठाकरे सीनियर मान चुका था। लेकिन जब उत्तराधिकार सौंपने की बारी आई तो पवार ने अपनी बेटी सुप्रिया सुले पर भरोसा जताया और बाल ठाकरे ने अपने छोटे बेटे राज ठाकरे को। ऐसे हालात में अजित और राज ठाकरे को अपना भविष्य चुनौतीपूर्ण लगा, राजनीतिक संभावनाएं कम होती दिखीं तो दोनों ने अपनी राह अलग कर ली। उन्नीस साल पहले राज ठाकरे ने शिवसेना से अलग होकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना बना ली तो अजित पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस के मूल धड़े पर ही कब्जा कर लिया। पार्टी के असल संस्थापक शरद पवार पुछल्ला पार्टी लेकर एक तरह से किनारे का दल संभालने लगे।

पवार परिवार और ठाकरे कुनबे में बिखराव की कहानी भी अलग-अलग रही। जब तक बाल ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे अपनी शिवसेना को बीजेपी के साथ खड़ा रखे, तब तक तो उनके नेतृत्व को चुनौती नहीं मिली। दल का राज्य में ठीकठाक समर्थन भी रहा। हालांकि महत्वाकांक्षाओं के साथ अलग हुए राज ठाकरे को राजनीतिक सफलताएं न के बराबर मिलीं। लेकिन जब से उद्धव ने बीजेपी को छोड़ कांग्रेस और पवार की एनसीपी का साथ पकड़ा, राजनीतिक मैदान में उसका आधार घटने लगा। वहीं पवार सीनियर से अलग होने के बावजूद बीजेपी के साथ के चलते अजित का राजनीतिक रूतबा कम नहीं हुआ। अलबत्ता कभी भारत के प्रधानमंत्री मैटेरियल देखे जाते रहे वरिष्ठ पवार की सियासी साख घटती चली गई। कुनबे में बिखराव के चलते दोनों परिवारों की राजनीतिक ताकत बीजेपी के सामने बौनी होती जा रही है। एक तरह से कह सकते हैं कि दोनों परिवारों के राजनीतिक अस्तित्व पर ही सवाल उठने लगा है।

एक कहावत है, मरता क्या नहीं करता। राजनीतिक अस्तित्व पर जब बन आती है तो कम ही सियासी हस्तियां होती हैं, जो समझौते नहीं करतीं। इसे समझदारी कहें या फिर राजनीति की रवायत, ठाकरे परिवार और पवार कुनबा-दोनों ही एक होने जा रहे हैं। पारिवारिक बिखराव को समेटने की कोशिश तेज हो गई है। ठाकरे बंधु तो बाकायदा प्रेस कांफ्रेंस करके एक हो चुके हैं, जबकि पवार परिवार अपने गढ़ बारामती में एक होने का संकेत दे रहा है। बारामती में हाल ही में पवार परिवार ने एक आयोजन किया, जिसमें आज के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडानी के मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया था। इसे पवार कुनबे ने खूब प्रचारित किया। इस प्रचार का संदेश साफ है कि दोनों परिवार एक होने जा रहे हैं।

चाहे ठाकरे कुनबा हो या फिर पवार परिवार, अगर दोनों एक हो रहे हैं तो उसकी सिर्फ अस्तित्व की रक्षा भी नहीं है, बीजेपी रूपी चुनौती से पार पाना भी है और मुंबई महानगर पालिका, पुणे महानगर पालिका और पिंपरी चिंचवड़ महानगर पालिका पर कब्जे की चाहत भी है। मुंबई महानगर पालिका का सालाना बजट सत्तर हजार करोड़ रूपए का है। यह रकम उत्तर पूर्व के राज्यों के समूचे बजट से भी ज्यादा बैठती है। पिंपरी-चिंचवड़ महानगर पालिका के दायरे में एशिया का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र है। जाहिर है कि यहां से कर के रूप में मोटी रकम आती है। ठाकरे परिवार की एकता के पीछे एक कारण जहां बृहन्नमुंबई महानगर पालिका पर कब्जा जमाना है, वहीं पवार परिवार की एकता के पीछे पुणे महानगरपालिका और पिंपरी-चिंचवड़ महानगर पालिका पर कब्जा जमाना है। दोनों परिवारों को लगता है कि अगर वे बिखरे रहे तो उनके प्रभाव वाली महानगरपालिकाओं में उन्हें कुछ भी हाथ नहीं लगेगा। यहां यह बताना जरूरी है कि एक दौर में बीएमसी पर शिवसेना का कब्जा रहता था तो पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में पवार परिवार का। दोनों परिवारों के मिलन के पीछे की बड़ी वजह यही है।

भारतीय जनता पार्टी का इतिहास देखिए, अपने विस्तार के पहले चरण में वह अपने साथी दलों के सहयोग पर निर्भर रही। बाद के दौर में उसने खुद का प्रभाव बढ़ाया और अपने दम पर वह स्थापित होती चली गई। हरियाणा, उत्तर प्रदेश,मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात के बाद अब इसी तरह वह महाराष्ट्र में वह अपने दम पर उभर चुकी है। जबकि कुछ साल पहले तक महाराष्ट्र में एक तरह से शिवसेना के छोटे भाई की भूमिका में रहती थी। अब चाहे शिवसेना का टूटा हुआ धड़ा हो या अजित पवार वाली एनसीपी, दोनों उसके छोटे भाई की भूमिका में हैं। जिस तरह निकाय चुनावों में बीजेपी ने अपना दबदबा कायम किया है, उससे पवार परिवार की भी चिंताएं बढ़ी हैं और ठाकरे खानदान की भी। इसीलिए दोनों परिवार एक हुए हैं या होते नजर आ रहे हैं। पवार परिवार अब एक साथ पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ के चुनाव में उतरने जा रहा है तो ठाकरे परिवार मुंबई में। लेकिन यह तय है कि दोनों परिवारों के रिश्तों की मजबूती इन महापालिका चुनाव नतीजों पर निर्भर करेगी। अगर उन्हें जीत मिली तो तय है कि पारिवारिक गठबंधन आगे बढ़ेंगे, और ऐसा नहीं हुआ तो दोस्ती की नई राह तलाशने की कोशिशें फिर से तेज होंगी।

संपादकीय

नियम-कानून की कोई परवाह नहीं

नेशनल हेराल्ड मामले में वैध एफआईआर ही मौजूद नहीं है। क्या ईडी के अधिकारियों को कानून की इतनी बुनियादी जानकारी भी नहीं है? या जब मामला विपक्षी नेताओं से संबंधित हो, तो वे नियम- कानून की कोई परवाह नहीं करते? नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं को राहत मिली, मीडिया की सुर्खियों में इसी पहलू को अहमियत दी गई है। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने जो निर्णय दिया, उसका यह सिर्फ एक पक्ष है। लेकिन यह मूल बात नहीं है। कांग्रेस नेताओं को राहत इसलिए मिली, क्योंकि जज ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट का संज्ञान लेने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने संज्ञान इसलिए नहीं लिया, क्योंकि वह इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि मामले की एफआईआर ही वैध ढंग से दर्ज नहीं हुई है। हुआ यह कि एक व्यक्ति (भाजपा नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी) ने निजी तौर पर एफआरआर दर्ज कराई। उसमें कांग्रेस नेताओं पर मनी लॉन्ड्रिंग के इल्जाम लगाए गए।

ईडी ने उसी मामले में जारी समन के आधार पर केस अपने हाथ में लेकर में जांच शुरू कर दी। यानी उसने अपनी तरफ से कोई एफआईआर दर्ज नहीं किया। जज विशाल गोगने ने मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक कानून की संबंधित धाराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ईडी निजी एफआईआर के आधार पर चार्जशीट तैयार नहीं कर सकती। जज का यही वो निष्कर्ष है, जो ईडी की कार्यशैली को बेनकाब कहता है। सवाल है कि क्या ईडी के अधिकारियों को कानूनी धाराओं की इतनी बुनियादी जानकारी भी नहीं है? या जब मामला विपक्षी नेताओं से संबंधित हो, तो अपने सियासी आकाओं के इशारे पर वे नियम- कानून की कोई परवाह नहीं करते? सत्ताधारी भाजपा और उसके समर्थक नेटवर्क ने वर्षों से नेशनल हेराल्ड मामले को गांधी परिवार के कथित भ्रष्टाचार की मिसाल बता कर प्रचारित किया है। मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी से भी लंबी पूछताछ हुई। मगर अब सामने आया है कि यह सब उस मामले में हुआ, जिसमें एफआईआर ही वैध नहीं थी। सामान्य स्थितियों में कायदे का इस रूप में उल्लंघन करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाती, ताकि भविष्य में अधिकार के ऐसे दुरुपयोग को रोका जा सके। लेकिन मौजूदा माहौल में इसकी उम्मीद करना बेमतलब है। अभी तो संभावना यही है कि ऊपरी अदालत में अपील की आड़ में सारा मामला पृष्ठभूमि में डाल दिया जाएगा।

चिंतन-मनन

धर्मराज युधिष्ठिर ने निभाया था भ्रातृ धर्म

गहन वन से तृषार्त पाण्डव गुजर रहे थे। पानी की तलाश में वे इधर-उधर घूम ही रहे थे कि अकस्मात उन्हें एक सरोवर दिखाई दिया। भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव जल पीने के पूर्व ही मृत्यु का ग्रास बन गए। कारण यह था कि एक यक्ष ने उनसे प्रश्न किए थे, किंतु उन्होंने उस ओर ध्यान नहीं दिया और बिना जवाब दिए ही पानी पीने लगे। लेकिन वे यक्ष का कोपभाजन बने और उन्हें मृत्यु प्राप्त हुई। इतने में युधिष्ठिर आए और पानी पीने की कोशिश करने लगे। उनसे भी यक्ष ने प्रश्न किए, जिनके युधिष्ठर ने समुचित उत्तर दे दिए। तब यक्ष ने प्रसन्न होकर कहा, तुम जल पीने के अधिकारी हो। मेरी इच्छा है कि तुम्हारे चारों भ्राताओं में से किसी एक को जीवन दान दूं। बोलो, मैं किसे पुनर्जीवित करूं?

प्रश्न बड़ा ही विचित्र था और साथ ही कठिन भी, क्योंकि युधिष्ठिर को चारों भाई एक समान प्रिय थे, तथापि एक क्षण भी सोचे बिना वे बोले, यक्षश्रेष्ठ आप नकुल को ही जीवन दान दें। यक्ष हंस पड़ा और बोला, धर्मराज, कौरवों से युद्ध में भीम की गदा और अर्जुन का गांडीव बड़ा ही उपयोगी सिद्ध होगा। इन दो सगे भाइयों को छोड़कर नकुल का जीवन क्यों चाहते हो। धर्मराज बोले, यक्षश्रेष्ठ हम पांचों भ्राता ही माताओं के स्नेह चिह्न हैं। माता पुंती के पुत्रों से मैं शेष हूं, किंतु माद्री मां के तो दोनों ही पुत्र मर चुके हैं। अत? यदि एक के ही जीवन का प्रश्न है, तो माद्री मां के नकुल का ही पुनर्जीवन इष्ट है। यक्ष ने सुना, तो भावविह्वल हो बोला, युधिष्ठिर तुम धर्मतत्व के ज्ञाता हो, मैं तो सिर्फ तुम्हारी परीक्षा ले रहा था कि तुम वास्तव में धर्म के अवतार हो या नहीं। अतएव मैं चारों भाईयों को जीवन देता हूं।

उमर खालिद के समर्थन में उतर कर जोहरान मामदानी ने बड़ा खतरनाक खेल खेला है

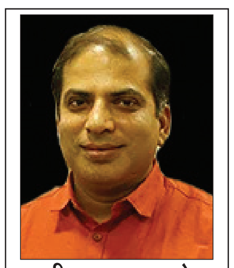

नीरज कुमार दुबे

न्यूयार्क के मेयर जोहरान मामदानी की ओर से भारत में तिहाड़ जेल में बंद उमर खालिद को भेजे गए एक पत्र ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नया विवाद खड़ा कर दिया है। हम आपको बता दें कि यह पत्र उमर खालिद के माता पिता से मुलाकात के दौरान दिया गया और इसमें मामदानी ने खालिद के विचारों की तारीफ करते हुए लिखा कि वे उनके बारे में सोच रहे हैं। उल्लेखनीय है कि उमर खालिद पर वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े गंभीर आरोपों की सुनवाई चल रही है।

इस पत्र के सामने आने के बाद भारत में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। आलोचकों का कहना है कि किसी विदेशी शहर के मेयर द्वारा भारत के एक संवेदनशील कानूनी मामले में पक्ष लेना अनुचित है। खासकर तब, जब मामला दंगों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हो। हम आपको याद दिला दें कि उमर खालिद पर गैरकानूनी गतिविधि निरोधक कानून के तहत आरोप हैं और वह न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है। ऐसे में किसी विदेशी जनप्रतिनिधि की ओर से सहानुभूति और प्रशंसा का सार्वजनिक संकेत कई सवाल खड़े करता है।

हम आपको बता दें कि मामदानी के पत्र को सिर्फ एक व्यक्तिगत संदेश नहीं माना जा रहा है बल्कि इसे एक राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। भारत और अमेरिका के संबंधों के संदर्भ में भी इस कदम को असहज माना गया है। भारत में यह तर्क उभरा है कि यदि हर देश का स्थानीय नेता दूसरे देश के न्यायिक मामलों पर टिप्पणी करने लगे तो संप्रभुता और संस्थागत सम्मान पर आंच आएगी।

देखा जाये तो जोहरान मामदानी का यह कदम साफ तौर पर भारत के आंतरिक मामलों में दखल है। सवाल सीधा है। सवाल उठता है कि न्यूयार्क के मेयर को यह अधिकार किसने दिया कि वह भारत के दंगों से जुड़े एक आरोपी की तारीफ करे और उसे नैतिक समर्थन दे। मामदानी को समझना होगा कि भारत की न्याय व्यवस्था सक्षम है, संवैधानिक है और अपने फैसले खुद लेने में समर्थ है।

उमर खालिद कोई साधारण सामाजिक कार्यकर्ता नहीं है, बल्कि उस पर दिल्ली दंगों की साजिश में शामिल होने के गंभीर आरोप हैं। ऐसे व्यक्ति को वैश्विक मंच से नैतिक समर्थन देना न केवल भारत के लिए गलत है, बल्कि यह एक खतरनाक परंपरा को जन्म देता है। इससे यह संदेश जाता है कि दंगों और हिंसा से जुड़े आरोपों को वैचारिक खोल पहनाकर महिमामंडित किया जा सकता है। यह संदेश उन तत्वों के लिए संजीवनी का काम करता है जो अराजकता और टकराव की राजनीति में विश्वास रखते हैं।

मामदानी को यह समझना चाहिए था कि भारत का आंतरिक कानून और व्यवस्था किसी विदेशी राजनेता की राय का मोहताज नहीं। यदि उन्हें मानवाधिकार की इतनी ही चिंता है, तो उन्हें अपने देश में चल रही हिंसा, नस्लीय तनाव और अपराध की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। भारत में न्याय की प्रक्रिया अदालतों के माध्यम से चलती है, न कि सोशल संदेशों और पत्रों के जरिये।

इस तरह का समर्थन सिर्फ भारत में ही नहीं, अमेरिका में भी गलत असर डाल सकता है। जब वहां के नेता दंगों के आरोपी की तारीफ करते हैं, तो यह वहां मौजूद कट्टर और हिंसक विचारधारा के लोगों का हौसला बढ़ाता है। वे इसे यह कहकर पेश कर सकते हैं कि उनके विचारों को वैश्विक मान्यता मिल रही है। यह लोकतंत्र के लिए घातक संकेत है। लोकतंत्र का अर्थ कानून का शासन है, न कि आरोपियों का महिमामंडन। यह भी याद रखना जरूरी है कि भारत और अमेरिका दोनों ही लोकतांत्रिक देश हैं। लोकतंत्र की बुनियाद एक दूसरे की संस्थाओं के सम्मान पर टिकी होती है। जब कोई विदेशी नेता भारत की न्यायिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े करता है या एक पक्ष को नैतिक ऊंचाई पर बैठाने की कोशिश करता है, तो यह आपसी विश्वास को चोट पहुंचाता है। यह न तो कूटनीतिक मयार्दा के अनुरूप है और न ही जिम्मेदार राजनीति का उदाहरण।

मामदानी का पत्र उन तमाम भारतीय नागरिकों की भावनाओं का भी अपमान है जिन्होंने दिल्ली दंगों में अपने परिजन खोए, जिनकी दुकाने जलीं और जिनका जीवन तबाह हुआ। उनके लिए दंगे कोई वैचारिक बहस नहीं, बल्कि एक कड़वी सच्चाई है। ऐसे में दंगों के मास्टरमाइंड की तारीफ करना घावों पर नमक छिड़कने जैसा है।

भारत को किसी से प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं कि वह लोकतांत्रिक है या न्यायप्रिय। यहां की अदालतें स्वतंत्र हैं और फैसले सबूतों के आधार पर होते हैं। यदि उमर खालिद निर्दोष है, तो वह अदालत से बरी होगा। यदि दोषी है, तो सजा पाएगा। इसमें किसी विदेशी मेयर के भावनात्मक पत्र की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए।

बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि जोहरान मामदानी का यह कदम गैर जिम्मेदार, दखल देने वाला और भड़काऊ है। भारत के आंतरिक मामलों में इस तरह की बयानबाजी बंद होनी चाहिए। लोकतंत्र का सम्मान तभी संभव है, जब हर देश अपनी सीमाएं पहचाने और दूसरों की न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप से बचे। यही संतुलन वैश्विक शांति और आपसी सम्मान की असली कसौटी है।

पहली महिला शिक्षक सावित्रीबाई फुले जिन्होंने की बालिका शिक्षा की शुरूआत

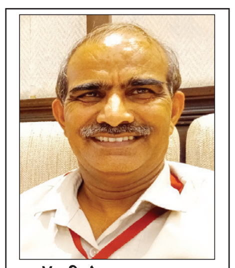

डॉ श्रीगोपाल नारसन

पहली महिला शिक्षिका और समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले ने कन्या शिशु हत्या को रोकने के लिए भी काम किया।

उनके पति ज्योतिराव, जो बाद में ज्योतिबा के नाम से जाने गए। दलित महिलाओं के उत्थान के लिए काम करने, छुआछूत के खिलाफ आवाज उठाने के कारण जब वह स्कूल जाती थीं, तो उनके विरोधी उन्हें पत्थर मारते थे। कई बार उनके ऊपर गंदगी फेंकी गई। सावित्रीबाई फुले एक साड़ी अपने थैले में लेकर चलती थीं और स्कूल पहुंच कर गंदी हुई साड़ी बदल लेती थीं। 1848 में पुणे के भिड़ेवाड़ी इलाके में अपने पति के साथ मिलकर विभिन्न जातियों की 9 छात्राओं के लिए इस विद्यालय की स्थापना की। एक वर्ष में सावित्रीबाई फुले और महात्मा ज्योतिबा फुले 5 नए विद्यालय खोलने में सफल हुए। पुणे में पहले स्कूल खोलने के बाद फूले दंपति ने 1851 में पुणे के रास्ता पेठ में लड़कियों का दूसरा स्कूल खोला और 15 मार्च 1852 में बताल पेठ में लड़कियों का तीसरा स्कूल खोला। उनकी बनाई हुई संस्था सत्यशोधन समाज ने 1876 और 1879 के अकाल में अन्न सत्र चलाया और अन्न इकटठा करके आश्रम में रहने वाले 2000 बच्चों को खाना खिलाने की व्यवस्था की।

सावित्रीबाई ने स्कूल में छात्राओं को पढ़ाने के साथ-साथ समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ भी लड़ाई लड़ी। उन्होंने 28 जनवरी 1853 को बाल हत्या प्रतिबंधक गृह की स्थापना की। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह सभा का आयोजन किया। जिसमें महिलाओं सम्बन्धी समस्याओं का समाधान किया जाता था। सन 1890 में महात्मा ज्योतिबा फुले की मृत्यु के बाद सावित्रीबाई ने उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने का प्रयास किया। प्लेग के मरीजों की देखभाल करने के दौरान सावित्रीबाई की मृत्यु 10 मार्च सन 1897 को हुई।

उनके पिता का नाम खन्दोजी नेवसे और माता का नाम लक्ष्मी था। उन्हें आधुनिक मराठी काव्य का अग्रदूत माना जाता है। उन्होंने देश के पहले किसान स्कूल की भी स्थापना की थी देश मे 19वीं सदी तक स्त्रियों के कोई अधिकार नही थे, इन अधिकारों को प्राप्त करने व अशिक्षा, छुआछूत, सतीप्रथा, बाल या विधवा-विवाह जैसी कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाकर देश की पहली महिला शिक्षिका बनी थीं महाराष्ट्र में जन्मीं सावित्री बाई फुले। जिन्होंने अपने पति समाज सुधारक ज्योति राव फुले से पढ़कर सामाजिक चेतना फैलाई और नारी जाति का मान बढ़ाया।उन्होंने अंधविश्वास और रूढ़ियों की बेड़ियां तोड़ने के लिए लंबा संघर्ष किया था। सावित्रीबाई फुले 3जनवरी सन1831 में महाराष्ट्र के सतारा जिले में स्थ?त नायगांव में पैदा हुई थीं। मात्र 9 साल की छोटी उम्र में पूना के रहने वाले ज्योति राव फुले के साथ उनकी शादी हो गई थी, विवाह के समय सावित्री बाई फुले पूरी तरह अनपढ़ थीं, जबकि उनके पति तीसरी कक्षा तक पढ़े हुए थे।वह भी पढ़ना चाहती थी, जिस दौर में वो पढ़ने का सपना देख रही थीं, तब वंचितों के साथ बहुत भेदभाव होता था, एक दिन सावित्रीबाई अंग्रेजी की किसी किताब के पन्ने पलट रही थीं, तभी उनके पिताजी ने देख लिया, वह दौड़कर आए और किताब हाथ से छीनकर घर से बाहर फेंक दी। वे बोले शिक्षा का हक केवल उच्च जाति के पुरुषों को ही है, दलित और महिलाओं को शिक्षा ग्रहण करना पाप है,ऐसा उन्होंने उस समय कहते है बताया तो उसी दिन सावित्री फेंकी गई किताब वापस लाकर प्रण कर बैठीं कि कुछ भी हो जाए वह एक न एक दिन पढ़ना जरूर सीखेंगी।ऐसा हुआ भी,अपने मजबूत इरादों के बल पर सावित्री बाई न सिर्फ पढ़ी बल्कि सावित्रीबाई फुले देश ही नही दुनिया की पहली महिला शिक्षिका भी बन गई। उन्होंने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भरसक प्रयास किये थे। उनके पति ने ही सावित्रीबाई के सपने को पूरा करने के लिए शिक्षा ग्रहण करने की इजाजत दी थी,साथ ही अक्षरज्ञान भी उन्होंने ही कराया।

शादी के बाद सावित्रीबाई पढ़ने के लिए स्कूल जाने लगीं, उनका काफी विरोध भी काफी हुआ। उन्हें रोकने के लिए लोग सावित्री बाई फुले पर पत्थर मारते थे। कूड़ा और कीचड़ फेंकते थे,लेकिन सावित्री बाई फुले ने हार नहीं मानी और पढ़ाई पूरी करके शिक्षिका बनने का स्वप्न पूरा किया।

सावित्रीबाई को महसूस हुआ कि देश में उन जैसी कितनी ही लड़कियां होंगी जो पढ़ना चाहती है। शिक्षा ग्रहण करने के लिए बालिकाओं को संघर्ष न करना पड़े, इसके लिए सावित्री बाई फुले ने सन 1848 में महाराष्ट्र के पुणे में देश का पहला बालिका स्कूल स्थापित किया। बाद में उन्होंने लड़कियों के लिए 18 स्कूलों का निर्माण कराया।इसलिए हम कह सकते है कि सावित्रीबाई फुले एक समाज सेविका ही नहीं,

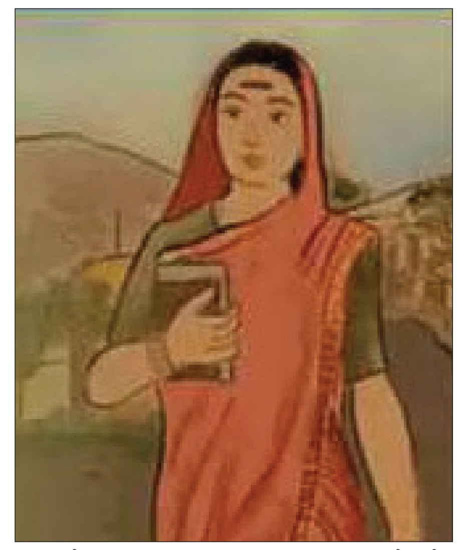

बल्कि देश दुनिया की पहली महिला शिक्षक व देश के पहले बालिका स्कूल की प्रधानाचार्य भी बन गईं थी। 66 वर्ष की उम्र में सावित्रीबाई फुले का 10 मार्च सन1897 को निधन हो गया था। सावित्रीबाई ने सन 1848 से लेकर सन1852 के बीच लड़कियों के लिए 18 स्कूल खोले थे। सावित्रीबाई ने सिर्फ शिक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि देश में मौजूद कई कुरीतियों के खिलाफ भी आवाजा उठाई।उन्होंने छुआ-छूत, बाल-विवाह, सती प्रथा और विधवा विवाह निषेध जैसी कुरीतियों का विरोध किया और इनके खिलाफ जीवनपर्यंत लड़ती रहीं।ऐसी महान नारी शक्ति के जन्मदिवस पर उन्हें शत शत नमन।

(लेखक विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के उपकुलपति व वरिष्ठ साहित्यकार है)

संक्षिप्त समाचार

वेस्ट बैंक में फलस्तीनी घरों पर चला बुलडोजर, लोग बेघर

येरूशलम, एजेंसी। वेस्ट बैंक के नूर शम्स शरणार्थी शिविर में बुधवार को फलस्तीनी अपने घरों को इस्राइली बुलडोजरों से टूटते हुए देखते रहे। यह कार्रवाई इस्राइली सेना की उस मुहिम का हिस्सा है, जो करीब एक साल से उत्तरी वेस्ट बैंक के शरणार्थी शिविरों में चल रही है। मानवाधिकार संगठनों के मुताबिक, इस अभियान के दौरान नूर शम्स, जेनिन और तुलकरम शिविरों में अब तक 850 से ज्यादा इमारतें पूरी तरह ढहाई जा चुकी हैं या बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई हैं। हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है और वे रिश्तेदारों के यहां या किराये के मकानों में रहने को मजबूर हैं। सेना ने वेस्ट बैंक के शरणार्थी शिविरों में कई घरों को गिरा दिया। बुलडोजर कार्रवाई के चलते हजारों फलस्तीनी परिवारों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। लोग इस कार्रवाई को दर्दनाक और अन्यायपूर्ण बता रहे हैं। इस्राइल का कहना है कि यह कार्रवाई हथियारबंद समूहों के खिलाफ है और सेना के रास्ते साफ करने के लिए घर तोड़े जा रहे हैं। हालांकि स्थानीय लोग इसे घरों और यादों के उजड़ने का दर्द बता रहे हैं।

भारत-ब्राजील के संबंधों में जुड़ेगा नया अध्याय फरवरी में आएंगे राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला

ब्राज़िलिया, एजेंसी। भारत के साथ आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा फरवरी के दूसरे सप्ताह में नई दिल्ली की महत्वपूर्ण यात्रा पर आ रहे। सबसे खास बात है कि लूला के साथ ब्राजील का अब तक का सबसे बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल आएगा, जो एशिया में ब्राजील की बढ़ती दिलचस्पी का स्पष्ट संकेत है। दोनों देशों ने आपसी व्यापार को 1.8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। ब्राजील के उद्योगपतियों के लिए भारत ड्रीम मार्केट बन चुका है। इस दौरे का मुख्य फोकस उर्वरक, कृषि तकनीक, दलहन, कपास और पोल्ट्री जैसे क्षेत्रों पर रहेगा। ब्राजील को भारत में न केवल एक विशाल उपभोक्ता बाजार दिखता है, बल्कि उच्च तकनीक और निवेश के नए अवसर भी नजर आ रहे हैं। व्यापार से इतर प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति लूला के बीच संस्कृति, पर्यटन और खेल जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। मर्कोसुर-भारत व्यापार समझौते के विस्तार पर भी काम चल रहा है, जो न केवल टैरिफ कम करेगा बल्कि व्यापार की अन्य बाधाओं को भी दूर करेगा। यह यात्रा दक्षिण-दक्षिण सहयोग के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हो सकती है।

अमेरिका : गलत सजा काट रहे शख्स को मिली माफी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिसिसिपी राज्य में एक व्यक्ति को उसकी सजा अवैध पाए जाने के बाद राज्यपाल ने माफी दे दी है। यह फैसला उसके भाई को इसी तरह की राहत मिलने के कुछ हफ्तों बाद आया। मॉरिस टेलर को तय कानून से कहीं ज्यादा सजा दी गई थी। राज्यपाल टेट रीव्स ने कहा कि कानून के मुताबिक यह सजा गलत थी और न्याय के हित में उसे रिहा किया जा रहा है। आदेश के अनुसार मॉरिस टेलर को पांच दिन के भीतर जेल से छोड़ा जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि अगर किसी एक व्यक्ति के साथ भी अन्याय होता है, तो यह पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है।

सीरिया : नए साल की पूर्व संध्या पर आत्मघाती हमला, एक पुलिसकर्मी की मौत

अलेप्पो, एजेंसी। सीरिया के उत्तरी शहर अलेप्पो में नए साल की पूर्व संध्या पर हुए आत्मघाती हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। सरकारी मीडिया के अनुसार, आंतरिक सुरक्षा बलों की एक टीम बाब अल-फराज इलाके में संदिग्ध को पकड़ने की कोशिश कर रही थी, तभी उसने खुद को विस्फोट से उड़ा लिया। अलेप्पो के गवर्नर ने बताया कि पुलिसकर्मी नए साल के जश्न की सुरक्षा में तैनात थे। एक अधिकारी ने हमलावर को रोकने की कोशिश की, लेकिन उसी दौरान विस्फोट हो गया। अधिकारियों ने कहा कि हालात काबू में हैं। आशंका जताई जा रही है कि हमलावर एक ईसाई बहुल इलाके में घुसने की कोशिश कर रहा था।

थाईलैंड ने 18 कंबोडियाई युद्धबंदियों को किया रिहा

बैंकाक, एजेंसी। थाईलैंड ने बुधवार को कंबोडिया के 18 युद्धबंदियों को रिहा कर दिया। यह कदम दोनों देशों के बीच सीमा पर जारी खूनी संघर्ष को खत्म करने के लिए हुए संघर्ष विराम समझौते के तहत उठाया गया है। इन सैनिकों को चंतबुरी और पैलिन प्रांत के बीच स्थित सीमा चौकी पर रिहा किया गया। थाई विदेश मंत्रालय ने इसे विश्वास बहाली और मानवीय सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बताया है। वहीं, कंबोडिया ने कहा कि इस कदम से शांति और स्थिरता का माहौल बनेगा।

भारतवंशी जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम मेयर बने

कुरान पर हाथ रखकर शपथ ली, न्यूयॉर्क के इतिहास में ऐसा पहली बार

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारतीय मूल के जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम मेयर बन गए हैं। उन्होंने गुरुवार को कुरान पर हाथ रखकर पद की शपथ ली। अब तक न्यूयॉर्क सिटी के अधिकतर मेयर बाइबिल पर हाथ रखकर शपथ लेते रहे हैं। हालांकि संविधान के तहत शपथ के लिए किसी धार्मिक ग्रंथ का इस्तेमाल अनिवार्य नहीं है। 34 साल के डेमोक्रेट ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम, पहले दक्षिण एशियाई और पहले अफ्रीका में जन्मे मेयर हैं।

ममदानी ने न्यूयॉर्क के सिटी हॉल के नीचे स्थित एक बंद पड़े सबवे स्टेशन में शपथ ली। यह एक प्राइवेट समारोह था, जिसमें ममदानी का परिवार शामिल हुआ। इसके बाद दोपहर में एक सार्वजनिक शपथ ग्रहण समारोह होगा। ममदानी ने दो कुरानों पर हाथ रख कर शपथ ली। इनमें एक उनके दादा की कुरान और दूसरी जेब में रखी जाने वाली छोटी कुरान थी। कहा जा रहा है कि पॉकेट साइज कुरान 18वीं सदी के अंत या 19वीं सदी की की है। यह कुरान न्यूयॉर्क पब्लिक लाइब्रेरी के शॉम्बर्ग सेंटर फॉर रिसर्च इन ब्लैक कल्चर के संग्रह का हिस्सा है।

दूसरी बार शपथ में अपने दादा-दादी की कुरान का इस्तेमाल करेंगे : दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में ममदानी अपने दादा और दादी, दोनों की कुरानों का इस्तेमाल करेंगे। इन कुरानों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। शपथ ग्रहण के लिए कुरान का चयन ममदानी की पत्नी रमा दुवाजी ने किया है। इस काम में उनकी मदद करने वाली एक स्कॉलर के अनुसार, शपथ के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ये कुरान शहर की बड़ी और लंबे समय से मौजूद मुस्लिम आबादी को दर्शाता है।

बता दें कि चुनाव अभियान के दौरान ममदानी ने महंगाई को प्रमुख मुद्दा बनाया था। साथ ही उन्होंने अपने धार्मिक विश्वास भी खुलकर सामने रखे। उन्होंने शहर के मस्जिदों का दौरा किया और पहली बार मतदान करने वाले कई दक्षिण एशियाई और मुस्लिम मतदाताओं का समर्थन हासिल किया।

शपथ में इस्तेमाल होने वाली कुरान का इतिहास : शॉम्बर्ग सेंटर में मौजूद पॉकेट साइज कुरान अश्वेत प्यूर्टो रिकन इतिहासकार आर्तुरो शॉम्बर्ग के संग्रह का हिस्सा थी। यह स्पष्ट नहीं है कि यह कुरान ममदानी के पास कैसे पहुंची, लेकिन स्कॉलर्स का मानना है कि यह अमेरिका और अफ्रीका में इस्लाम और अश्वेत संस्कृतियों के ऐतिहासिक संबंधों में उनकी रुचि को दर्शाती है। यह कुरान सादे डिजाइन की है। कुरान पर गहरे लाल रंग की जिल्द लगी है और फूलों की आकृति बनी है। अंदर काले-लाल स्याही में लिखा गया है। इससे पता चलता है कि इसे सिर्फ प्रदर्शनी के लिए नहीं, बल्कि रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए बनाया गया था। चूंकि कुरान पर तारीख या लेखक का नाम नहीं है, इसलिए इसकी उम्र का अनुमान इसके लेखन और जिल्द के आधार पर लगाया गया। माना जाता है कि यह उस्मानी दौर में, 18वीं सदी के अंत या 19वीं सदी की शुरुआत में तैयार हुई, उस क्षेत्र में जो आज के सीरिया, लेबनान, इजराइल, फिलिस्तीनी इलाके और जॉर्डन में शामिल है। न्यूयॉर्क पब्लिक लाइब्रेरी की क्यूरेटर हिबा आबिद के अनुसार, इस कुरान की न्यूयॉर्क तक की यात्रा ममदानी के बैकग्राउंड से मेल खाती है। ममदानी भारतीय मूल के न्यूयॉर्कवासी हैं, जिनका जन्म युगांडा में हुआ, जबकि उनकी पत्नी अमेरिकी-सीरियाई हैं।

4 नवंबर 2025: ममदानी ने न्यूयॉर्क मेयर चुनाव जीतकर इतिहास रचा : ममदानी ने 4 नवंबर को न्यूयॉर्क शहर के मेयर का चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया था। ममदानी पिछले 100 सालों में न्यूयॉर्क के सबसे युवा, पहले भारतवंशी और पहले मुस्लिम मेयर हैं। ममदानी मानसून वेडिंग और सलाम बॉम्बे जैसी फिल्में डायरेक्ट करने वाली भारतीय मूल की मीरा नायर के बेटे हैं। अपनी विक्ट्री स्पीच में उन्होंने जवाहरलाल नेहरू के 15 अगस्त, 1947 की आधी रात को दिए गए 'ट्रिस्ट विद डेस्टिनी' का जिक्र किया था।

वॉरेन बफेट रिटायर: 60 साल बाद एक युग का अंत

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के सबसे सफल एवं ताकतवर निवेशकों में शुमार और मार्केट गुरु वॉरेफ बफेट ने 60 साल बाद अपनी कंपनी बर्कशायर हैथवे के सीईओ पद से हटने की घोषणा कर चौंका दिया।?बुधवार बतौर बर्कशायर हैथवे सीईओ उनका आखिर दिन था। ओरेकल ऑफ ओमाहा के नाम से विख्यात 95 वर्षीय बफेट के रिटायर होने के साथ?ही अमेरिकी पूंजीवाद को खड़ा करने वाले एक ऐतिहासिक युग का अंत हो गया।

दिलचस्प बात यह है कि अमीरों की सूची में लंबे समय तक शीर्ष में बने रहने वाले बफेट ने कोई भी बड़ा उद्योग खड़ा नहीं किया, बल्कि अपनी परख के दम पर सिर्फ कंपनियों में निवेश कर दुनिया में बड़ा मुकाम हासिल किया। आज बर्कशायर हैथवे के पास सैकड़ों कंपनियां हैं। इनमें इंश्योरेंस कंपनी गीको, बैटरी बनाने वाली कंपनी ड्यूरासेल और रेस्टोरेंट चेन डेयरी क्वीन शामिल हैं।

कभी पैसा न खोएं: इसका अर्थ है जोखिम प्रबंधन। निवेश करने से पहले यह देखें कि नीचे गिरने की आशंका कितनी है।?अगर मूलधन सुरक्षित है, तो मुनाफा अपने आप आएगा।

सर्कल ऑफ कॉम्पिटेंस में रहें: बफेट कहते हैं कि आपको हर चीज का विशेषज्ञ होने की जरूरत नहीं है। बस यह पता होना चाहिए कि आप क्या जानते हैं और क्या नहीं। उन्हीं व्यवसायों में निवेश करें, जिन्हें

आप समझते हैं।

लंबी अवधि के लिए निवेश करें: बफेट मानते हैं कि अगर आप किसी स्टॉक को 10 साल तक रखने को तैयार नहीं हैं, तो उसे 10 मिनट के लिए भी न खरीदें। कंपाउंडिंग की ताकत पर भरोसा करें। धन धीरे-धीरे बढ़ता है, रातों-रात नहीं।

वैल्यू और प्राइस का अंतर समझें: वैल्यू इन्वेस्टिंग के जनक के मुताबिक, प्राइस वह राशि है, जो आप चुकाते हैं। वैल्यू वह गुणवत्ता या फायदा है, जो आपको मिलता है।

अब ग्रेग संभालेंगे 36 लाख करोड़ की तिजोरी : ग्रेग एबल नए साल की शुरुआत यानी गुरुवार से बर्कशायर हैथवे के विशाल साम्राज्य को संभालेंगे। 62 साल के एबल पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और पिछले कई दशकों से बर्कशायर के बैकस्टेज हीरो रहे हैं। बफेट उन्हें अपनी ऊर्जा मशीन कहते हैं। 1.09 लाख करोड़ डॉलर के नेटवर्थ वाली कंपनी बर्कशायर के तिजोरी में इस वक्त करीब 400 अरब डॉलर (करीब 35.9 लाख करोड़ रुपये) की भारी-भरकम नकदी पड़ी है। मुसीबत यह है कि जब तक ब्याज दरें ज्यादा थीं।

बीएनपी ने लगाया बड़ा इल्जाम, कहा- शेख हसीना की वजह से गई खालिदा जिया की जान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के निधन के बाद अब उनकी पार्टी BNP ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर बहुत बड़ा इल्जाम लगा दिया है। बीएनपी ने बुधवार को आरोप लगाते हुए कहा है कि शेख हसीना को पार्टी चेयरपर्सन बेगम खालिदा जिया की मौत की जिम्मेदारी से मुक्त नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि लंबी बीमारी के बाद 80 वर्षीय खालिदा जिया का मंगलवार को निधन हो गया था। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक बीएनपी स्थायी समिति के सदस्य नजरुल इस्लाम खान ने जातीय संसद भवन के साउथ प्लाजा में खालिदा जिया के अंतिम संस्कार से पहले उन्हें याद करते हुए शेख हसीना पर इस तरह के आरोप लगाए। नजरुल लंबे समय से खालिदा जिया के राजनीतिक सहयोगी रहे थे।

अंतिम संस्कार से पहले उन्होंने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस, बांग्लादेशी सशस्त्र बलों के प्रमुख और कई राजनीतिक दलों के नेता के सामने पार्टी की ओर से एक लिखित बयान पढ़ा। इस बयान में नजरुल इस्लाम खान ने कहा कि खालिदा जिया को 8 फरवरी, 2018 से दो साल से ज्यादा समय तक एक झूठे मामले में जेल में रखा गया था और इस दौरान सही इलाज ना मिलने के कारण उनकी सेहत बहुत ज्यादा खराब हो गई। उन्होंने कहा, 'पूरे देश ने देखा कि जो नेता खुद चलकर जेल गई थीं, वह एकांत कारावास से गंभीर रूप से बीमार होकर निकलीं।' नजरुल ने आगे कहा कि डॉक्टरों ने बताया कि अगले चार सालों की नजरबंदी के दौरान उनकी हालत और खराब हो गई क्योंकि उन्हें विदेश में इलाज कराने की इजाजत नहीं दी गई। उन्होंने कहा, 'इसका नतीजा तब हुआ कि इस महान नेता की आखिरकार मौत हो गई। इसलिए, फासीवादी हसीना को इस मौत की ज़िम्मेदारी से कभी भी मुक्त नहीं किया जा सकता। इससे पहले बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और तीन दशकों से अधिक समय तक देश की राजनीति में एक प्रभावशाली व्यक्तित्व रहीं बेगम खालिदा जिया का बुधवार को अंतिम संस्कार किया गया। जिया का जन्म 1945 में भारत के वर्तमान पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में हुआ था।

चुनाव से पहले बीएनपी के सामने जमात की पेशकश, जनमत सर्वेक्षण में दोनों दल करेंगे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में किसी वक्त प्रतिबंध का शिकार रह चुकी इस्लामी पार्टी जमात-ए-इस्लामी इस बार फरवरी में हो रहे चुनावों में देश की प्रमुख राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी बनने जा रही है। जनमत सर्वेक्षणों से पता चलता है कि जमात-ए-इस्लामी लगभग 17 वर्षों में पहली बार चुनाव लड़ रही है और इस चुनाव में वह बीएनपी के बाद दूसरे स्थान पर रहेगी। जमात का कहना है कि फरवरी में चुनाव के बाद पार्टी मिलीजुली सरकार के लिए तैयार है। सर्वेक्षणों के मुताबिक फरवरी में होने वाले चुनावों में बीएनपी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। वहीं दूसरे स्थान पर रहने वाली जमात के प्रमुख शफीकुर रहमान ने कई दलों से बात कर मिलीजुली सरकार का बयान दिया है। यह 17 करोड़ की आबादी वाले

मुस्लिम बहुल देश में राजनीतिक वापसी का प्रतीक है। जमात ने 2001 से 2006 के बीच बीएनपी के साथ गठबंधन सहयोगी के रूप में सत्ता संभाली थी। शफीकुर ने कहा, हम पांच वर्षों के लिए एक स्थिर राष्ट्र देखना चाहते हैं।

इस्लामी शासन की पैरोकारी को छोड़ा : जमात शरिया कानून के तहत इस्लामी शासन की वकालत करती है, लेकिन उसने अपने रूढ़िवादी आधार से परे हटकर यह पैरोकारी छोड़ दी है। पार्टी द्वारा अपनी अपील को व्यापक बनाने के तहत शफीकुर रहमान ने कहा, भ्रष्टाचार विरोधी अभियान किसी भी एकता सरकार का साझा एजेंडा होना चाहिए। वह बोले, पीएम उस पार्टी से होगा जिसे सर्वाधिक सीटें मिलेंगी। यदि जमात को सबसे अधिक सीटें मिलीं, तो पार्टी तय करेगी कि प्रधानमंत्री स्वयं उम्मीदवार होंगे या नहीं।

2013 से जमात पर लगा प्रतिबंध : अपदस्थ पीएम शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी अब चुनाव से प्रतिबंधित है। हसीना कार्यकाल में जमात पर 1971 के पाकिस्तानी स्वतंत्रता संघर्ष में युद्ध अपराधों के लिए कई नेताओं को मौत की सजा सुनाई गई। युद्ध का जमात ने विरोध किया था। 2013 से जमात पर चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया, लेकिन यूनुस सरकार ने अगस्त 2024 में पार्टी पर लगे सभी प्रतिबंध हटा दिए। रहमान ने कहा कि ढाका से भागने के बाद हसीना का भारत में रहना चिंता का विषय है, क्योंकि उनके पतन के बाद से दोनों देशों के संबंध दशकों में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। लेकिन शफीकुर रहमान ने कई अंतरविरोधों के बावजूद इस साल की शुरुआत में एक भारतीय राजनयिक से मुलाकात की। उन्होंने कहा, हमें सभी के प्रति और एक-दूसरे के प्रति खुला होना चाहिए।

कनाडा में उड़ान भरने से पहले एअर इंडिया के पायलट ने पी शराब, हिरासत में लिया गया; दिल्ली आनी थी फ्लाइट

वैंकूवर, एजेंसी। कनाडा के वैंकूवर एयरपोर्ट पर एअर इंडिया के एक पायलट को नशे की हालत में हिरासत में लिया गया। 23 दिसंबर, 2025 को वैंकूवर-दिल्ली (वियना होते हुए) उड़ान भरने वाले एयर इंडिया के एक पायलट को जश्न मनाना भारी पड़ गया। पायलट को मुंह से शराब की गंध आने के बाद हिरासत में लिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैंकूवर के एक ड्यूटी फ्री स्टोर की कर्मचारी ने पायलट को त्योहार के मौके पर दी जा रही शराब पीते हुए देखा। दावा किया गया है कि शराब की बोतल खरीदते समय पायलट के मुंह से शराब की गंध आई थी। कर्मचारी ने पायलट की सूचना कनाडाई अधिकारियों को दी।

वियना में फ्लाइट में सवार हुई नई पायलट की टीम : कनाडाई अधिकारियों ने पायलट का ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट किया, जिसमें वे फेल हो गए। इसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। एअर इंडिया ने तुरंत एक वैकल्पिक पायलट की व्यवस्था की। चार पायलटों या दो टीमों वाली ये उड़ान दो घंटे की देरी से रवाना हुई। विमान के वियना में उतरने के बाद यहां से चालक दल की एक अन्य टीम ने दिल्ली के लिए उड़ान भरी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि इस मामले में एअर इंडिया ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने बताया, 'पायलट को कुछ दिनों बाद दिल्ली लाया गया और उससे पूछताछ की जा रही है। इस मामले की जानकारी नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को दी गई है, जो इसकी जांच कर रहा है।' कुछ सूत्रों का कहना है कि पायलट ने हवाई अड्डे पर अनजाने में शराब पी ली थी और ड्यूटी फ्री शॉप के एक कर्मचारी ने उसे ऐसा करते हुए देखा था। वहीं अन्य का कहना है कि बोतल खरीदते समय उससे शराब की गंध आ रही थी। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि असल में क्या हुआ था। कर्मचारी ने मामले की सूचना कनाडाई अधिकारियों को दी, जिन्होंने सीसीटीवी फुटेज का इस्तेमाल करके पता लगाया कि संबंधित पायलट को उड़ान भरनी थी।

जिनपिंग ने नए साल पर कहा- ताइवान पर कब्जा होकर रहेगा; ताइपे ने संप्रभुता की रक्षा का संकल्प दोहराया

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नए साल की पूर्व संध्या पर देश को संबोधित किया। इस दौरान शी जिनपिंग ने ताइवान पर कब्जे का संकल्प दोहराया। साथ ही जिनपिंग ने तकनीक के मामले में आत्मनिर्भर बनने की बात कही, जिसमें एआई और सेमीकंडक्टर जैसी तकनीकों में विकास करने की बात भी कही।

नए साल के संबोधन में बोले जिनपिंग- ताइवान के लोगों के साथ हमारे खून के संबंध अपने संबोधन में शी जिनपिंग ने तकनीक के मामले में देश के विकास को सराहा, जिनमें खासकर सैन्य तकनीक और अंतरिक्ष के क्षेत्र में देश की उपलब्धियों की जमकर तारीफ की। शी ने पिछले पांच वर्षों में देश की आर्थिक तरक्की में योगदान देने के लिए चीनी लोगों को धन्यवाद दिया और कहा, 'हमने नवाचार के जरिए उच्च गुणवत्ता विकास को बढ़ावा देने की कोशिश की।'

शी जिनपिंग ने नए साल के संबोधन में ताइवान पर कब्जे की बात दोहाई। ताइवान एक स्व-शासित लोकतंत्र है, जिसे चीन अपना हिस्सा बताता है। शी जिनपिंग ने ताइवान पर कब्जे के बीजिंग के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा, 'ताइवान जलडमरूमध्य के दोनों किनारों पर हम चीनी खून और संबंधों का बंधन साझा करते हैं। हमारी मातृभूमि का एकीकरण रोका नहीं जा सकता और यह समय की मांग भी है।' गौरतलब है कि चीन ने इस हफ्ते ही ताइवान की सीमा के आसपास दो दिनों तक सैन्य अभ्यास किया और नौसैन्य जहाज भी भेजे। चीन का यह कदम ऐसे समय सामने आया, जब अमेरिका, ताइवान को बड़े पैमाने पर हथियारों

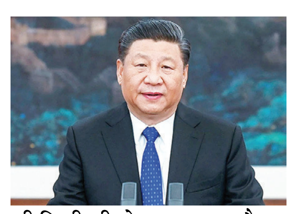

की बिक्री की योजना बना रहा है।

ताइवान के राष्ट्रपति ने कही संप्रभुता की रक्षा की बात : वहीं ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने गुरुवार को अपने नए साल के भाषण में चीन की विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं का विरोध किया और ताइवान की आत्मरक्षा को मजबूत करने का वादा किया। लाई ने अपने नए साल के संबोधन में कहा, 'चीन की बढ़ती विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं के सामने, अंतरराष्ट्रीय समुदाय यह देख रहा है कि क्या ताइवानी लोगों में खुद की रक्षा करने का संकल्प है।' उन्होंने आगे कहा, 'राष्ट्रपति के तौर पर, मेरा रुख हमेशा स्पष्ट रहा है कि राष्ट्रीय संप्रभुता की दृढ़ता से रक्षा करना, राष्ट्रीय रक्षा को मजबूत करना, और एक प्रभावी लोकतांत्रिक तंत्र का निर्माण करना चाहिए। ताइवान ने पिछले साल हथियारों की खरीद के लिए 40 अरब डॉलर का विशेष बजट घोषित किया था, जिसमें ताइवान डोम नामक वायु रक्षा प्रणाली का निर्माण भी शामिल है। यह बजट आठ वर्षों में, 2026 से 2033 तक आवंटित किया जाएगा। ताइवान के राष्ट्रपति ने चीन के आक्रमण की धमकियों के बीच अपने देश के सकल घरेलू उत्पाद का 5 प्रतिशत तक रक्षा खर्च बढ़ाने का वादा किया है। लाई ने कहा, 'चीन की गंभीर सैन्य महत्वाकांक्षाओं का सामना करते हुए, ताइवान के पास इंतजार करने का समय नहीं है।

हत्या के आरोपी का दूसरा वीडियो- उस्मान हादी को 5 लाख टका दिए थे, मैं भारत नहीं भागा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में कट्टर भारत-विरोधी नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के मामले में मुख्य संदिग्ध बताए जा रहे फैसल करीम मसूद ने 24 घंटे के भीतर दूसरा सेल्फ-रिकॉर्डेड वीडियो जारी कर अपनी बेगुनाही दोहराई है। वीडियो में मसूद ने दावा किया कि वह इस समय दुबई में है और हत्या से उसका कोई लेना-देना नहीं है।

यह वीडियो बांग्लादेशी पत्रकार सलाह उद्दीन शोएब चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर शेयर किया। इसमें फैसल करीम मसूद ने ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के उस आरोप को सिरे से खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि हत्या के बाद वह हलुआघाट सीमा के रास्ते भारत फरार हो गया। मसूद ने कहा कि उसने कभी भारत में प्रवेश नहीं किया और पुलिस का दावा पूरी तरह गलत है।

मसूद के अनुसार, उसकी पहचान शरीफ उस्मान हादी से सरकारी और आईटी से जुड़े ठेके हासिल करने के सिलसिले में हुई थी। उसने दावा किया कि मुहम्मद यूनुस के सरकारी हलकों में पैरवी के लिए उसने हादी को पांच लाख टका दिए थे। मसूद का कहना है कि यह रकम केवल लॉबिंग के लिए दी गई थी, न कि किसी गैरकानूनी उद्देश्य से।

मसूद ने वीडियो में कहा- मैंने उनसे नौकरी और कॉन्ट्रैक्ट दिलाने में मदद के लिए बात की थी। उन्होंने भरोसा दिलाया और इसके बदले पांच लाख टका मांगे, जो मैंने दिए। उसने यह भी दावा किया कि बाद में दोनों के बीच राजनीतिक गतिविधियों से जुड़ा संपर्क बढ़ा और हादी ने उससे अंतरिम सरकार से जुड़े कार्यक्रमों के लिए स्वयंसेवक जुटाने में सहयोग मांगा। मसूद के मुताबिक, उनके बीच किसी तरह का विवाद नहीं था।

यह दूसरा वीडियो ऐसे समय सामने आया है जब इससे पहले जारी अपने पहले

संदेश में फैसल करीम मसूद ने आरोप लगाया था कि शरीफ उस्मान हादी की हत्या जमात शिबिर से जुड़े लोगों ने की और जमातियों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। उसने कहा- मैंने हादी की हत्या नहीं की है। मुझे और मेरे परिवार को झूठे मामले में फंसाया जा रहा है।

गौरतलब है कि शरीफ उस्मान हादी जुलाई 2024 के बांग्लादेश छात्र आंदोलन का एक प्रमुख चेहरा थे और छात्र संगठन इंकलाब मंच के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने फरवरी 12 को होने वाले आम चुनावों के लिए ढाका के बिजयनगर क्षेत्र से उम्मीदवार के तौर पर भी अपनी मुहिम शुरू की थी।

शरीफ उस्मान हादी पर ढाका में एक मस्जिद से निकलते समय नकाबपोश हमलावरों ने गोलीबारी की थी। गंभीर रूप से घायल हादी को इलाज के लिए सिंगापुर ले जाया गया, जहां 18 दिसंबर को उनकी मौत हो गई। उनकी हत्या के बाद बांग्लादेश में व्यापक हिंसा और अशांति फैल गई थी। कई इलाकों में विरोध-प्रदर्शन हुए, भारतीय उच्चायोग की इमारत पर हमला किया गया और देश के प्रमुख मीडिया संस्थानों प्रथम आलो और द डेली स्टार के दफ्तरों में आगजनी की घटनाएं सामने आईं। फिलहाल इस मामले की जांच जारी है और बांग्लादेशी सुरक्षा एजेंसियां फैसल करीम मसूद के दावों की जांच कर रही हैं।

जानकारी

कहीं आपके वजन बढ़ने का ये कारण तो नहीं

रिसर्च में सामने आई चौंकाने वाली वजह

वजन बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं। कई बार लोगों के खाने-पीने की आदत, उनकी लाइफस्टाइल यहां तक कि उनके सोने के तरीके भी वजन बढ़ने के कारण हो सकते हैं, लेकिन हाल ही में एक स्टडी सामने आई है जिसने बताया है कि वजन बढ़ने का एक छुपा हुआ कारण और हो सकता है जो आपके स्वास्थ्य पर काफी असर डालता है। ये मेटाबॉलिज्म से लेकर आपके घर के वातावरण तक पर निर्भर करता है।

ये बात जगजाहिर है कि पॉल्यूशन वाली हवा हमारे फेफड़ों और दिल पर असर करती है। ज्यादा लंबे समय तक प्रदूषण का असर अगर हमारे आस-पास के वातावरण में पड़ता है तो स्वास्थ्य से जुड़ी कई बड़ी समस्याएं हो जाती हैं। जैसे किडनी की समस्या, अस्थमा, आंखों की समस्या, श्वास संबंधित रोग आदि। इतना ही नहीं प्रदूषण से हमारे शरीर में मौजूद कैंसर सेल भी एक्टिव हो सकते हैं। ऐसे में अगर मैं आपको कहूं कि यही प्रदूषण आपको मोटा भी बना रहा है तो? मोटापे का कारण प्रदूषण भी हो सकता है और हाल ही में हुई एक रिसर्च इसके बारे में बता रही है।

क्या कहती है रिसर्च

- एक स्टडी पब्लिश की गई है। ये बता रही है कि वायु प्रदूषण का असर हमारे वजन पर पड़ता है। वैज्ञानिकों ने चूहों पर ये रिसर्च की और इसमें कुछ चौंकाने वाले नतीजे सामने आए हैं।
- कुछ रिसर्च प्रेग्नेंट चूहों और उनके बच्चों पर भी की गई। ऐसे चूहों को पॉल्यूशन वाली जगह पर रखा गया और साथ ही साथ कुछ चूहों को साफ जगह पर रखा गया। 19 दिनों तक उन्हें ऐसी जगह रखने के बाद ये नतीजे सामने आए।
- जिन चूहों को प्रदूषण वाली जगह रखा गया था उनके लंग्स सूजे हुए थे
- उनका कोलेस्ट्रॉल 50 प्रतीशत बढ़ जाता है
- उनका इंसुलिन लेवल भी बढ़ा हुआ था।

इसके अलावा, जिन चूहों को प्रदूषण वाली जगह रखा गया था उनका वजन 8 हफ्तों बाद बढ़ गया था। ये समस्या सभी उम्र के चूहों में सामने आई। साथ ही जिन्हें साफ हवा में रखा गया था उनके साथ ऐसी कोई समस्या नहीं आई। दोनों तरह के चूहों को एक जैसा खाना ही दिया गया था और इसलिए ये निष्कर्ष निकला कि प्रदूषण से स्किन को नुकसान, लंग्स को नुकसान, बालों को नुकसान ही नहीं बल्कि हमारे मेटाबॉलिज्म को नुकसान भी होता है और ये वजन बढ़ने का कारण बन सकता है।

इसका नतीजा ये भी रहा है कि लंग्स में सूजन के कारण उनका वजन बढ़ने लगा है। यही कारण है कि ज्यादा लंबे समय तक अगर लोग प्रदूषण में रहते हैं तो उनके स्वास्थ्य के साथ-साथ उनके वजन पर भी असर पड़ता है। तो अब आप समझ गईं कि डायटिंग करने के बाद भी अगर आपका वजन कम नहीं हो रहा है तो उसका एक कारण ये भी हो सकता है।

पहली बार स्पा जाने या बॉडी मसाज करवाने से पहले जान लें ये बातें

बॉडी मसाज या बॉडी स्पा को लेकर लोगों की अलग-अलग घारणा होती है। कई बार लोग सिर्फ इसलिए नहीं जाते, क्योंकि उन्हें ये नहीं पता होता कि मसाज में आखिर होता क्या है। पर बॉडी मसाज और स्पा आपके शरीर के लिए काफी लाभकारी साबित हो सकता है। अगर बहुत ज्यादा स्ट्रेस हो या फिर आपको लग रहा हो कि शरीर में कहीं दर्द है तो ऐसे में बॉडी मसाज काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। स्पा ट्रीटमेंट से भी शरीर के टिशू में फर्क पड़ सकता है और ये आपको रिलैक्स कर देगा। आप स्पा के साथ स्टीम बाथ, थर्मल स्पा आदि ले सकती हैं और बॉडी मसाज में तो सिर्फ शरीर की मसाज ही होगी। पर अगर आप पहली बार ये करवाने जा रही हैं तो कुछ चीजों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। ये टिप्स आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकती हैं।

कपड़ों का रखें ध्यान

मसाज करवाने से पहले अपने कपड़ों का ध्यान रखें। ऐसे कपड़े न पहनें जिनमें तेल का दाग लगने का खतरा हो क्योंकि इसके बाद आपके शरीर में काफी ऑयल आएगा। वैसे तो मसाज के वक्त डिस्पोजेबल पैंटी वगैराह आपको दी जाती है, लेकिन फिर भी अगर आपको लगता है कि आपको अपने ही अंडरगार्मेंट्स में मसाज करवाना है तो थोड़ा ढीला पहनिए। अंडरगार्मेंट्स का खयाल रखना बहुत जरूरी है क्योंकि हो सकता है कि मसाज के बाद ज्यादा टाइट अंडरगार्मेंट्स से आपको तकलीफ हो जाए। मसाज के बाद कई लोगों का शरीर थोड़ा सूझ भी जाता है और लाला हो जाता है क्योंकि स्किन पर प्रेशर पड़ता है इसलिए आपको ध्यान रखना चाहिए कि कपड़े ज्यादा टाइट न हों।

मसाज के पहले खाना न खाएं

ये बहुत ही बेसिक टिप है, लेकिन अक्सर लोग इसे नजरअंदाज कर जाते हैं। मसाज के कारण पूरे शरीर पर प्रेशर पड़ता है और अगर आपने 1 घंटे पहले काफी भारी खाना खाया है तो आपके शरीर से गैस निकल सकती है या फिर आपको अपच हो सकती है। इसी के साथ, अगर ज्यादा प्रेशर वाली थेरेपी वाली मसाज करवा रही हैं तो हो सकता है कि मसाज करवाते समय ही उल्टी आ जाए। मसाज के कम से कम दो-ढाई घंटे पहले से ही कोई बहुत ज्यादा भारी खाना न खाएं। इसके अलावा, ये भी ध्यान रखें कि मसाज के पहले पानी का सेवन कम करें। मसाज के फायदे बहुत हैं, लेकिन इसके लिए पेट का थोड़ा खाली रहना भी जरूरी है।

मसाज के पहले नहा लें

वैसे तो लोग अक्सर स्पा या मसाज के बाद नहाते हैं, लेकिन आपको पहले नहाना चाहिए। अगर आपके पास नहाने का समय नहीं है तो आप खुद को वाइप्स से साफ कर सकते हैं। इससे होगा ये कि पसीने और गंदगी के कारण आपके शरीर में तेल का असर कम नहीं होगा और आपका स्पा ट्रीटमेंट या फिर बॉडी मसाज अच्छे से हो पाएगा। हां, ऐसा कर सकती हैं कि मसाज लेने के थोड़ी देर बाद तक न नहाएं और थेरेपी वाला तेल शरीर में ऑब्जर्ब होने दें।

किस तरह की मसाज चाहिए ये सुनिश्चित करें

ऐसा नहीं है कि कोई भी स्पा या कोई भी बॉडी मसाज ले ली जाए तो समस्या ठीक हो जाती है। पर गलत मसाज से हो सकता है कि तकलीफ हो जाए। अगर आपको ये नहीं समझ आ रहा कि किस तरह की मसाज की जाए तो आप स्पा वालों से बात कर सकती हैं। किस तरह का तेल इस्तेमाल किया जाए। किस तरह का प्रेशर शरीर पर डाला जाए। किस तरह शरीर के लिए आरामदायक स्थिति रखी जाए ये सब कुछ निर्भर करता है इस बात पर कि आपने कौन सा मसाज करवाया है। हमेशा ये ध्यान रखें कि अगर स्पा करवा रही हैं तो कोई एक्सपर्ट हो जिसके पास लाइसेंस हो। हमेशा किसी अच्छी जगह से ही स्पा करवाना चाहिए।

अपनी एलर्जी के बारे में बताएं

अक्सर लोगों से ये गलती हो जाती है कि वो अपनी एलर्जी या अपनी समस्या के बारे में नहीं बताते हैं। कई लोगों की सेंसिटिव स्किन होती है तो उन्हें कोई हार्ड लोशन या बॉडी मॉइश्चराइजर से भी दिक्कत हो सकती है। कुछ लोगों को कुछ खास तरह के तेल से दिक्कत होती है। ऐसे में आपको मसाज करवाने से पहली अपनी एलर्जी के बारे में पहले से बताना चाहिए। अगर आपने अपने थेरेपिस्ट को नहीं बताया है तो हो सकता है कि इसके बाद कोई दिक्कत हो जाए या स्किन में जलन आदि लगे। या फिर सूजन ज्यादा बढ़ जाए। ऐसा करने से पहले ध्यान दें।

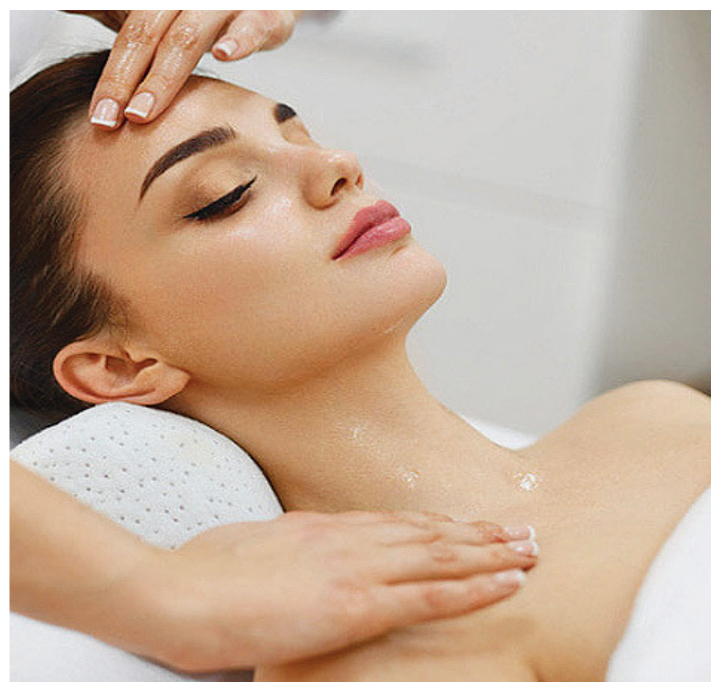

सेहत

अनार के बीज' से बने Lip Mask से पाएं गुलाबी होंठ

सर्दियों का मौसम वैसे तो बेहद लुभावना होता है। मगर, इस मौसम में त्वचा में रूखापन आ जाता है और त्वचा फटने लगती है। वैसे तो इस मौसम में शरीर की हर भाग की त्वचा रूखी हो जाती हैं मगर, सब से ज्यादा ड्रायनेस होंठों पर आती है। इस मौसम पर यदि होठों का ध्यान न रखा जाए और उनकी केयर ठीक से न की जाए तो होंठ ड्राय होकर फटने लगते हैं। ऐसे में बाजार में बहुत सारे प्रोडक्ट्स आते हैं जो होंठों की मुलायमियत को बनाए रखते हैं। मगर, यह टेम्प्रेरी होते हैं। जब तक आप इनका यूज करेंगी तब तक यह आपके होठों को मुलायम रखेंगे और जैसे ही आप इन्हें लगाना बंद कर देंगी वैसे ही आपके होंठ ड्राए होकर फटने लगेंगे। कई बार इन प्रोडक्ट्स से होठों के रंग पर भी असर पड़ता है। यह प्रोडक्ट्स आपके होंठों को डार्क भी कर सकते हैं। अगर आप चाहती हैं कि आप के होंठ फटे भी नहीं और गुलाबी भी बने रहें, तो आपको इसके लिए दादी मां का यह नुस्खा जरूर अपनाना चाहिए। आप अपने घर पर ही अनार के बीज का लिप मास्क बना कर अपने होंठो को फटने और डार्क होने से बचा सकती हैं। तो चलिए हम आपको बताते हैं कि घर पर आप अनार की बीज का लिप मास्क कैसे बना सकती हैं।

सामग्री

अनार के बीज क्रश किए हुए

1 छोटा चम्मच मलाई

विधि

आपको सबसे पहले एक अनार लेना है और उसका जूस निकालना है।

जूस को अलग करें और उसके क्रश्ड बीजों को अलग निकाल लें।

इन्हें आप मलाई के साथ मिलाएं। ध्यान रखें मलाई ठंडी होगी तो बेहतर होगा।

इसके बाद आप इस पेस्ट को 10मिनट के लिए अपने होंठों पर लगा लें।

10मिनट बाद आपको अपने होठों को गुनगुने पानी से वॉश कर लेना है। आप हफ्ते में 2 से 3 बार इस लिप मास्क को यूज कर सकती हैं आप जितनी बार होठों पर यह मास्क लगाएंगी उतना ही आपके होठों को फायदा मिलेगा। आपके होंठ गुलाबी होने के साथ सॉफ्ट होंगें और फटेंगे नहीं। जानिए आपके लिए कौन सी लिपस्टिक है बेहतर मैट, क्रीमी या ग्लॉसी?

आपको बता दें कि अनार के बीज आपके होठों की त्वचा को बहुत अच्छे से एक्सफोलिएट करते हैं और मलाई से होठों की स्किन को मॉइश्चराइजर मिलता है।

क्यों फटते हैं होंठ

- सर्दियों में होठों के फटने का कारण बेशक ठंडी हवा हो सकता है मगर, आमतौर पर जब आपके होंठ फटते हैं तो इसके कई कारण हो सकते हैं।
- अगर आप धूम्रपान करती हैं तो आपके होठों की त्वचा रूखी हो सकती हैं। चेहरे पर तुरंत ग्लो लाते हैं ये 5 लिपस्टिक शेड्स, एक बार जरूर ट्राई करें।
- अगर आप बहुत कम मात्रा में पानी पीती हैं तो आपको डिहाइड्रेशन की वजह से होठों के फटने की शिकायत हो सकती हैं।
- अगर आप ज्यादा चाय या कॉफी पीती हैं तो आपको ड्राय लिप्स की परेशानी हो सकती हैं, क्योंकि चाय और कॉफी में कैफीन की मात्रा ज्यादा होती हैं।
- अगर आप रात में लिपस्टिक लगाकर सो जाती हैं तो इससे भी आपके होठों को ऑक्सीजन नहीं मिलती और होठों की त्वचा रूखी हो जाती है। ऐसे में आपके होंठ फटने लगते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-2-5-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-4-6-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-4-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। अपने काम पर नजर रखिए। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ङ्कचता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-1-3-5

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। यात्रा का योग है। आय के योग बनेंगे। शुभांक-4-6-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-7

काकुरो पहेली - 2665

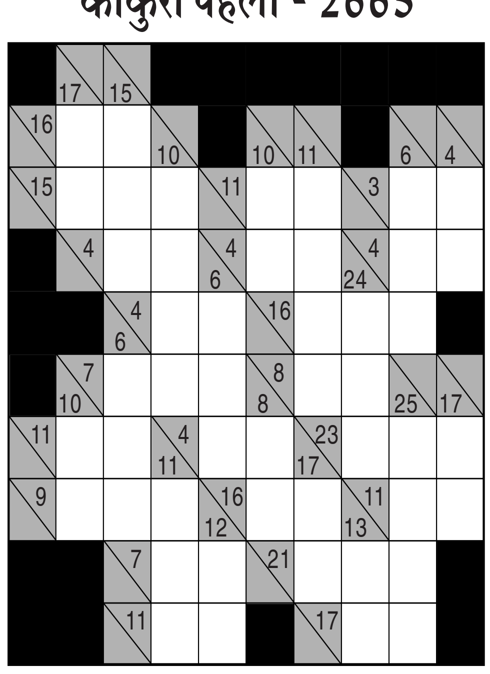

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

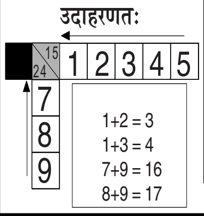

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2664 का हल

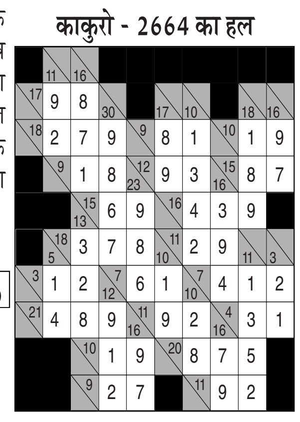

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा-'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा-'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला-'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला-'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा-'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला-'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

सीता-'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता-'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली- 2665

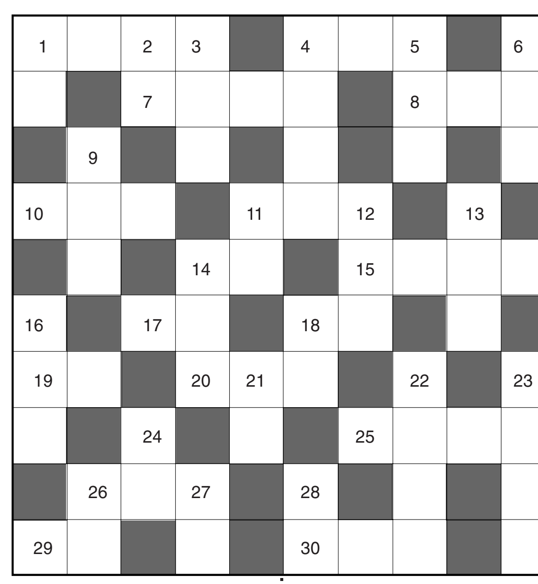

बायें से दायें:-

१. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की 'सांसों को सांसों में ढलने दो' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'रंग भरे मौसम से रंग चुराके' गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-३
७. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
८. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली फिल्म-३
११. फिल्म 'मनोरंजन' में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१४. सलमान, सोमी की 'दिल मेरा यहां' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'कब के बिछड़े हुए' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
१७. अमजद खान, बिंदिया गोस्वामी की 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'मेरे खयालों की मलिका' गीत वाली शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-२
१९. सुनील शेट्टी, रंभा की 'कहां गये ममता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की फिल्म-३
२५. अमिताभ, अरशद वारसी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-४
२६. 'ये दपनियावाले' गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२९. धर्मेन्द्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-२
३०. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. नसीरूद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-२
२. करणनाथ, मनीषा नतान्यासिंह की 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-२
३. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
४. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'बदली है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-४
५. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-३
६. 'बनाकेक्यूं बिगाड़ा रे' गीत वाली फिल्म-३
९. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-३
११. 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'खाई है रे हमने' गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-३
१३. फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-३
१४. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की 'झूम झूम के नाचो आज' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-३
१८. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे तो गिरधर गोपाल' गीत वाली फिल्म-२
२२. मनोजकुमार, साधना की फिल्म-४
२३. 'जो उनकी तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
२६. 'सुना था देखा ना था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
२७. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२८. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2664

सूडोकु -2665

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2664 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

शब्द पहेली - 2665

बाएँ से दाएँ

1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सद,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी-2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा -2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरुर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा -2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैंदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली -2664 का हल

महिलाओं को नए साल का उपहार, 200 महिला परिचालकों की होगी भर्ती

एजेंसी

वाराणसी। जनवरी महिला स्वावलंबन और आधी आबादी को आर्थिक सुरक्षा देने के लिए योगी सरकार उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में संविदा पर परिचालक के रूप में फिर भर्ती करने जा रही है। योगी सरकार की यह योजना महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक और मजबूत कदम साबित होगी। रोजगार मेले का आयोजन क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय, चौधरी चरण सिंह बस स्टेशन, वाराणसी परिसर में आयोजित होगा। सरकार क्षेत्रीय रोजगार मेले में 200 महिला कंडक्टर को नौकरी पाने का अवसर दे रही है। योगी सरकार की मिशन शक्ति योजना से महिलाएं ऊँची उड़ान भर रही है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसें केवल यात्रियों को उनके मंजिल तक नहीं पहुंचा रहीं, बल्कि महिला स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता के सन्देश को भी गति दे रही है। क्षेत्रीय प्रबंधक परशुराम पांडेय ने बताया कि महिला अभ्यर्थियों को सीधे संविदा परिचालक पद पर अनुबंध पत्र के आधार पर भर्ती के लिए रोजगार मेला क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। रोजगार मेले का आयोजन क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय, चौधरी चरण सिंह बस स्टेशन, कैंट, वाराणसी परिसर में 9 जनवरी को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। इच्छुक महिला अभ्यर्थी निर्धारित समय पर अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित हो सकती है।

भूमाफिया पर जीरो टालरेंस, मेजर की बीमार बेटी को 24 घंटे के भीतर मिला अपने मकान पर कब्जा

लखनऊ। दबंगों की प्रताड़ना की शिकार एक मेजर की बेटी अंजना के लिए नये साल का पहला दिन जमाने भर की खुशियां लेकर आया जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देश पर सिर्फ 24 घंटे के अंदर पुलिस ने उसका करोड़ों का मकान उसे दिलाकर भूमाफियों को बंदी बना लिया। अपने पिता और भाई-बहन को खोने के बाद से अंजना सीजोफ्रेनिया से जूझ रही हैं और रिहैब सेंटर में हैं। वह बुधवार को मुख्यमंत्री से मिलीं थीं तो उन्होंने बताया था कि चंदौली के बलराम यादव ने उनके मकान पर कब्जा कर लिया है। सीएम से उन्हें 24 घंटे के भीतर न्याय का भरोसा मिला और दोपहर से पहले ही उन्हें अब अपने मकान पर कब्जा मिला तो उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े और मुंह से निकला- 'गॉड ब्लेस यू योगी अंकल!' अंजना के पिता स्व. बिपिन चंद्र भट्ट सेना में मेजर थे। उनका इंदिरा नगर में ए-418 नंबर का मकान है। उनका निधन 1994 में हो गया। मेजर भट्ट के एक बेटे व दो बेटियां थीं। उनके बेटे व एक बेटी का निधन हो चुका है। सिर्फ अंजना ही परिवार में रह गई थीं। सीजोफ्रेनिया से पीड़ित होने पर अंजना को 2016 में निर्वाण रिहैब सेंटर ले जाया गया। वहां के डॉक्टर की देखरेख में उनका इलाज शुरू हुआ। उन्हें बीमार देख बलवंत कुमार यादव और मनोज कुमार यादव ने उनकी जमीन पर अपना बोर्ड लगा दिया और फर्जी कागजों से जमीन अपने नाम करा ली।

गांदरबल से दो आतंकी सहयोगी गिरफ्तार, 8.40 लाख रुपये, गोला-बारूद बरामद

गांदरबल। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में देर शाम चलाए गए एक अभियान के दौरान दो आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया। उनसे पास से 8.40 लाख रुपये, हथियार, गोला-बारूद और अन्य सामग्री बरामद की गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर गांदरबल पुलिस ने विशेष अभियान समूह (एसओजी) के समन्वय से गुंडेहमान पुल के पास नाकाबंदी की। इस दौरान पुलिस दल ने मालवाहक वाहन (जेके15बी-7309) को रोका। वाहन की गहन तलाशी के दौरान दो हथगोले, एक चीनी पिस्तौल, एक पिस्तौल की मैगज़ीन, चार पिस्तौल राउंड बरामद की गई। इसके अलावा 8,40,500 रुपये मिले। उन्होंने आगे बताया कि जिला बांदीपोरा के हाजिन निवासी गुलाम नबी मीर और जिला गांदरबल के शालाबुघ निवासी शबनम नजीर को गिरफ्तार किया गया है। गांदरबल पुलिस ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत गांदरबल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया है। हथियारों, गोला-बारूद और नकदी के स्रोत का पता लगाने के साथ-साथ उनके संभावित आतंकी संबंधों की जांच के लिए आगे की जांच जारी है। गांदरबल पुलिस ने जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए जनता से राष्ट्रविरोधी या आपराधिक गतिविधियों से संबंधित किसी भी जानकारी को साझा करने और सहयोग करने की अपील की है।

पंजाब पुलिस का 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के 306वें दिन 49 नशा तस्कर गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब में नशे और मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के तहत पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में अभियान के 306वें दिन भी पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए 49 नशा तस्करों को काबू किया। इस दौरान 468 ग्राम हेरोइन और बड़ी संख्या में नशीली गोलियां बरामद की गईं। पंजाब में नशे और मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे सख्त अभियान का असर साफ तौर पर दिखाई देने लगा है। पिछले 10 महीनों में पंजाब पुलिस ने कुल 1,849 किलो नशीले पदार्थ समेत 42 हजार से ज्यादा नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की ओर से अब तक 29,351 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। पुलिस का कहना है कि यह अभियान बिना किसी दबाव के लगातार जारी रहेगा और नशा माफिया को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। जीरो टॉलरेंस नीति के तहत छोटे से छोटे और बड़े से बड़े तस्कर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

उत्तरकाशी जिले में पहली बार कैमरे में कैद हुआ दुर्लभ पक्षी सिरकीर मालकोहा

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में पहली बार दुर्लभ पक्षी सिरकीर मालकोहा की मौजूदगी दर्ज की गई है। अपर यमुना वन प्रभाग बड़कोट की वन विभागीय टीम ने दिसंबर माह में बड़कोट के आसपास के क्षेत्रों में इस पक्षी को अपने कैमरे में कैद किया। इससे पूर्व अक्टूबर माह में हिमालयन सिरो की भी उपस्थिति दर्ज की गई थी। वन क्षेत्राधिकारी रवांई शेखर सिंह राणा ने बताया कि सिरकीर मालकोहा लंबी पूंछ वाली प्रायः जैतून-भूरे रंग की चिड़िया है, जिसकी पहचान इसकी अनोखी घुमावदार लाल चोंच से होती है। यह प्रजाति सामान्यतः उत्तराखंड के मैदानी जिलों में पाई जाती

है और शुष्क झाड़ीदार वनों तथा एक हजार मीटर (यानी करीब 3,280 फीट) से नीचे की खुली वनभूमि में इसका आवास माना जाता है। ऐसे में बड़कोट क्षेत्र में इसका दिखना दुर्लभ होने के साथ-साथ शोध का महत्वपूर्ण विषय है। वनाधिकारी राणा ने बताया कि इस मौसम में इस पक्षी का दिखाई देना विशेष महत्व रखता है, क्योंकि पक्षियों अन्य जीवों की तुलना में जलवायु परिवर्तन के प्रति अत्यंत संवेदनशील होते हैं। उनका स्थानांतरण और उपस्थिति पर्यावरणीय बदलावों का संकेत देती है। उन्होंने कहा कि जैव विविधता के लिहाज़ से उत्तरकाशी जनपद अत्यंत समृद्ध है। पक्षी विशेषज्ञों ने अब तक जिले में लगभग 370 प्रजातियों की चिड़ियां रिकार्ड की जा चुकी हैं। सिरकीर मालकोहा के दर्ज होने से जिले की पक्षी प्रजातियों की सूची में एक और इजाफा हुआ है। वन विभाग का मानना है कि अभी भी जनपद में कई अन्य दुर्लभ पक्षी प्रजातियों की मौजूदगी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। यह खोज उत्तरकाशी की जैव विविधता को समझने और संरक्षण के प्रयासों को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। इससे पूर्व बीते अक्टूबर माह में अपर यमुना वन प्रभाग की शीतकालीन लंबी दूरी गश्त के दौरान वन विभाग की टीम को हिमालयन सिरो दिखा था। यह एक शाकाहारी, मध्यम आकार का स्तनपायी है, जो बकरी, गाय और गधे का मिश्रण जैसा दिखता है।

भारतमाला हाईवे पर ट्रेलर ने 8 लोगों को रौंदा, चार लोगों की मौत, चार घायलों की हालत गंभीर

एजेंसी

बीकानेर। जिले के नापासर पुलिस थाना क्षेत्र में भारतमाला हाईवे पर देशनोक-नौरंगदेसर मार्ग पर गुरुवार देर रात एक ट्रेलर ने सड़क किनारे खड़े ऑटो और पिकअप को टक्कर मारते हुए 8 लोगों को रौंद दिया। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और 4 घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार इस हादसे में घायल इंद्र सिंह ने बताया कि वे गांधीनगर की तरफ से आ रहे थे। हाईवे पर एक ऑटो पलटा हुआ था। ऑटो वाले ने लाइट दी तो वे रुक गये। वे ऑटो को उठाने का प्रयास कर रहे थे, तभी स्पीड में आए ट्रेलर ने टक्कर मार दी। इंद्र सिंह ने बताया कि वहां दो से तीन गाड़ियां और खड़ी थीं, जो चपेट में आ गईं। वे उछलकर डिवाइडर के तरफ गिरे, जिससे बच गये, नहीं तो ट्रेलर उनके ऊपर आ जाता। चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें राजूराम पुत्र रामप्रसाद जाट निवासी लूणासर (चूरू), सुनील पुत्र लिच्छूराम गोदारा निवासी बादडिया (चूरू),

सुनील पुत्र भंवरलाल बिश्नोई निवासी रासीसर (बीकानेर) और राजेश पुत्र पूरणमल जांगिड़ निवासी झीनी (झुंझुनूं) हैं। हादसे में घायल चार लोगों को बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल लाया गया। घायल जोधपुर के सालावास निवासी इंद्र सिंह, चूरू के राजलवाड़ा निवासी ताराचंद, बादडिया निवासी परमेश्वर और पूजा पत्नी राजेश जांगिड़ को बीकानेर ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया हैं।

देवी-देवताओं के नाम से दुकाने चलाते हैं तो सनातन अपनाने में झिझक क्यों : साध्वी सरस्वती

एजेंसी

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के माचलपुर में आयोजित विराट हिन्दू सम्मेलन में 'घर वापसी' का मुद्दा उठा। सम्मेलन में साध्वी सरस्वती दीदी ने इस्लाम से जुड़े लोगों द्वारा हिन्दू देवी-देवताओं के नाम से दुकानें, होटल और ढाबे संचालित किए जाने पर सीधा और तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जब महाकाल, मां दूर्गा और अन्य हिन्दू आराध्यों के नाम से रोजी-रोटी चलाई जा रही है, तो सनातन धर्म अपनाने में झिझक क्यों। साध्वी ने कहा कि अगर अपने ईमान के पक्के हो, तो घर वापसी करिए। सनातन में लौटने वालों का हम खुले मन से स्वागत करते हैं। उनके इस बयान पर सभा स्थल 'जय श्रीराम' के नारों से गूंज उठा। साध्वी सरस्वती दीदी ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हिन्दू समाज को अब आत्ममंथन नहीं, आत्मरक्षा और आत्मगौरव की आवश्यकता है। उन्होंने शस्त्र और शास्त्र - दोनों की दीक्षा को अनिवार्य बताते हुए कहा कि हर हिन्दू परिवार में संस्कार के साथ-साथ आत्मरक्षा का सामर्थ्य भी होना चाहिए। उन्होंने प्रत्येक हिन्दू घर में कम से कम एक तलवार रखने का आह्वान करते हुए कहा कि

यह हिंसा नहीं, आत्मसम्मान का प्रतीक है। उन्होंने स्वदेशी अपनाने, तिलक-शिखा धारण करने, अभिवादन में 'राम-राम' या 'जय श्रीराम' कहने और अपने धन के उपयोग में सजग रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि हिन्दुओं को अब यह तय करना होगा कि उनका धन, श्रम और समर्थन किसके हाथों में जा रहा है। भारत में रहना है, तो वंदे मातरम् कहना होगानववर्ष के संदर्भ में साध्वी सरस्वती ने स्पष्ट किया कि उनका नववर्ष 1 जनवरी नहीं, बल्कि चैत्र प्रतिपदा से प्रारंभ होता है। उन्होंने कहा कि हर हिन्दू को पांच संकल्प - स्वदेशी अपनाना, सांस्कृतिक प्रतीकों का सम्मान, सामाजिक एकता, गोसेवा और पारिवारिक समरसता - लेकर लौटना चाहिए। जाति-पात से ऊपर उठकर एकजुट रहने का संदेश देते हुए उन्होंने दो टूक कहा कि 'हिन्दू बंटेगा तो कटेगा।' साध्वी ने शिकारी और तोते की कहानी सुनाकर हिन्दू समाज को चेताया। उन्होंने कहा कि अब घुसपैठियों को शरण देने का समय समाप्त हो चुका है। पचास साल पहले किसी के साथ क्या हुआ, उससे आज के हिन्दू का कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने सेक्युलरिज्म का पाठ पढ़ाने वालों को स्पष्ट शब्दों में जवाब देते हुए कहा कि यदि भारत में रहना है, तो वंदे मातरम् कहना होगा। यदि भारत में रहना है, तो भारत माता की जय बोलनी होगी। शोभायात्रा से सम्मेलन की शुरुआतमाचलपुर में सम्मेलन की शुरुआत श्री चाठाकुण्डी बालाजी मंदिर से निकली भव्य शोभायात्रा से हुई, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए दोपहर में रावणबल्डी मैदान पहुंची।

इंदौर जल संकट पर राहुल गांधी का बीजेपी पर हमला, बोले-'पानी नहीं, ज़हर बांटा गया'

एजेंसी

नई दिल्ली/इंदौर। इंदौर में दूषित पानी से फैली बीमारी और मौतों के मामले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र और मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि इंदौर में लोगों को पीने के पानी की जगह ज़हर बांटा गया, जबकि प्रशासन गहरी नींद में सोता रहा। राहुल गांधी ने ङ्ग पर ट्वीट कर लिखा इंदौर में पानी नहीं, ज़हर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा।घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं - और ऊपर से BJP नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी; सरकार ने घमंड परोस दिया।लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की - फिर भी सुनवाई क्यों नहीं हुई? सीवर पीने के पानी में कैसे मिला?समय रहते सप्लाई बंद क्यों नहीं हुई?जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी?ये 'फोकट' सवाल नहीं - ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है। और इस अधिकार की हत्या के लिए BJP का डबल इंजन, उसका

लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह ज़िम्मेदार है।

मध्यप्रदेश अब कुप्रशासन का एपिसेंटर बन चुका है - कहीं खांसी की सिरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे, और अब सीवर मिला पानी पीकर मौतें। और जब-जब गरीब मरते हैं, मोदी जी हमेशा की तरह खामोश रहते हैं।आपको बता दे की इंदौर में गंदे पानी से मौत के मामले में सरकार ने अपनी स्टेटस रिपोर्ट भी हाईकोर्ट में पेश कर दी है। जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने 6 जनवरी को सुनवाई की अगली तारीख तय की है। स्टेटस रिपोर्ट में बताया गया है कि गंदे पानी से अबतक सिर्फ चार मौतें हुई हैं। दूसरी तरफ, 15 लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है।

संगम तट के माघ मेला में क्यूआर कोड से श्रद्धालुओं को मिलेगी सुरक्षा व सहायता

एजेंसरी

प्रयागराज। त्रिवेणी के तट पर लगने वाले माघ मेला में श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सहयोग के लिए इस बार प्रशासन तकनीक का प्रयोग कर रहा है। माघ मेला 2026 में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा एवं त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मेला क्षेत्र में विद्युत पोलों पर क्यूआर कोड आधारित सुविधा प्रणाली लागू की गई है। यह व्यवस्था मेला सेवा एप के माध्यम से श्रद्धालुओं को सीधे प्रशासन से जोड़ने की एक अभिनव पहल है। माघ मेला प्रभारी नीरज पांडेय ने शुक्रवार को बताया कि मेला क्षेत्र में लगाए गए 15 हजार 500 विद्युत पोलों पर क्यूआर कोड लगाए गए हैं। इन्हें स्कैन करते ही श्रद्धालुओं के मोबाइल पर एक ऑनलाइन फॉर्म खुलेगा। इस फॉर्म में श्रद्धालु अपना नाम, मोबाइल नंबर और सुरक्षा कोड भरकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं या आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। खास बात यह है कि मेला अवधि में लाउडस्पीकरों के शोर के कारण फोन पर शिकायत करना कठिन हो जाता है, ऐसे में क्यूआर कोड के माध्यम से 24×7 संचालित कंट्रोल रूम तक डिजिटल रूप से शिकायत पहुंचाई जा सकती है, जिससे त्वरित निस्तारण संभव हो सकेगा। उन्होंने बताया कि क्यूआर कोड स्कैन करने पर श्रद्धालु अपनी सही लोकेशन प्रशासन के साथ साझा करते हुए तत्काल सहायता प्राप्त कर सकेंगे। प्रत्येक विद्युत पोल पर संबंधित सड़क का नाम, सेक्टर का नाम और गूगल कोड (जी-कोड) अंकित किया गया है, जिससे श्रद्धालुओं को हर समय अपनी स्थिति की जानकारी मिलती रहेगी। हर 25 मीटर के अंतराल पर लगे विद्युत पोलों पर उपलब्ध क्यूआर कोड के माध्यम से अस्पताल, पुलिस चौकी, घाट, पार्किंग और जन-आश्रय स्थलों की भी सटीक जानकारी प्राप्त की जा सकती है। क्यूआर कोड स्कैन करते ही मेला क्षेत्र का विस्तृत नक्शा भी उपलब्ध होगा। साथ ही यदि कोई परिचित या संबंधी खो जाता है, तो उसके नजदीकी विद्युत पोल पर लिखे गूगल कोड के माध्यम से गूगल मैप पर उसकी लोकेशन का पता भी लगाया जा सकता है। माघ मेला प्रभारी नीरज पांडेय ने बताया कि पार्किंग के समय नजदीकी पोल का जी-कोड नोट कर लेने से लौटते समय उसी स्थान पर आसानी से पहुंचा जा सकता है। सभी पोलों का यूनिक नंबरिंग होने से केवल पोल नंबर बताने से सही लोकेशन तुरंत मिल सकेगी। इसके अतिरिक्त मेला हेल्पलाइन नंबर 1920 को भी और वृहद रूप में फिर से संचालित किया गया है जिसके माध्यम से लोग कंट्रोल रूम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जयंती पर समाज सुधारक मन्नथु पद्मनाभन का पुण्य स्मरण किया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज केरल के महान समाज सुधारक मन्नथु पद्मनाभन की 48वीं जयंती पर उनका पुण्य स्मरण किया। उन्होंने कहा कि उनके आदर्श न्यायपूर्ण, दयालु और सद्भावपूर्ण समाज का संदेश देते हैं। उनके आदर्श हम सबका मार्गदर्शन करते रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर लिखा, '' मन्नथु पद्मनाभन की जयंती पर हम आज उन्हें गहरी श्रद्धा के साथ याद कर रहे हैं। उनका सारा जीवन समाज की सेवा के लिए समर्पित रहा। वह दूरदर्शी थे। उनका मानना ??था कि सच्ची प्रगति गरिमा, समानता और सामाजिक सुधार में निहित है। स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उनके प्रयास प्रेरणादायक हैं। उनके आदर्श हमें ऐसे समाज का संदेश देते हैं जो न्यायपूर्ण, दयालु और सद्भावपूर्ण हो।'' उल्लेखनीय है, दो जनवरी, 1878 को जन्मे मन्नथु पद्मनाभन महान समाज सुधारक, स्वतंत्रता सेनानी और नायर सर्विस सोसाइटी के संस्थापक हैं। उन्हें नायर समुदाय के उत्थान और केरल में सामाजिक समानता लाने के लिए किए गए उनके कार्यों के लिए जाना जाता है। उन्हें भारत केसरी की उपाधि से सम्मानित किया गया। सरदार के.एम. पणिक्कर ने उन्हें 'केरल का मदन मोहन मालवीय' कहते थे। 1966 में उन्हें पद्म भूषण से नवाजा गया। उन्होंने वैकोम सत्याग्रह (1924) और गुरुवयूर सत्याग्रह (1931) में सक्रिय भूमिका निभाई ताकि निचली जातियों को मंदिरों में प्रवेश मिल सके। यही नहीं केरल में सैकड़ों स्कूलों, कॉलेजों और अस्पतालों की स्थापना की।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर होगा उत्तर प्रदेश दिवस 2026 का मुख्य आयोजन: मुख्यमंत्री

एजेंसरी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश दिवस (24 से 26 जनवरी) की तैयारियों के संबंध में बैठक की। उन्होंने निर्देश दिया कि उत्तर प्रदेश दिवस का मुख्य आयोजन इस वर्ष लखनऊ स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर किया जाए। नोएडा शिल्पग्राम गौतमबुद्ध नगर समेत इसका आयोजन सभी जनपदों, देश के अन्य राज्यों व उन देशों में भी भव्य रूप से हो, जहां बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश के निवासी रहते हैं। साथ ही इन आयोजनों में सरदार वल्लभ भाई पटेल, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा, वंदे मातरम्, आनंद मठ से जुड़ी नाट्य प्रस्तुतियों समेत अन्य कार्यक्रम किए जाएं। मुख्यमंत्री जी ने 12 जनवरी को युवा दिवस, 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती, 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस, 25 जनवरी राष्ट्रीय पर्यटन दिवस/मतदाता जागरूकता दिवस व 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन को भव्यता से मनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश दिवस को लेकर आवश्यक निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस पर ब्लॉक, नगर व जनपद स्तर पर गायन, वादन, नृत्य, नाट्य

प्रतियोगिताएं कराई जाएं। यहां प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले कलाकारों को मंडल स्तर पर मौका दिया जाए, फिर यहां तीन स्थान प्राप्त करने वाले उत्कृष्ट कलाकारों को लखनऊ में होने वाले मुख्य समारोह में प्रस्तुति का अवसर दें और उन्हें पुरस्कृत करें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान, ओडीओपी, विश्वकर्मा श्रम सम्मान, माटी कला बोर्ड में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उद्यमियों, खेलकूद प्रतियोगिताओं के विजेताओं, उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं, चिकित्सकों, प्रगतिशील किसानों व वैज्ञानिकों का सम्मान किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि जनपदों में होने वाले कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों, कवियों आदि को अवसर दें। इन प्रतिभाओं को मंच देने से वे प्रोत्साहित होंगे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हर जनपद में मंत्रियों, निगम/बोर्ड के चेयरमैन, जनप्रतिनिधियों आदि को आमंत्रित किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि सभी विभागों के समन्वय के साथ ही भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय, संगीत नाटक अकादमी, ललित कला अकादमी जैसे संस्थानों को उत्तर प्रदेश दिवस के आयोजन से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि इससे यह आयोजन काफी भव्य और रोचक होगा। मुख्यमंत्री जी ने कलाकारों द्वारा पुराने वाद्ययंत्रों के प्रयोग पर भी जोर दिया।

मप्र के कटनी में पिकअप वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, 4 लोगों की मौत

एजेंसी

कटनी। मध्य प्रदेश के कटनी जिले में रीठी थाना क्षेत्र की सलैया चौकी अंतर्गत कटनी-दमोह मार्ग पर शाम एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। यहां दमोह से कटनी की ओर टमाटर लेकर आ रहे तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी और एक बच्ची की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति ने रीठी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव कब्जे में लिए हैं और खबर लिखे जाने तक उनकी पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस उनकी शिनाख्ती में जुटी हुई थी। रीठी थाना प्रभारी मो. शाहिद ने बताया कि गुरुवार की शाम करीब 7 बजे सलैया चौकी अंतर्गत कटनी-दमोह मार्ग पर हीरापुर व बड़गांव के बीच रैपुरा की ओर जा रहे मोटर साइकिल सवारों को टमाटर लेकर कटनी की तरफ आ रहे एक पिकअप वाहन ने सीधी टक्कर मार दी। मोटर साइकिल में तीन लोग सवार थे और उनके साथ आगे चार साल की बालिका बैठी हुई थी।

विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना हो रही साकार : केंद्रीय मंत्री शेखावत

एजेंसरी

रायपुर। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत एवं मुख्यमंत्री साय ने गुरुवार को भोरमदेव महोत्सव स्थल पर कॉरडिोर का भूमपिूजन कया। शेखावत ने सभा को संबोधित करते हुए कहा थ्क कबीरधाम जिले सहित पूरे प्रदेश के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। उन्होंने नववर्ष की बधाई देते हुए कहा कि बीते दो वर्षों में छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को धरातल पर उतारते हुए विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद प्रदेश के विकास में सबसे बड़ी बाधा थी, जिसे समाप्त करने का बीड़ा राज्य सरकार ने उठाया है और आज प्रदेश नक्सलवाद की समाप्ति की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश के नागरिकों में यह विश्वास मजबूत हुआ है कि भारत को कमजोर करने वाली किसी भी ताकत या षड्यंत्र को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के विरुद्ध लिए गए कठोर निर्णयों ने देश की सुरक्षा नीति को नई मजबूती प्रदान की है। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि

सुशासन का प्रभाव आज देश-दुनिया में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। भारत तेजी से विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर है। सड़कों, पुल-पुलियों एवं अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ-साथ प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, जल, बिजली, बैंक खाता और रोजगार जैसी सुविधाएं गरीबों के घर-घर तक पहुंच रही हैं। केंद्रीय पर्यटन मंत्री ने कहा कि भोरमदेव मंदिर लगभग एक हजार वर्ष पुरानी ऐतिहासिक धरोहर है और इस कॉरिडोर निर्माण के माध्यम से आने वाले हजार वर्षों तक इसे संरक्षित रखने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भोरमदेव मंदिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भी विशेष आस्था का केंद्र रहा है और यह परियोजना उनके कार्यकाल की स्मृति के रूप में कबीरधाम जिले को एक नई पहचान देगी। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि यह वर्ष परिवर्तन का वर्ष है और भारत को विश्व का सबसे शक्तिशाली राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्प में 140 करोड़ देशवासी सहभागी बनें। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भूमिपूजन के बाद पर नववर्ष 2026 की शुभ कामनाएं देते हुए कहा कि नए वर्ष की शुरुआत ऐसे ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण कार्य से होना छत्तीसगढ़ के लिए सौभाग्य की बात है। उन्?होंने कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण है। भोरमदेव कॉरिडोर विकास परियोजना राज्य की प्राचीन धरोहर को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रतीक है। कबीरधाम जिले के इस भोरमदेव धाम में महादेव शिव की आराधना, अतुलनीय प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एक साथ दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत भोरमदेव कॉरिडोर विकास परियोजना का भूमिपूजन किया जा रहा है। यह परियोजना लगभग 146 करोड़ रुपये की लागत से वाराणसी के काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर विकसित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे बेहतर शुरुआत नए वर्ष की नहीं हो सकती थी और इस परियोजना के लिए उन्होंने समस्त छत्तीसगढ़वासियों को बधाई दी।

हम भारतीयों के स्व-अनुशासन से आज विश्व की महाशक्ति के रूप में तैयार हो रहा भारत : मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हम भारतीयों का स्व-अनुशासन ही है, जिससे भारत आज विश्व की महाशक्ति के रूप में तैयार हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जीव मात्र का समग्र कल्याण ही मानवता का पहला लक्ष्य है। जियो और जीने दो हमारे जीवन का शाश्वत दर्शन है। हमारे यहां नैतिक शिक्षा, राष्ट्रभक्ति और संस्कारयुक्त जीवन पद्धति की एक लंबी परम्परा रही है। हम सब उस भारतीय मातृ सत्तात्मक संस्कृति के संवाहक है, जहां माताओं और बहनों को देवी के रूप में पूजा जाता है। हमारे यहां बच्चा-बच्चा भी भारत माता की जय बोलकर राष्ट्रमाता को सम्मान देता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज गुजरात के राजकोट जिले के प्रांसला के समीप उपलेटा में श्री वैदिक मिशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित 26वें 'राष्ट्रकथा शिविर' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शिविर में सहभागिता कर ट्रस्ट के गुजरात के प्रमुख व महान विचारक स्वामी धर्मबंधु महाराज का आशीर्वाद लिया और कहा कि हम सभी को अपने जीवन में हमेशा अच्छा करने का प्रयास करना चाहिए। पूज्य स्वामी जी ने हम सबको नई जीवन दृष्टि दी है। उन्होंने कहा कि किताबी ज्ञान से व्यवहारिक और वास्तविक ज्ञान बेहतर है और हमारी युवा पीढ़ी को उनकी असीम शक्तियों का भान कराना भी बेहद जरूरी है। नेकी, परमार्थ और राष्ट्रभक्ति का सहज भाव शरीर में रक्त की तरह हम सभी में प्रवाहमान होना चाहिए। 'वसुधैव कुटुम्बकम' हमारी संस्कृति का जीवोमूल लक्ष्य है और हमें इसी दिशा में और भी मजबूती से आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि द्वादश ज्योतिर्लिंगों में सोमनाथ धाम भी शामिल है। देश में सनातन संस्कृति की धारा सभी क्षेत्रों में बह रही है। राष्ट्रकथा शिविर में स्वामीजी ने देश के विभिन्न प्रांतों से शामिल हुई युवा शक्ति को राष्ट्र के विकास के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश फिर से विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। गुरु की महिमा को देखेंगे तो गुरु हमें अंधकार से प्रकाश की ओर लेकर जाते हैं। भारत ने हजारों वर्षों से दुनिया को विश्व बंधुत्व का संदेश दिया है। भारतीय परिवारों में मां का अपना अलग ही स्थान होता है। मां ही हम सभी की पहली गुरु होती हैं। दुनिया में सभी देश अपनी गौरवशाली संस्कृति पर गर्व करते हैं, लेकिन अन्य किसी भी देश में मातृ संस्कृति का आधार देखने को नहीं मिलता। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड के समय जब दुनिया की जनता त्राहिमाम कर रही थी, तब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपनी संकल्प शक्ति के बल पर कठिन समय में महामारी का सामना किया।

भारत का बंगलादेश दौरा रीशेड्यूल, बीसीबी ने नई तारीखों का किया ऐलान

ढाका (एजेंसी)। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को घोषणा की कि वे अगस्त-सितंबर 2026 में तीन मैचों की वनडे सीरीज और उतने ही टी20 के लिए भारत की मेजबानी करेंगे। बीसीबी क्रिकेट ऑपरेशन के इंचार्ज शहरयार नफीस ने बताया, 'बांग्लादेश और भारत के बीच जो सीरीज पहले स्थगित कर दी गई थी, उसे रीशेड्यूल कर दिया गया है।' भारतीय टीम अब 28 अगस्त को आने वाली है जिसमें वनडे मैच 1, 3 और 6 सितंबर को खेले जाएंगे। टी20 मैच 9, 12 और 13 सितंबर को खेले जाएंगे जिसके बाद पड़ोसी देश वापस घर लौट जाएंगे।

बीसीबी ने शुक्रवार को 2026 सीजन के लिए बांग्लादेश के घरेलू अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम की घोषणा की, जिसमें कैलेंडर में तीनों फॉर्मेट में पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, भारत, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज शामिल हैं। बीसीबी ने एक बयान में कहा, 'पुष्टि किया गया कार्यक्रम बांग्लादेश में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से भरे सीजन को सुनिश्चित करता है, जिससे देश भर के समर्थकों को घर पर टॉप-लेवल क्रिकेट देखने का अवसर मिलेगा, जबकि मैच स्थलों का विवरण उचित समय पर घोषित किया जाएगा।' पाकिस्तान 9 मार्च को तीन वनडे दौरे के लिए बांग्लादेश पहुंचेगा, जो 12 से 16 मार्च के बीच खेला जाएगा।

अप्रैल-मई में न्यूजीलैंड का बांग्लादेश का व्हाइट-बॉल दौरा तीन वनडे के साथ 17 अप्रैल से शुरू होगा, और उतने ही टी20, जो 27 अप्रैल से शुरू होकर 2 मई को समाप्त होंगे। पाकिस्तान दो टेस्ट के लिए वापस आएगा जो आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप सीरीज़ का हिस्सा हैं। पहला रेड-बॉल मैच 8-12 मई तक और दूसरा 16-20 मई तक खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया का बांग्लादेश का व्हाइट-बॉल दौरा 5 जून को तीन वनडे के साथ शुरू होगा, जिसके बाद तीन मैचों की टी20 सीरीज 15-20 जून के बीच खेली जाएगी।

भारत की मेजबानी करने के बाद, बांग्लादेश वेस्ट इंडीज के खिलाफ़ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगा जो चैम्पियनशिप का भी हिस्सा है। टेस्ट से पहले 22-24 अक्टूबर तक तीन दिन का वार्म-अप मैच होगा। पहला टेस्ट 28 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच खेला जाएगा, जबकि दूसरा 5 से 9 नवंबर तक खेला जाएगा। श्रीलंका ए टीम भी मई 2026 में बांग्लादेश का दौरा करेगी, जिसमें मेजबान टीम के खिलाफ दो चार-दिवसीय मैच और तीन वनडे मैच खेले जाएंगे।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में वापसी करके नया रिकॉर्ड बनाएगी 7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स

मेलबर्न (एजेंसी)। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस विलियम्स 5 साल में पहली बार इस वर्ष ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेगी और इस तरह से इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। उन्हें 18 जनवरी से शुरू होने वाले वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है।

टूर्नामेंट के आयोजकों ने शुक्रवार को घोषणा की कि 45 वर्षीय वीनस उस मेलबर्न पार्क में वापसी करने के लिए तैयार है जहां उन्होंने 28 साल पहले पहली बार हिस्सा लिया था। उन्होंने 1998 में दूसरे दौर में अपनी छोटी बहन सेरेना को हराया था, लेकिन क्वार्टर फाइनल में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी लिंडसे डेवनपोर्ट से हार गई थीं। वीनस ने नवंबर में घोषणा की थी कि वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन से 2 सप्ताह पहले न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में खेलेंगी, जहां उन्हें वाइल्ड कार्ड मिला है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के आयोजकों के अनुसार वीनस ने होबार्ट में होने वाले एक अन्य टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए भी पंजीकरण कराया है। वीनस ने इससे पहले आखिरी बार 2021 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हिस्सा लिया था। वह यहां दो बार महिला एकल में उप-विजेता रह चुकी हैं। वह 2003 और 2017 में फाइनल में सेरेना से हार गई थीं। वीनस ने कहा, 'मैं ऑस्ट्रेलिया में खेलने को लेकर बहुत उत्सुक हूं। वहां मेरी कई अविश्वसनीय यादें जुड़ी हैं। मुझे बहुत खुशी है कि मैं फिर से उस जगह लौट रही हूं जिसका मेरे करियर में बहुत महत्व रहा है।' इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेकर वीनस इस टूर्नामेंट में खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। वह जापान की किमिको दाते के रिकॉर्ड को तोड़ देंगी, जो 2015 में मेलबर्न पार्क में पहले दौर में हारने के समय 44 वर्ष की थीं।

ऑफ स्पिन गेंदबाजी, विकेटकीपिंग और छठे नंबर पर बल्लेबाजी : बुमराह ने कॉलेज के दिनों को किया याद

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कॉलेज में खेले गए एक मैच को याद किया, जहां उन्होंने उस भूमिका से बिल्कुल अलग भूमिका निभाई जिसके लिए वह मशहूर हैं यानी स्विंगिंग तेज गेंदबाजी। बुमराह ने कहा कि उन्होंने 'ऑफ स्पिन गेंदबाजी की, विकेटकीपिंग की और छठे नंबर पर बल्लेबाजी भी की'।

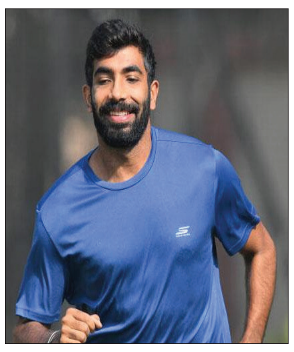

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) ट्रेनिंग सेशन के दौरान विकेटकीपिंग ग्लव्स पहने हुए बुमराह का वीडियो मुंबई इंडियंस (MI) फ्रेंचाइजी ने पोस्ट किया था। उस वीडियो में बुमराह अपने हाथों में विकेटकीपिंग ग्लव्स पहने हुए मस्ती करते दिख रहे हैं, जिनके हाथों में आमतौर पर एक चमकदार क्रिकेट गेंद होती है जो चौंकाने के लिए तैयार रहती है।

बुमराह ने कहा, 'कॉलेज के एक मैच में अपनी यूनिवर्सिटी के लिए, एक ऐसा मैच था जिसमें मैंने ऑफ स्पिन गेंदबाजी की, विकेटकीपिंग की और स्टंपिंग भी की और छठे नंबर पर बल्लेबाजी भी की। मैंने सब कुछ किया!' बुमराह ने 2025 में 21 मैचों में 21.77 की औसत और 3.44 की इकॉनमी रेट से 45 विकेट लिए जिसमें 25 पारियों में तीन बार 5 विकेट लेने का कमाल शामिल है, ये सभी टेस्ट मैचों में आए और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/27 रहा।

उन्होंने टीम इंडिया के साथ एशिया कप भी जीता और IPL 2025 में MI के साथ प्लेऑफ में पहुंचे, जहां उन्होंने 12 मैचों में 17.55 की औसत से 18 विकेट लिए। इसमें एक बार 5 विकेट भी शामिल था, जो प्रतियोगिता में सातवां सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड था। जैसे ही बुमराह अपना साल 2026 शुरू करेंगे, उनका लक्ष्य आठवें भारतीय गेंदबाज और चौथे भारतीय तेज गेंदबाज के रूप में 500 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे करना होगा। वह इस मुकाम से 14 विकेट दूर हैं। उन्होंने 224 मैचों में 20.60 की औसत से 486 विकेट लिए हैं जिसमें उनके नाम 18 बार 5 विकेट लेने का कीर्तिमान और 6/19 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

बांग्लादेशी खिलाड़ी को शामिल नहीं करने को लेकर सरकार से कोई निर्देश नहीं मिला : बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट रायडर्स (केकेआर) में शामिल किये जाने को लेकर हो रहे विरोध के बीच ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि उसे सरकार से बांग्लादेशी खिलाड़ी को शामिल नहीं करने को लेकर कोई निर्देश नहीं मिले हैं। बीबीसीसी के एक अधिकारी ने कहा कि इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं की जा सकती है। पिछले महीने हुई आईपीएल नीलामी में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर को केकेआर ने 9.20 रुपये में खरीदा था।उसके बाद से कई लोगों ने केकेआर के इस फैसले को गलत बताया है। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसक घटनाओं की खबरों के बाद कई लोगों का मानना है कि आईपीएल से बांग्लादेशी खिलाड़ियों को बाहर कर दिया जाना चाहिये।

आध्यात्मिक गुरु देवकीनंदन ठाकुर सहित कई अन्य ने मुस्तफिजुर को शामिल करने पर केकेआर के सह-मालिक शाहरुख खान की कड़ी आलोचना की है और कहा था कि वहां हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा को देखते हुए किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी को शामिल कैसे किया जा सकता है। मुस्तफिजुर ने सला 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ आईपीएल में डेब्यू किया था। इस गेंदबाज ने अब तक 60 आईपीएल मैचों में 8.13 की इकॉनमी रेट से 65 विकेट लिए हैं। वह पिछले सत्र में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क के चोटिल होने पर उनकी जगह दिल्ली कैपिटल्स में वापस आ गये थे।

प्रशंसकों को पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों से बेहतर प्रदर्शन की रहेगी उम्मीद

मुम्बई । भारतीय पुरुष ओर महिला क्रिकेट टीमों को इस बार कई अहम मुकाबले खेलने हैं। ऐसे में प्रशंसकों को उम्मीद रहेगी की दोनो ही टीमें इनमें जीत दर्ज करेंगी। भारतीय क्रिकेट के लिए बीता साल टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं रहा था। वहीं इस साल प्रशंसकों को टीम से इस लंबे प्रारुप में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। इसके अलावा प्रशंसकों को उम्मीद रहेंगी कि भारतीय टीम अपनी ही धरती पर होने वाले टी20 विश्वकप में जीत दर्ज कर खिताब बरकरार रखे। टी20 विश्वकप 7 फरवरी से 8 मार्च तक भारत और श्रीलंका की में खेला जाएगा। पुरुष क्रिकेट में अब तक कोई भी टीम टी20 विश्वककप का खिताब बरकारार नहीं कर पाई है। अब देखना होग कि इस बार टीम इसे बरकरार रख पाती है या नहीं। वहीं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की नजरें भी एकदिवसीय विश्वकप के बाद टी20 विश्वकप जीतने पर रहेंगी। 12 जून से 5 जुलाई तक इंग्लैंड की मेजबानी में होने वाला महिता टी20 विश्व कप 2026 जीतकर भारतीय टीम खेल में अपना दबदबा बनाना चाहेगी। वहीं भारतीय टीम अगस्त में श्रीलंका और नवंबर में न्यूजीलैंड में होने वाली टेस्ट सीरीज जीतना चाहेगी। भारतीय टीम अभी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) 2025-27 की अंकतालिका में छठे स्थान पर है। ऐसे में अगर उसे फाइनल की दौड़ में बने रहना है, तो इन दोनों टेस्ट सीरीज में बड़ी जीत हासिल करनी होग। इसके अलावा जापान में 19 सितंबर से 4 अक्तूबर तक आयोजित होने वाले एशियाई खेलों में भी भारतीय पुरुष और महिला टीम जीत हासिल करना चाहेंगी। भारत की पुरुष और महिला टीमों ने 2023 में यहां दोनो वर्गो में खिताब जीते थे।

सातवीं बार डकार रैली में भाग लेंगे भारतीय राइडर हरिथ नोआ

यानबू (सऊदी अरब) । भारत के अग्रणी रैली रेड राइडर हरिथ नोआ शनिवार से यहां शुरू होने वाली विश्व की सबसे मुश्किल मोटरस्पोर्ट प्रतियोगिता डकार रैली में लगातार सातवीं बार हिस्सा लेंगे। केरल का यह 32 वर्षीय राइडर तीन से 17 जनवरी तक होने वाली डकार रैली में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। यह प्रतियोगिता छठी बार सऊदी अरब में आयोजित की जा रही है। डकार रैली में राइडर इस बार लगभग 8,000 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। इसमें लगभग 4,800 किलोमीटर में राइडर रेत के टीलों, पथरीले इलाकों और दुर्गम पठारों से होकर गुजरेंगे। इस दौरान केवल एक बार 10 जनवरी को राइडर को विश्राम करने का मौका मिलेगा। पांच बार के भारतीय राष्ट्रीय सुपरक्रॉस चैंपियन नोआ ने 2020 में डकार रैली में पदार्पण किया था। तब यह रैली पहली बार सऊदी अरब में आयोजित की गई थी।

मारिन एक बार फिर भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच बने

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने नीदरलैंड के सोर्ड मारिन को दूसरी बार भारतीय महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच बनाया है। मारिन के मार्गदर्शन में ही भारतीय महिला टीम टोक्यो ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रही थी। मारिन साल 2017 से 2021 तक भारतीय महिला टीम के कोच थे। वहीं अर्जेंटीना के विला मटियास विला को विश्लेषणात्मक कोच बनाया गया है। पूर्व मिडफील्ड विला ने साल 2000 में सिडनी ओलंपिक और 2004 में एथेंस ओलंपिक में भाग लिया था। वह करीब 20 साल से कोचिंग करते आ रहे हैं। इसके अलावा वेन लोम्बार्ड को खेल प्रदर्शन प्रमुख के रूप में रखा गया है जबकि वैज्ञानिक सलाहकार रोडेट इला और सियारा इला अपने पद पर बने रहेंगे। वहीं मारिन ने का कि उन्हें भारतीय टीम के साथ आने से खुशी हुई है। मैं साढ़े चार साल बाद नयी ऊर्जा और रवैये के साथ इस पद पर लौटा हूं ताकि टीम को आगे बढ़ाने में अहम र्ण योगदान दे सकूं और खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने में सहाता कर सकूं। गौरतलब है कि मारिन के पिछले कार्यकाल के दौरान भारतीय टीम विश्व रैंकिंग के शीर्ष 10 में पहुंची थी। अब मारिन की पहली परीक्षा आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होने वाले महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट में होगी। वहीं हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'हम मारिन और पूरे सहायक स्टाफ का भारतीय हॉकी परिवार में स्वागत करते हैं। हमें उम्मीद है कि उनके मार्गदर्शन में टीम निरंतर सफलता हासिल करेगी।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ख्वाजा ने खेल से संन्यास की घोषणा की

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी है। ख्वाजा ने 15 साल के लंबे करियर के बाद खेल को अलविदा कहा है। ख्वाजा एशेज सीरीज में अंतिम बार सिडनी टेस्ट में उतरेंगे। ख्वाजा इस प्रकार साल 2026 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले पहले खिलाड़ी हैं। ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से साल 2011 में अपना डेब्यू किया था।इसके बाद से वह टीम के लिए तीनों प्रारुपों में खेले पर टेस्ट क्रिकेट में वह सबसे ज्यादा सफल रहे हैं। कई स्टार खिलाड़ियों वाली टीम में उन्होंने अपनी अलग ही जगह बनायी है।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से ख्वाजा ने अब तक कुल 87 टेस्ट, 40 एकदिवसीय और 9 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। टेस्ट क्रिकेट में ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 43.39 के औसत से 6206 रन बनाए हैं। टेस्ट प्रारुप में उन्होंने 16 शतक और 28 अर्धशतक लगाए हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनका सबसे अधिक स्कोर 232 रनों का रहा है। वहीं एकदिवसीय प्रारुप में उन्होंने 1554 रन बनाए। ख्वाजा ने अपने करियर में 2 शतक और 12 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं टी20 में उनके 241 रन हैं। ख्वाजा ने घरेलू बिग बैश लीग में भी खेलते हुए 70 मैचों में 2132 रन बनाए। इसके अलावा आईपीएल, वैटालिटी ब्लास्ट, पाकिस्तान सुपर लीग और आईपीएल में भी उन्होंने खेला है।

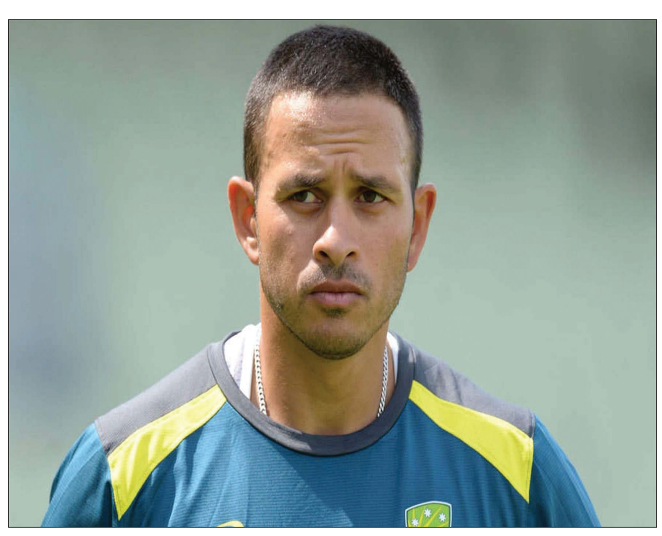

विदेश में कैंसर से जूझ रहे भारत के पूर्व कोच, इलाज के लिए बेटी ने लगाई मदद की गुहार

स्पोर्ट्स डेस्क । माइकल नोब्स, जो ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हॉकी खिलाड़ी हैं, संन्यास के बाद भारतीय हॉकी टीम के कोच भी बने थे। वे पिछले करीब पांच सालों से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ रहे हैं। माइकल को फेफड़ों का कैंसर है, जो अब उनकी हड्डियों तक फैल चुका है। बीमारी के साथ-साथ उन्हें आर्थिक परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनका इलाज कराना मुश्किल हो गया है। क्राउडफंडिंग पोर्टल पर दी गई जानकारी के अनुसार, माइकल नोब्स के इलाज के लिए एमीवेंटामैब नाम की एक विशेष दवा की जरूरत है, जो काफी महंगी है। केवल छह महीने के इलाज में करीब 64 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का खर्च आता है। इसी कारण उनके परिवार को लोगों से आर्थिक मदद मांगनी पड़ी। माइकल की दो बेटियां हैं, कैटलिन नोब्स और जैमी नोब्स। कैटलिन खुद एक हॉकी खिलाड़ी हैं। दोनों बहनों ने 31 अगस्त 2025 को अपने पिता के इलाज के लिए एक क्राउडफंडिंग पोर्टल के जरिए मदद की अपील की। इस अभियान से करीब 75 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर जुटाए गए, लेकिन इसके बावजूद इलाज पूरी तरह सुचारु रूप से नहीं चल पा रहा है। कैटलिन नोब्स ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनके पिता फिलहाल सिडनी में रहते हैं, जबकि वे खुद पर्थ में हैं। दोनों शहरों के बीच करीब पांच घंटे की फ्लाइट दूरी है, जिससे दूर रहकर मदद करना और भी मुश्किल हो जाता है। पिता की सेहत को लेकर बात करते हुए कैटलिन ने कहा कि इलाज चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन माइकल नोब्स में अब भी जीने की मजबूत इच्छाशक्ति है। उन्होंने बताया कि उनके पिता को उन्हें हॉकी खेलते देखना बहुत अच्छा लगता है और इससे उनके चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। कैटलिन ने कहा कि हॉकी से ज्यादा उनके बीच पिता-बेटी का रिश्ता अहम रहा है और चाहे वह अच्छा खेलें या बुरा, उनके पिता हमेशा उनके सबसे बड़े समर्थक रहे हैं।

बिहार के प्रतिभाशाली बैडमिंटन खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा : साइना

पटना (एजेंसी)। अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल आजकल बिहार दौरे पर हैं। इस दौरान साइना ने कहा कि राज्य में काफी खेल प्रतिभाएं हैं पर उन्हें निखारने की जरुरत है। ओलंपिक पदक विजेता साइना ने कहा कि की बेहतर प्रशिक्षण से यहां से भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकलेगे। साइना ने कहा कि राज्य में जरुरी संसाधन मौजूद हैं और सही मार्गदर्शन से यहां के खिलाड़ी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकते हैं। साइना ने यहां पाटलिपुत्र खेल परिसर में कहा कि बिहार के प्रतिभावान बैडमिंटन खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उन्होंने बिहार में खेलों के विकास, विशेषकर बैडमिंटन की संभावनाओं पर भी अपने बातें रखीं। साइना ने कहा कि बिहार खेल के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के जरिए पहले ही वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुका है। साइना ने कहा, 'मैंने अपनी पहली राष्ट्रीय चैंपियनशिप पटना में ही जीती थी इसलिए बिहार से मेरा गहरा भावनात्मक जुड़ाव है।' साइना ने कहा कि वह बिहार के खिलाड़ियों के विकास के लिए वह हर संभव सहयोग देने को तैयार हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार की सकारात्मक खेल नीति, खेल विभाग और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के कुशल मार्गदर्शन से आने वाले समय में राज्य से अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकलेंगे।

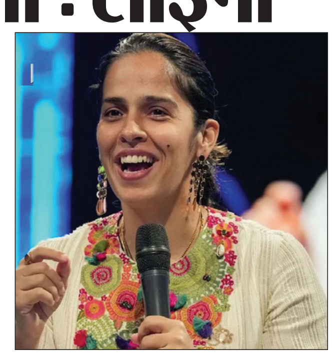

संतोष ट्राफी 21 जनवरी से होगी शुरु, 12 टीमों के बीच होगा मुकाबला

नई दिल्ली । 79वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप संतोष ट्राफी 2025-26 असम के ढकुआखाना और सिलापाथर देश भर की 12 फुटबॉल टीमों के बीच 21 जनवरी से 8 फरवरी तक खेली जाएगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने इस महीने शुरु होने वाली संतोष ट्राफी के फाइनल ड्रा की घोषणा की है। इस चैंपियनशिप में शामिल 12 टीमों को ए और बी ग्रुप में बांटा गया है। ए ग्रुप में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, उत्तराखंड, नागालैंड और राजस्थान है। जबकि ग्रुप बी में केरल, सर्विसेज, पंजाब, ओडिशा, रेलवे और मेघालय है। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले ढकुआखाना और सिलापाथर में खेले जाएंगे। इस चैंपियनशिप की शुरुआत 1941 में हुई थी और पश्चिम बंगाल ने संतोष ट्रॉफी का रिकॉर्ड 32 बार खिताब जीता है।

कार्लसन और गोर्याचकिना बने विश्व रैपिड चैंपियन, भारत के अर्जुन और हम्पी को कांस्य पदक

दोहा, क़तर (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन ने शानदार वापसी करते हुए फीडे विश्व रैपिड चैंपियनशिप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। कार्लसन ने 13 में से 10.5 अंक हासिल कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों से पूरे एक अंक की बढ़त के साथ छठी बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता। इससे पहले वे 2014, 2015, 2019, 2022 और 2023 में भी विश्व रैपिड चैंपियन रह चुके हैं।

टूर्नामेंट के दूसरे दिन खराब शुरुआत के बाद कार्लसन ने अंतिम दिन जबरदस्त खेल दिखाया। उन्होंने लगातार तीन जीत दर्ज कीं और अंतिम राउंड में श्वेत मोहरों से अनीश गिरि के खिलाफ ड्रॉ खेलकर खिताब पक्का कर लिया।

खिताब जीतने के बाद कार्लसन ने कहा, 'यह बहुत बड़ा और मजबूत टूर्नामेंट था। मैं यहां हमेशा पहले स्थान के लिए खेलता हूं, जबकि कई खिलाड़ी अच्छे इनाम या पदक के बारे में सोचते हैं। यही मुझे मनोवैज्ञानिक बढ़त देता है।'

विश्व रैपिड में दूसरा स्थान चार खिलाड़ियों ने 9.5 अंकों के साथ साझा किया पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर रूस के आर्टेमिएव ब्लादिलसाव को रजत पदक मिला, जबकि भारत के अर्जुन एरिगैसी ने कांस्य पदक जीतकर आनंद के बाद विश्व रैपिड में पदक हासिल करने का कारनामा किया । हंस नीमन महज़ 0.5 बुख़होल्ज़ अंक से पदक से चूक गए।

महिला वर्ग में गोर्याचकिना का पहला वर्ल्ड रैपिड खिताब

महिला वर्ल्ड रैपिड में रोमांच चरम पर रहा। अंतिम दौर से पहले चीन की जु जिनर और मौजूदा चैंपियन कोनेरु हम्पी तीनों 8 अंकों के साथ शीर्ष पर थीं। अंतिम राउंड में झ़ू और गोर्याचकिना ने ड्रॉ खेला, जबकि हम्पी कोनेरू जीत की स्थिति में होने के बावजूद समय की कमी में सविता श्री के खिलाफ चूक गईं और बाज़ी ड्रॉ रही।

नियमों के अनुसार टाईब्रेक के बाद शीर्ष दो खिलाड़ियों–गोर्याचकिना और झ़ू–के बीच ब्लिट्ज़ प्लेऑफ खेला गया। गोर्याचकिना ने पहला ब्लिट्ज़ मुकाबला जीतकर और दूसरा ड्रॉ कर महिला वर्ल्ड रैपिड चैंपियन का खिताब हासिल किया। यह उनके करियर का पहला वर्ल्ड रैपिड खिताब है। झ़ू जीनर को रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जबकि हम्पी कोनेरू ने कांस्य पदक जीता।

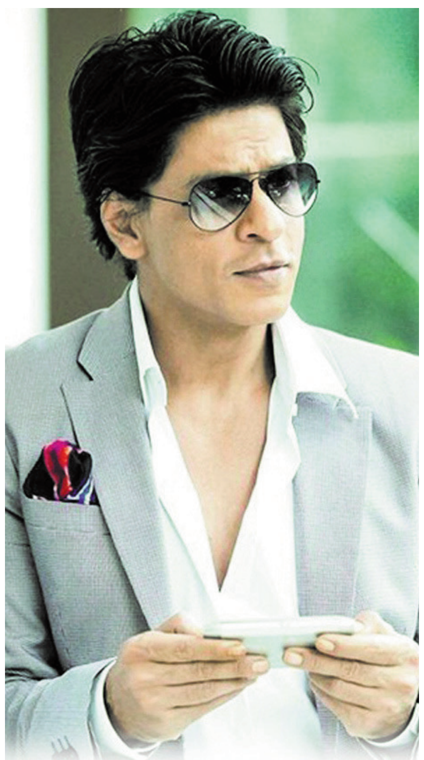

नए साल पर 'किंग' को लेकर शाहरुख खान देंगे बड़ा तोहफा!

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान अपनी आगामी फिल्म 'किंग' की तैयारियों में लगे हुए हैं। 'किंग' को साल 2026 में रिलीज होने वाली सबसे बड़ी फिल्मों में से एक माना जा रहा है। हालांकि, अभी तक फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आई है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि फिल्म 2026 में रिलीज हो सकती है। इस बीच अब शाहरुख खान को रिकॉर्डिंग स्टूडियो जाते देखा गया। जिसके बाद फैंस में 'किंग' को लेकर एक बार फिर उत्साह बढ़ गया है। फैंस ऐसी उम्मीद जता रहे हैं कि नए साल पर 'किंग' को लेकर कोई सरप्राइज मिल सकता है।

'किंग' पर काम कर रहे शाहरुख

वायरल हुई तस्वीरों और वीडियोज में शाहरुख को फिटेड सफेद टी-शर्ट और कार्गो पैंट पहने, सिर पर बीनी टोपी लगाए देखा गया। स्टूडियो में अंदर जाते समय उन्होंने सनग्लासेस पहने हुए थे। हालांकि, अभिनेता क्या रिकॉर्ड कर रहे थे, इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन उनके स्टूडियो में आने के समय को देखते हुए प्रशंसकों का मानना है कि वो अपनी आगामी फिल्म 'किंग' के पोस्ट-प्रोडक्शन क्लिप पर काम कर रहे होंगे। हालांकि, इस दौरान सुरक्षाकर्मियों ने शाहरुख को पैपराजी से बचान का प्रयास किया और उनके सामने छाता लगाया। लेकिन शाहरुख की झलक कैमरे में कैद हो गई। अब फैंस को उम्मीद है कि नए साल पर उन्हें शाहरुख की तरफ से 'किंग' से जुड़ा कोई सरप्राइज मिल सकता है।

शाहरुख के बर्थडे पर सामने आया था फर्स्ट लुक

पिछले महीने शाहरुख खान के जन्मदिन के मौके पर मेकर्स ने 'किंग' से शाहरुख के लुक की झलक दिखाई थी। इस फर्स्ट लुक में शाहरुख एक्शन अवतार में काफी डैशिंग लग रहे थे। इसके सामने आने के बाद फैंस फिल्म को लेकर और भी उत्साहित हैं। हालांकि, इसके बाद से किंग को लेकर मेकर्स की ओर से कोई अपडेट नहीं आया है। अब फैंस ऐसी उम्मीद लगा रहे हैं कि अगली बड़ी घोषणा नए साल के दिन हो सकती है।

सिद्धार्थ ने भी दिया था हिंट

शाहरुख खान को स्टूडियो में देखे जाने से एक दिन पहले फिल्म के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने एक शेर के मोहरे की तस्वीर साझा की थी, जिसके सिर पर मुकुट था। अब शाहरुख को रिकॉर्डिंग स्टूडियो में देखकर फैंस ऐसी अटकलें लगा रहे हैं कि मेकर्स मोशन पोस्टर के साथ फिल्म की रिलीज डेट घोषित कर सकते हैं।

अब मैं एक साथ 2 से 3 फिल्में नहीं करना चाहती

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने 14 अप्रैल 2022 को मुंबई में अपने घर वास्तु में एक अंतरंग समारोह में शादी की थी। इसके बाद 6 नवंबर 2022 को आलिया ने राहा को जन्म दिया। बेटी के जन्म के बाद से ही आलिया भट्ट ने अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर कुछ बदलाव किए हैं, जिनके बारे में आलिया ने खुलकर बात की।

राहा के जन्म के बाद आलिया ने किए कई बदलाव

हाल ही में ईटाइम्स को दिए इंटरव्यू में आलिया भट्ट ने बताया कि 2022 में बेटी राहा के जन्म के बाद उन्होंने काम की रफ्तार धीमी कर दी, लेकिन फिल्मों से उनका प्यार वैसा ही है। आलिया ने कहा कि मां बनने से उनके काम करने का तरीका बदल गया है। उन्होंने बताया, अब मेरे काम की मात्रा और स्पीड अलग है क्योंकि मेरी एक बेटी है। लेकिन यह रफ्तार आरामदायक है और मैं इससे खुश हूं। मुझे एक समय में एक फिल्म करना और उसमें पूरी एनर्जी लगाना अच्छा लगता है। पहले मैं एक साथ दो-तीन फिल्में करती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं करना चाहती।

अल्फा को लेकर आलिया की राय

मां बनने के बाद एक्शन फिल्म अल्फा की शूटिंग के बारे में आलिया ने कहा, बच्चे के जन्म के बाद एक्शन करना बहुत मजेदार था। इससे मुझे पता चला कि मेरा शरीर क्या कर सकता है। यह एक सीख देने वाला अनुभव था और इसने मुझे अपने शरीर का बहुत सम्मान करना सिखाया।

आलिया का वर्कफ्रंट

आलिया के पास दो बड़ी फिल्में हैं। शिव रावैल की अल्फा में वे एक्शन से भरी भूमिका में नजर आएंगी। यह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्म है, जिसमें शरवरी और बॉबी देओल भी हैं। फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इसके अलावा, संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर में आलिया दिखेंगी। इसमें रणबीर कपूर और विक्की कौशल मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म भी 2026 में आएगी।

हिंदी में इस वजह से बात नहीं करते मिराय स्टार तेजा सज्जा

फिल्म हनु मान और मिराय में बेहतरीन अदाकारी करने को लेकर साउथ के स्टार तेजा सज्जा सुर्खियों में हैं। यह माना जाता है कि साउथ के कलाकारों को हिंदी डायलॉग बोलते समय उनके एक्सेंट को लेकर ऑनलाइन मजाक उड़ाया जाता है। ऐसे में तेजा सज्जा ने हिंदी बोलने पर और बॉलीवुड में काम करने को लेकर अपने विचार रखे हैं। उन्होंने कहा मैं इंग्लिश में बात कर रहा हूं, क्योंकि मेरी हिंदी में हैदराबादी स्लैंग आ जाता है। अगर हिंदी बोलेंगे तो ट्रोलिंग का शिकार हो जाएंगे, इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा नहीं मैं ट्रोलिंग को सीरियसली नहीं लेता। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। बातचीत के दौरान उन्होंने बॉलीवुड में काम करने के बारे में भी बात की। उन्होंने मजाकिया अंदाज में फिल्म निर्माता करण जौहर के लिए एक संदेश दिया। उन्होंने हंसते हुए कहा जब भी आप करण सर से मिलें, उनसे पूछिएगा कि वह तेजा को एक धर्मा प्रोडक्शन की लव स्टोरी में कब कास्ट कर रहे हैं। मैं भी वो अनुभव लेना चाहूंगा।

मैं नहीं चाहती कि हॉलीवुड प्रोजेक्ट की वजह से करियर खतरे में पड़ जाए

अभिनेत्री त्रिधा चौधरी हाल ही में फिल्म 'किस किस को प्यार करूं-2' में नजर आई थीं। अभिनेत्री ने हाल ही में बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपनी जिंदगी और करियर के बारे में खुलकर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि वह अलग-अलग फिल्म को बहुत सोच समझकर चुनती हैं। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा कि हॉलीवुड से एक अच्छा ऑफर मिला था, लेकिन बोल्ड सीन्स करने से उन्हें बाकी जगह से ऑफर ठुकरा दिए जाते। अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे अच्छी तरह से पता था कि ऐसे सीन करने से मेरा भविष्य प्रभावित हो सकता है। खासकर बॉलीवुड और अन्य भारतीय इंडस्ट्री में मौके कम हो जाते हैं। अभिनेत्री ने समझाया कि बोल्ड सीन करने से उन्हें एक खास तरह की इमेज मिल जाती है। इससे कई अच्छे प्रोजेक्ट्स हाथ से निकल सकते थे। वे नहीं चाहती थीं कि एक प्रोजेक्ट की वजह से उनका लंबे समय का करियर खतरे में पड़ जाए। उन्होंने कहा, 'अगर मैं हॉलीवुड में एक ऐसा प्रोजेक्ट करती, जिसमें बोल्ड सीन्स होते, तो इससे मेरे कई अन्य प्रोजेक्ट्स रुक जाते हैं। मुझे यह पहले से पता था। यही वजह थी कि मैंने पहले से हॉलीवुड में कदम रख लिया है, तो अलग तरीके से आगे बढ़ सकती हूं, लेकिन सिर्फ एक प्रोजेक्ट के लिए बॉलीवुड या कहीं और का अपना लंबा सफर जोखिम में नहीं डालूंगी।' त्रिधा हाल ही में कपिल शर्मा की फिल्म किस किस को प्यार करूं-2 में नजर आई थी। फिल्म में कपिल और त्रिधा के अलावा, आयशा खान, पारुल गुलाटी और हीरा वरीना मुख्य भूमिका में नजर आए थे। अखिलेंद्र मिश्रा कपिल शर्मा के पिता के रोल में हैं। उन्होंने फिल्म के सबसे मजेदार पल दिए हैं। वहीं, फिल्म को वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट और अब्बास-मस्तान ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसमें हंसी, मस्ती, दोस्ती और खुशियों से भरे पल शामिल हैं।

तारा सुतारिया के खिलाफ चलाया गया नेगेटिव कैंपेन? अभिनेत्री ने लगाया जबरदस्ती नाम जोड़ने का आरोप

बॉलीवुड और डिजिटल दुनिया में इन दिनों पेड पीआर और ऑनलाइन ट्रोलिंग को लेकर बहस तेज हो गई है। इस बहस के केंद्र में आ गई हैं अभिनेत्री तारा सुतारिया, जिन्होंने खुलकर आरोप लगाया है कि उनके खिलाफ एक सोची-समझी नेगेटिव पीआर मुहिम चलाई जा रही है। तारा का कहना है कि उनकी छवि और निजी रिश्तों को नुकसान पहुंचाने के लिए संगठित तरीके से कंटेंट तैयार करवाया गया और सोशल मीडिया पर फैलाया गया।

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ने किया दावा

पूरा मामला तब सामने आया जब एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ने दावा किया कि उसे तारा सुतारिया और मशहूर सिंगर एपी ढिल्लों के खिलाफ वीडियो बनाने के लिए पैसे ऑफर किए गए थे। इस वीडियो को तारा ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया और साफ शब्दों में कहा कि यह सब एक पेड कैंपेन का हिस्सा है, जिसका मकसद उनके करियर और पर्सनल लाइफ को नुकसान पहुंचाना है।

तारा ने इशारों-इशारों में उन लोगों पर निशाना साधा, जो पर्दे के पीछे रहकर ऐसी साजिशें रचते हैं। उन्होंने कहा कि कंटेंट क्रिएटर्स और मीम पेजों को पहले से तय शब्द, कैप्शन और बातें भेजी गईं ताकि हर जगह एक जैसी नकारात्मक बातें फैलाई जा सकें। उनका यह भी कहना था कि यह कोई सामान्य आलोचना नहीं, बल्कि पूरी तरह प्लान की गई बदनाम करने की कोशिश है।

बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया ने किया समर्थन

इस पूरे विवाद में तारा को वीर का साथ मिला है। उनके बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया ने सार्वजनिक तौर पर समर्थन जताते हुए कहा कि वह हर हाल में तारा के साथ खड़े हैं। वहीं, एपी ढिल्लों ने भी हल्के-फुल्के अंदाज में प्रतिक्रिया देकर यह संकेत दिया कि वह इन आरोपों को गंभीरता से नहीं ले रहे, लेकिन मामला जितना दिखता है, उससे कहीं ज्यादा गहरा है। जिस इंफ्लुएंसर ने यह खुलासा किया, उसका कहना है कि कई अकाउंट्स पर एक जैसे कमेंट्स और आरोप नजर आ रहे थे। इससे साफ होता है कि यह सब अचानक नहीं, बल्कि रणनीति के तहत किया गया। इंफ्लुएंसर ने दावा किया कि इस मुहिम को बाहर से देखने पर ऐसा दिखाया गया जैसे निशाना एपी ढिल्लों हों, लेकिन असल में सबसे ज्यादा नुकसान तारा सुतारिया को पहुंचाने की कोशिश की गई।

अकेली हूं पर कोई बेचैनी नहीं

चित्रांगदा सिंह ने साल 2005 में हजारों ख्वाहिशें ऐसी से फिल्मों में डेब्यू किया। अपने करियर की शुरुआत से ही जोधपुर में पैदा हुईं इस हसीना ने इंडस्ट्री में अपने अभिनय का सिक्का जमाया। अर्थपूर्ण भूमिकाओं को तरजीह दी। ये साली जिंदगी, इनकार, साहब बीवी गैंगस्टर 3 जैसी फिल्मों में उनके काम की खूब सराहना हुई। लेकिन उनके करियर का सबसे मुश्किल दौर वो था, जब सात साल के अंतराल के बाद उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कमबैक किया। इस साल 2025 में वह बैक टू बैक खाकी - द बंगाल चैप्टर, हाउसफुल 5 और हालिया रिलीज रात अकेली है - द बंसल मर्डर्स से चर्चा में हैं। इसके अलावा चित्रांगदा नए साल में सलमान खान के साथ बैटल ऑफ गलवान में नजर आने वाली हैं।

बतौर एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह 2026 को उम्मीदों से देख रही हैं। खास बातचीत में उन्होंने क्वालिटी ओवर क्वांटिटी, सोशल मीडिया वैलिडेशन, सिंगल पैरेंटिंग से लेकर इंडस्ट्री में महिलाओं के ऊपर रहने वाले दबाव पर भी खुलकर बात की है।

आपका करियर कभी भी पारंपरिक नहीं रहा, तो क्या आपने जानबूझकर क्वालिटी ओवर क्वांटिटी चुना?

किसी भी कलाकार के जीवन में किस्मत का बहुत बड़ा हाथ होता है। उसे किस तरह के रोल मिलेंगे, वो उसके बस में नहीं होता। कई बार काम आपको चुनता है, आप उसे नहीं। मुझसे सुधीर (फिल्मकार सुधीर मिश्रा) हमेशा कहते हैं कि किसी भी किरदार के जो ग्रे एरिया हैं, उन्हें तुम बखूबी जस्टिफाई कर पाती हो। यही वजह है कि तुम चरित्र की कमियों को बहुत ही मजबूती से निभा पाती हो। मेरे कहने का मतलब ये है कि मेकर्स ने मुझमें वो बात देखी और मुझे उसी तरह के रोल दिए। कई बार मेरे पास ऐसा काम आया है, जो मुझे सूट नहीं हुआ और मैंने मना कर दिया, आपका अपना व्यक्तित्व भी होता है, जिसमें आप खुद को पूरी तरह से बदल कर कोई दूसरा नहीं बन सकते।

फिल्म इंडस्ट्री में उम्र को लेकर महिलाओं पर ज्यादा दबाव क्यों रहता है?

वो कहावत है न कि महिलाएं अपनी ब्यूटी और पुरुष अपने स्कार्स के लिए जाने जाते हैं। फिर ये उम्र वाली समस्या आज की नहीं है, सदियों पुरानी है। मगर आज उसमें भी बदलाव आया है। आज आप एक यंग 18 साल की लड़की के रोल के लिए एक पर्टिकुलर ऐज ग्रुप वाली लड़की को ही चुन पाएंगे, मगर यदि आपको कोई मैच्योर कहानी लिखनी हो तो उसमें आपको मैच्योर एक्ट्रेस की जरूरत पड़ेगी। मगर अब वो बदलाव भी आ रहा है, क्योंकि अब दर्शक मैच्योर कहानियों और परफॉर्मेंस देखने के इच्छुक हैं, तो अब अभिनेत्रियों के लिए उम्र से परे सशक्त रोल लिखे जा रहे हैं, मगर उम्र का दबाव अभिनेत्रियों पर हमेशा से रहा है और ये हमारे समाज की ही देन है।

आपने पर्दे पर हमेशा ही महिलाओं को मुखर करने वाले किरदार निभाए हैं, आपको अपने आस-पास महिलाओं से जुड़ी सबसे ज्यादा कौन-सी बात सताती है?

सच कहूं, तो मुझे लगता है कि आज महिलाओं को समानता के अधिकार मिल रहे हैं। जेंडर बायस भी लोग अब उतने नजर नहीं आते, तो आज हमें इस बदलाव की सराहना करनी चाहिए। इसकी आलोचना नहीं करनी चाहिए। इंडस्ट्री में ये बदलाव काफी बड़े पैमाने पर देखने को मिलता है, मगर हां कुछ एक बार मैंने ये देखा है कि लड़कियों को कोई काम इसलिए नहीं दिया जाता कि वो लड़कियां हैं। मुझे लगता है कि उसका एक कारण ये भी है कि औरतों को उस तरह की जिम्मेदारी दी ही नहीं गई है। उनको जितने मौके मिलेंगे, वो खुद को साबित करती जाएंगी। अब जैसे जब मैं प्रोड्यूसर बनी, तो लोगों का कहना था कि लो अब इनको प्रोड्यूसर बनना है। वे मुझे इस काबिल ही नहीं समझ रहे थे। मुझे बहुत बुरा लगा, मगर मैंने जब इस विषय पर सोचा तो मुझे लगा कि वाकई इंडस्ट्री में एक?ट्रेस से प्रोड्यूसर बनी महिलाएं गिनती की हैं, तो उनका सवाल भी जायज है कि ये निर्माण के क्षेत्र को संभाल पाएंगी या नहीं।

सोशल मीडिया वैलिडेशन आपके लिए कितना मायने रखता है?

मैं सोशल मीडिया की बहुत ज्यादा दीवानी नहीं हूं। मगर इतना जरूर कहना चाहूंगी कि आज सोशल मीडिया की जरूरत तो है। मेरे लिए सोशल मीडिया वैलिडेशन जरूरी नहीं है। मैं उसे रेस्पॉन्स तक ही सीमित रखती हूं। मैं सोशल मीडिया की प्रतिक्रियाओं पर नजर रखती हूं, मगर मेरी जिंदगी सोशल मीडिया पर ही निर्भर नहीं है। अब तो वो उत्साह भी खत्म हो गया है, जो पहले हुआ करता था कि कुछ पोस्ट करना है। अब ये मेरे काम का हिस्सा बन चुका है।

लेटेस्ट ट्रेंड के हिसाब से सजाएं बच्चों का कमरा

घर सजाने में भले ही कम समय लगता हो लेकिन बच्चे का कमरा डैकोरेट करते समय बहुत कुछ सोचना पड़ता है। छोटे बच्चे शरारती होते है इसलिए उनके कमरे को उनकी आदतों के अनुसार ही सजाना पड़ता है। कमरे की डैकोरेशन ऐसी होनी चाहिए जिसमे वह आसानी से छोटे-छोटे खेलों को खेल सके इसके अवाला बेड की ऊंचाई भी ध्यान में रखनी चाहिए ताकि बच्चे आराम से अपने कमरे में रह सकें। आज हम आपको बच्चों के कमरे के लेटेस्ट डिजाइन दिखाएंगे जो कि अरामदायक और देखने में खूबसूरत है। अगर आप भी बच्चों के कमरे की डैकोरेशन को लेकर परेशान हैं तो यहां से आइडिया ले सकते हैं।

अगर आपका बच्चा थोड़ा चंचल स्वभाव का है तो इस तरह से कमरे को सजा सकते हैं। बैड के इर्द- गिर्द बच्चे के पसंदीदा रंग के पर्दे लगाएं। इसके साथ ही बेड पर खिलौने भी रख सकते हैं। इस तरह से सजा कमरा बच्चे को बेहद पसंद आएगा।

कुछ बच्चे बेहद शांत स्वभाव के होते हैं। उनके लिए सिंपल तरके से सजा कमरा बैस्ट ऑप्शन है। अगर आपके घर में दो बच्चे हैं तो दोनों के एक ही कमरे में अलग- अलग बेड दें ताकि उनको सोने में परेशानी न हो।

लाल, नीला और पीले रंग का कॉम्बिनेशन बच्चों को बेदह प्यारा लगता है। आप डबलबेड भी बच्चों के कमरे में लगा सकते हैं। मगर ध्यान रहें की बड़े बच्चे को ऊपर और छोटे को नीचे सोने को कहें।

बच्चे को कमरे को अलग रूप देने के लिए इस तरह के फनी रंगो से सजाएं। अगर आप चाहें तो इस पर कोई अच्छी सी चित्रकारी भी करवा सकती हैं।

जिन बच्चो को जंगली जानवर अच्छे लगते हैं उनके लिए आप जू ट्रिप थीम वाला कमरा सजा सकती हैं। इस तरह से डैकोरेट रूम बच्चे को बेहद अच्छा लगेगा।

बच्चे के कमरो को खिलौने से इस तरह से सजा सकती हैं। कमरे में इस तरह रखे खिलौने देखे में बेहद प्यारे लगेगें।

आजकल 3D आर्ट डेकोर स्टाइल बहुत चलन में है। बच्चों को भी कमरे की इस तरह की सजावट बेहद अच्छी लगती है।

याद रखें ये छोटे-छोटे नुस्खे बच्चे से हर समस्या रहेगी दूर

भले ही आप बच्चे की परवरिश में कोई कसर न छोड़ें, लेकिन लाख सावधानियां बरतने के बाद भी कोई न कोई गलती हो ही जाती है। बच्चों की परवरिश करना आसान काम नहीं है क्योंकि बच्चे बेहद नाजुक और संवेदनशील होते हैं। बदलते मौसम में उन्हें सर्दी, खांसी और त्वचा संबंधी कई प्रॉबल्म भी हो सकती है। ऐसे में उन्हें खास केयर की जरूरत होती है, ताकि उन्हें इन परेशानियों से बचा कर रखा जा सकें।

अक्सर छोटे बच्चे बीमार होते है तो सबसे ज्यादा मां टेंशन में पढ़ जाती है, उनकी सेहत सुधारने में लगी रहती है, लेकिन जरूरी नहीं है कि छोटी-छोटी बीमारियों के लिए बच्चों को डॉक्टर के पास ले जाया जाए, बल्कि आप कुछ छोटे-छोटे नुस्खे इस्तेमाल करके भी बच्चे को इन परेशानियों से बचाए रख सकते है। आज हम आपको बच्चों की सेहत दुरुस्त रखने के कुछ टिप्स बताएंगे, जो हर मां को पता होने चाहिए।

शरीर में खुजली

अगर बच्चे की शरीर में खुजली हो रही है तो उसके नहाने के पानी में ओट्स मिला दें। यह उन बच्चों के लिए भी काफी मददगार है, जिन्हें चिकनपॉक्स की समस्या रहती है। खुजली से राहत मिलती है।

सर्दी भगाएं हल्दी-दूध

बच्चों को जल्दी सर्दी लग जाती है। ऐसे में उसे दूध में हल्दी मिलाकर पिलाएं। इससे बच्चों को काफी राहत मिलेगी।

हिचकी आने पर चीनी

जब बच्चे की हिचकियां रूकने का नाम ही नहीं लेती तो मां अक्सर चिंता में पड़ जाती है। इस तरह की परेशानी में परेशान न हो बल्कि बच्चे को एक चम्मच चीनी खिला दें। चीनी खाने से डायफरग्राम की मांसपेशियों को राहत मिलती है और हिचकी रुक जाती है।

गले में खराश

अगर बच्चे के गले में खराश और दर्द है तो उसे 1 चम्मच शहद चटाएं। इससे गले की खराश पैदा करने वाले कीटाणुओं को संमाप्त होते है और यह स्वाद में मीठा होने के कारण बच्चों को पसंद भी बेहद आता है।

पाचन क्रिया दुरुस्त

अगर बच्चे का हाजमा खराब है तो भी बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बच्चों को नींबू चटाएं, इससे दस्त की समस्या दूर रहेगी क्योंकि नींबू में साल्विया के निर्माण में कमी आती है और दस्त में आराम मिलता है।

बचपन में ही बच्चे को सिखाएं बचत की अहमियत

आपको पैसे की कमी हो या न हो बच्चों को पैसे की अहमियत समझानी बहुत जरूरी बात है ताकि आगे जाकर उन्हें अपनी जिंदगी में फाइनेशियल प्रॉब्लम न आएं। उन्हें पैसे की बचत करने की आदत डालनी चाहिए। आप उन्हें यह आदत अपनी मेहनत की बातें बता कर भी डाल सकते हैं। पढ़ाने-लिखाने के साथ उन्हें यह समझाना बहुत जरूरी है कि पैसा कमाने के लिए कितनी मेहनत करनी पड़ती है। ये बातें उन्हें बचपन से ही सिखानी चाहिए ताकि आपको भविष्य में उनकी कोई परेशानी न हो। बचत की आदत से उनकी जिंदगी परफैक्ट हो सकती हैं। वह अपने हर सपने का पूरा कर सकते हैं। आइए जानिए आप उन्हें किन बातों द्वारा बचत की आदत डाल सकते हैं।

अपनी मेहनत करने की बातें बताएं

बच्चों को बचत की आदत डालने के लिए उन्हें यह बताना बहुत जरूरी होता कि पैसा किस तरह से मेहनत करके कमाया जाता है। आप उन्हें यह जरूर बताएं कि आप किस तरह मेहनत करके एक-एक पैसा जोड़ते हैं। इसके लिए उन्हें शुरू से मेहनत करने की आदत डालें। उनसे घर के छोटे-छोटे काम करवाएं। इस तरह उन्हें भी मेहनत करने की आदत पड़ेगी और पैसे की अहमियत समझ आएगी।

पॉकेट मनी से बचत करें

बच्चों को पॉकेट मनी से बचत करने की आदत डालें। इस आदत के लिए उन्हें यह लालच दें कि बचाए हुए पैसे से वह अपनी मनपसंद की चीज खरीद सकते हैं या फिर कभी जरूरत पड़ने पर खर्च कर सकते हैं।

जरूरत और चाहत में फर्क बताएं

बचत करने की आदत डालने के लिए बच्चों को जरूरत और चाहत में फर्क बताना बहुत जरूरी है। उन्हें यह बताए कि जरूरत के अनुसार ही किसी भी चीज को खरीदें। चाहत तो बहुत कुछ पाने की होती है। उन्हें पैसे देकर अकेले खरीददारी करने के लिए भेजे और देखें कि वह किस तरह जरूरत के अनुसार चीजें खरीदते हैं, अगर वह कोई एक्सट्रा चीज खरीदते हैं तो उसे डांटने की बजाय समझाएं।

बचत से हेल्प करनी सिखाएं

बचत करने की आदत बच्चे में स्वार्थ की भावना भी पैदा कर सकती है इसलिए उसे जमा किए पैसे से किसी भी जरूरतमंद की मदद करनी सिखाएं। आपको जरूरत हो या न हो शुरू से ही उनसे कभी-कभी अपने लिए मदद लें।

गिफ्ट दें

बच्चों को उनके बचाएं पैसे से उनके पसंदीदा गिफ्ट लाकर दें, जिसे देख कर वह खुश हो जाएंगे और उन्हें बचत करने की आदत पड़ेगी।

बच्चों की डाइट में शामिल करें ये जूस, दिमाग होगा तेज

मां- बाप यही चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़ने में होशियार हो ताकि वह दुनिया के साथ कदम से कदम मिलकार चल सके। आजकल तो वैसे भी फाइनल एग्जाम चल रहें। मां- बाप इस समय बच्चों की डाइट का खास ध्यान रखते हैं ताकि उनको अच्छे से अच्छे नंबर मिलें। मगर कई बार बच्चा कोशिश करने के बाद भी पेपर के समय सब कुछ भूल जाता है। अगर आप भी चाहती हैं कि बच्चे का दिमाग तेज हो और वह अच्छे नंबरों के साथ पास हो तो उनको डाइट में ये ड्रिंक जरूर शामिल करें। इनको पीने से कुछ दिनों में बच्चे कि स्मरण शक्ति बढ़ जाएगी।

अनार का जूस

अनार में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते है जो ब्रेन सेल्स को खराब होने से बचाता है।

अगर आपका बच्चा पढ़ाई लिखाई में थोड़ा सा कमजोर है तो रोजाना उसको अनार का जूस पीने को दें। लगातार अनार का जूस पीने से कुछ दिनों में आपको अपने बच्चे में फर्क दिखाई देने लेगा।

बादाम शेक

बादाम में प्रोटीन काफी मात्रा में होता है जो ब्रेन की ग्रोथ बढ़ाने में फायदेमंद होता है। रोजाना ये शेक पीने से बच्चे का दिमाग तेज होने के साथ ही उसका पेट भी सही रहता है।

एलोवेरा जूस

इसमें विटामिन B6 बहुत ज्यादा पाया जाता है। इसको पीने से यादाशत तेजी से बढ़ती है। ये पीने में टेस्टी नहीं होता मगर बच्चे के दिमाग के लिए बेस्ट टॉनिक होता है। अगर आपका बच्चे को उसका स्वाद पसंद नही आता तो आप अमरूद के जूस में एलोवेरा मिलाकर दे सकते हैं।

ग्रीन टी

ग्रीन टी पॉलीफेनॉल्स का गुण होता है जो दिमाग को शार्प करने के साथ ही इसको फ्रेश रखने का काम भी करता है।

संतरे का जूस

संतरे में फ्लेवोनाइट्स होते है जो दिमाग को एक्टिव रखता है। एक गिलास संतरा का जूस पीने से बच्चा को पूरा दिन उत्साह के साथ गुजरेगा।

चुकंदर का जूस

चुकंदर का जूस पीने से ब्लड सर्कुलेशन तेजी से होने लगता है। यह जूस दिमाग को तेज करने के साथ ही डेमेंशिया यानी मेमोरी लौस से भी बचाता है।

टमाटर का जूस

टमाटर में विटामिन डी ,सी और ए की अच्छी मात्रा पाई जाती है। यह जूस त्वचा में निखार लाने के साथ ही दिमाग भी तेज करता है।

नारियल पानी

गर्मियों के मौसम में नारियल पानी से पूरा शरीर तरोताजा रहता है। मगर बहुत कम लोगों को पता होगा कि इसको रोजाना पीने से दिमाग तेज होने के साथ ही एकाग्रता भी बढ़ती है।